नई दिल्ली। शनिवार, 29 अगस्त, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष प्रतिपदा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 234/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल महिला हॉकी विश्व कपः नीदरलैंड्स ...
@ विचार बाढ़ से निपटने सुनियोजित रणनीति आवश्यक...
@ व्यापार सेंसेक्स 331 अंक उछला...

विश्व केसरी खबर झरोखा

अमेरिका से जेवलिन मिसाइलें खरीदेगा भारत

भारतीय सेना ने अमेरिका के साथ जेवलिन एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम खरीदने का समझौता किया है। अमेरिकी दूतावास के अनुसार, लॉकहीड मार्टिन और आरटीएक्स द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित यह मध्यम दूरी की निर्देशित मिसाइल प्रणाली बख्तरबंद वाहनों समेत कई लक्ष्यों को निशाना बनाने में सक्षम है। यह प्रणाली अमेरिकी सेना और मरीन कॉर्प्स के अलावा कई अन्य देशों की सेनाओं में भी शामिल है।

निफ्टी-सेंसेक्स में लगातार तीसरे सप्ताह गिरावट

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ, लेकिन निफ्टी और सेंसेक्स में लगातार तीसरे सप्ताह गिरावट दर्ज हुई। यह पांच महीने की सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट है। नए क्लोजिंग-ऑक्शन तंत्र को लेकर चिंता और अमेरिकी फेडरल रिजर्व चेयर के भाषण से पहले सतर्कता के कारण बाजार दबाव में रहा। सप्ताह में निफ्टी 0.3% और सेंसेक्स 0.4% नीचे रहा।

डॉलर की बढ़ी आवक से रुपया मजबूत, सप्ताह में 0.3% चढ़ा

भारतीय रुपया शुक्रवार को मजबूती के साथ बंद हुआ और लगातार दूसरे सप्ताह बढ़त दर्ज की। विशेष जमा योजना की अवधि समाप्त होने से पहले डॉलर की तरलता में अचानक बढ़ोतरी से रुपये को मजबूती मिली। रुपया शुक्रवार को 95.3775 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जबकि गुरुवार को यह 95.54 प्रति डॉलर था। इस तरह रुपये में 0.2 प्रतिशत की मजबूती आई।

शुरुआती कारोबार में मामूली गिरावट के बाद दोपहर में रुपये ने तेजी पकड़ी। विशेष जमा से जुड़ी डॉलर की आवक बढ़ने से रुपये में कमजोरी की उम्मीद पर लगाए गए दांवों की 'स्टॉप-लॉस' बिकवाली और पोजिशन से बाहर निकलने की प्रक्रिया तेज हुई। पूरे सप्ताह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 0.3 प्रतिशत मजबूत हुआ।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड 729.33 अरब डॉलर पर

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 21 अगस्त को समाप्त सप्ताह में बढ़कर रिकॉर्ड 729.33 अरब डॉलर पहुंच गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, यह लगातार आठवां सप्ताह है जब देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि हुई है। इस दौरान भंडार करीब 63 अरब डॉलर बढ़ा और फरवरी में दर्ज पिछले रिकॉर्ड को भी पार कर गया।

कीव पर रूसी ड्रोन हमले में एक की मौत

रूस ने शुक्रवार को यूक्रेन की राजधानी कीव और आसपास के इलाकों में ड्रोन हमलों की कई लहरें भेजीं। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, हमले में कीव के बाहर कम से कम एक व्यक्ति की मौत हुई। 14 गोदाम, 16 घर और तीन अपार्टमेंट इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं। अधिकारियों ने कहा कि यह लगातार दूसरे दिन हुआ हमला है।

नेपाल आपदा : 320 भारतीय नागरिक लापता

चीन की सीमा पर फंसे 400 सुरक्षित : विदेश मंत्रालय

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बाद 320 भारतीय नागरिक लापता हैं, जबकि चीन की सीमा पर फंसे 400 भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं।

शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि त्रिशुली-वन जलविद्युत परियोजना में कार्यरत 63 भारतीय नागरिकों सहित 84 भारतीय नागरिकों को अब तक बचाया जा चुका है। उन्होंने आगे बताया कि चीन की सीमा पर फंसे 96 भारतीय नागरिक सड़क मार्ग से सुरक्षित रूप से नेपाल पहुंच गए हैं।

नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों की स्थिति के बारे में जायसवाल ने कहा कि पहली अच्छी खबर! बाढ़ प्रभावित क्षेत्र से कल काठमांडू पहुंचे 21 भारतीय नागरिक आज दिल्ली पहुंच गए हैं। कल हमारे राजदूत ने काठमांडू में उनसे मुलाकात की और उनका हालचाल पूछा।

उन्होंने आगे कहा कि इन 21 और 63 के अलावा, हमें पता चला है कि चीन की सीमा में फंसे 96 भारतीय नागरिक सड़क मार्ग से सुरक्षित रूप से नेपाल पहुंच गए हैं और उन्हें निकालने के प्रयास जारी हैं। जैसे ही हमें उनके बारे में और जानकारी मिलेगी, हम आपको सूचित करेंगे।जायसवाल ने बताया कि भारतीय मूल के लगभग 100

लोग अभी भी संपर्क से बाहर हैं। जिन लोगों से हम संपर्क नहीं कर पा रहे हैं या जो लापता हैं, उनकी संख्या इस समय 320 है। लेकिन कृपया ध्यान रखें कि स्थिति लगातार बदल रही है, इसलिए संख्याएं घटती-बढ़ती रहती हैं। साथ ही, हमें कई सूचियों का मिलान करना है। भारतीय मूल के लगभग 100 लोग अभी भी संपर्क से बाहर हैं। ये वे लोग हैं जो भारतीय मूल के हैं और कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए हो सकते हैं, लेकिन उनके पास अन्य राष्ट्रीयताएं हैं। विदेश मंत्रालय का हमारा नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे काम कर रहा है, जैसा कि काठमांडू और बीजिंग स्थित हमारे दूतावासों के नियंत्रण कक्ष भी कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि चीन की सीमा पर मौजूद 400 भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं और अपने परिवारों से संपर्क करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि चीन में भारतीय दूतावास स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर चीनी सीमा पर फंसे 400 लोगों को निकालने के लिए काम कर रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि चीनी सीमा पर हमारे 400 भारतीय नागरिक फंसे हुए हैं। वे सुरक्षित हैं। वे अपने परिवार के संपर्क में हैं क्योंकि मुझे बताया गया है कि वहां फोन आदि सेवाएं काम कर रही हैं। हमारा दूतावास उनमें से कई लोगों के संपर्क में है, वास्तव में उनके टीम लीडर और उनके ट्रैवल एजेंट से भी। उनके कई परिवार के सदस्यों ने भी बीजिंग में हमारे दूतावास द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबरों के माध्यम से हमसे संपर्क किया है... जैसा कि मैंने पहले कहा था कि स्थिति लगातार बदल रही है, इसलिए हम आपको बाद में अपडेट आंकड़े देंगे, लेकिन फिलहाल हम लगभग 400 लोगों की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा दूतावास चीन के स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि वहां फंसे लोगों को कैसे निकाला जाए।

एनटीएः परीक्षा सुधारों पर मांगे सुझाव

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) में तीन वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इनमें 2 डायरेक्टर और एक जॉइंट डायरेक्टर शामिल हैं। इसके साथ ही सरकार की ओर से परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों समेत आम लोगों से भी सुझाव मांगे गए हैं।

कार्मिक मंत्रालय की ओर से 27 अगस्त को जारी आदेशों के मुताबिक, भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी रवि कुमार सिंह और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी

प्रसन्ना वेंकटेश वी को एनटीए में डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, 2016 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (कस्टम्स एवं अप्रत्यक्ष कर) अधिकारी अमित समदरिया को एनटीए में जॉइंट डायरेक्टर बनाया गया है। कार्मिक मंत्रालय के आदेश में नियुक्त अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर नई जिम्मेदारी संभालने को कहा गया है। अधिकारियों को आदेश जारी होने के 3 सप्ताह के भीतर एनटीए में कार्यभार ग्रहण करना होगा। गौरतलब है कि एनटीए पिछले कुछ समय से देश की सबसे महत्वपूर्ण प्रवेश और भर्ती परीक्षाओं के संचालन को लेकर सवालों के घेरे में रहा है। खास तौर पर नीट-यूजी में पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, परिणाम और परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े विवादों के बाद एजेंसी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठे थे।

भारत ने बाढ़ प्रभावित नेपाल के लिए डॉक्टरों और पैरामेडिकल कर्मियों की टीम भेजी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि 10 टन से अधिक मानवीय सहायता सामग्री और डॉक्टरों और पैरामेडिकल कर्मियों की टीम लेकर तीसरी विशेष उड़ान नई दिल्ली से काठमांडू के लिए रवाना हुई है। भारत बुधवार को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद पड़ोसी हिमालयी देश नेपाल की मदद के लिए अपने प्रयास तेज कर रहा है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि 10 टन मानवीय सहायता सामग्री लेकर तीसरी उड़ान काठमांडू के लिए रवाना हो गई है। इस सहायता सामग्री में पोर्टेबल जनरेटर सेट, डिग्निटी किट, खाद्य पैकेट और जल शोधन की गोलियां शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा व समर्पण पर भाजपा का माहव्यापी अभियान

एजेंसी ■ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक सेवा एवं जन-समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक विशेष कार्यक्रमों का आयोजन करने जा रही है। इस माहव्यापी अभियान की रूपरेखा तैयार करने और कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन के लिए 29 अगस्त को रायपुर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में एक महत्वपूर्ण प्रदेशस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, राष्ट्रीय मंत्री डॉ. कविता पाटीदार, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, अभियान के सदस्य ओपी चौधरी मौजूद रहेंगे। भाजपा के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में सुबह 11 बजे से कार्यशाला प्रारंभ होगी। कार्यशाला में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले विभिन्न सेवा, रचनात्मक और जन-कल्याणकारी आयोजनों की रूपरेखा तैयार कर जिम्मेदारियाँ सौंपी जाएंगी।

जेएसएससी-सीजीएल गड़बड़ी मामला : चार और अभ्यर्थी गिरफ्तार

एजेंसी ■ रांची

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा (सीजीएल)-2023 परीक्षा में हुई अनियमितताओं से जुड़े केस में सीआईडी की विशेष जांच टीम ने शुक्रवार को चार और अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया।

वहीं, मामले में गुरुवार को गिरफ्तार किए गए दो मुख्य आरोपियों, सोमांश प्रकाश और राहुल कुमार, को एजेंसी ने पूछताछ के लिए पांच दिनों की पुलिस रिमांड पर लिया है। शुक्रवार को गिरफ्तार किए गए अभ्यर्थियों में धनबाद का नावाडीह निवासी दीपक कुमार, इसी जिले का राजगंज निवासी विजय कुमार तिवारी, सुदामडीह निवासी आनंद कुमार सिंह, और बोकारो का उमेश कुमार राय शामिल हैं।

मामले की जांच के दौरान सीआईडी की टीम ने गुरुवार देर रात गिरिडीह जिले के बेंगाबाद में भी छापेमारी की थी। टीम ने बेंगाबाद चौक स्थित एक मिठाई की दुकान से सीजीएल परीक्षा में सफल होकर एएसओ के पद पर कार्यरत समीर उर्फ शालू को पकड़ा। बताया जा रहा है कि समीर छुट्टी पर रांची से बेंगाबाद गया था। सीआईडी की टीम ने समीर के घर पर भी तलाशी ली। इस दौरान कुछ सामान और मोबाइल फोन जब्त किए जाने की जानकारी है। जांच एजेंसी इन सामान और डिजिटल साक्ष्यों की भी पड़ताल कर रही है। जांच के दौरान कथित मास्टरमाइंड अभय तिवारी के बेंगाबाद कनेक्शन की भी जांच की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, अभय तिवारी का ससुराल बेंगाबाद थाना क्षेत्र के हातबोड़ गांव में बताया जाता है।

आरोप है कि उसके संपर्क के जरिए बेंगाबाद और आसपास के कुछ युवकों को प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित तौर पर लाभ पहुंचाकर नौकरी दिलाने की कोशिश की गई। सीआईडी की टीम इस बात का पता लगाने में जुटी है कि परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों और कथित पेपर लीक नेटवर्क के बीच कोई सीधा संपर्क था या नहीं।

इसके लिए गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइल फोन, डिजिटल डिवाइस और अन्य संभावित साक्ष्यों की जांच की जा रही है। गुरुवार को गिरफ्तार किए गए सोमांश प्रकाश और राहुल कुमार को पांच दिनों की पुलिस रिमांड पर लेकर सीआईडी उनसे पूछताछ कर रही है। जांच एजेंसी पेपर लीक की पूरी कड़ी, अभ्यर्थियों तक कथित तौर पर प्रश्नपत्र पहुंचने और इसके पीछे सक्रिय लोगों की भूमिका का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

नॉर्वे के किंग हेराल्ड का 89 साल में हुआ निधन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नॉर्वे के पांचवें महाराजा हेराल्ड का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किंग हेराल्ड के निधन पर शोक जताया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। शाही महल की ओर से गुरुवार को जानकारी दी गई थी कि किंग की हालत काफी गंभीर है और उनका इलाज ओस्लो के नेशनल हॉस्पिटल में चल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'नॉर्वे के किंग हेराल्ड पंचम के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ। इस साल की शुरुआत में अपनी नॉर्वे यात्रा के दौरान महामहिम से हुई मुलाकात को मैं स्नेहपूर्वक याद करता हूं और राष्ट्र के प्रति उनकी गर्मजोशी और सेवा की गहरी भावना से मैं अत्यंत प्रभावित हुआ था।

वाल्मीकि निगम घोटालाः कर्नाटक के मंत्री नागेंद्र का इस्तीफा

एजेंसी ■ बेंगलुरु

कर्नाटक के योजना एवं सांख्यिकी मंत्री बी. नागेंद्र ने शुक्रवार को मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि कथित वाल्मीकि जनजातीय कल्याण निगम घोटाले को लेकर चल रहे विवाद से कांग्रेस पार्टी और उसके नेतृत्व को असहज स्थिति का सामना न करना पड़े, इसलिए उन्होंने यह फैसला लिया है।

बेंगलुरु के विधान सौधा में आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में नागेंद्र भावुक नजर आए। उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि विपक्ष

ने उन्हें गलत तरीके से निशाना बनाया है।

नागेंद्र ने कहा, 'मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मुझे बताया कि मैं हर स्तर पर निर्दोष हूं। उन्होंने कहा कि मुझे इस्तीफा देने की जरूरत नहीं है। लेकिन पार्टी को किसी तरह की परेशानी न हो, इसलिए मैं स्वेच्छा से अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री को सौंप रहा हूं।'

उन्होंने मीडिया के उन प्रतिनिधियों का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने उनका समर्थन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और अन्य विपक्षी दलों ने जानबूझकर विधानसभा की कार्यवाही बाधित की और राज्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा नहीं होने दी।

तीर तेवर — सागर कुमार

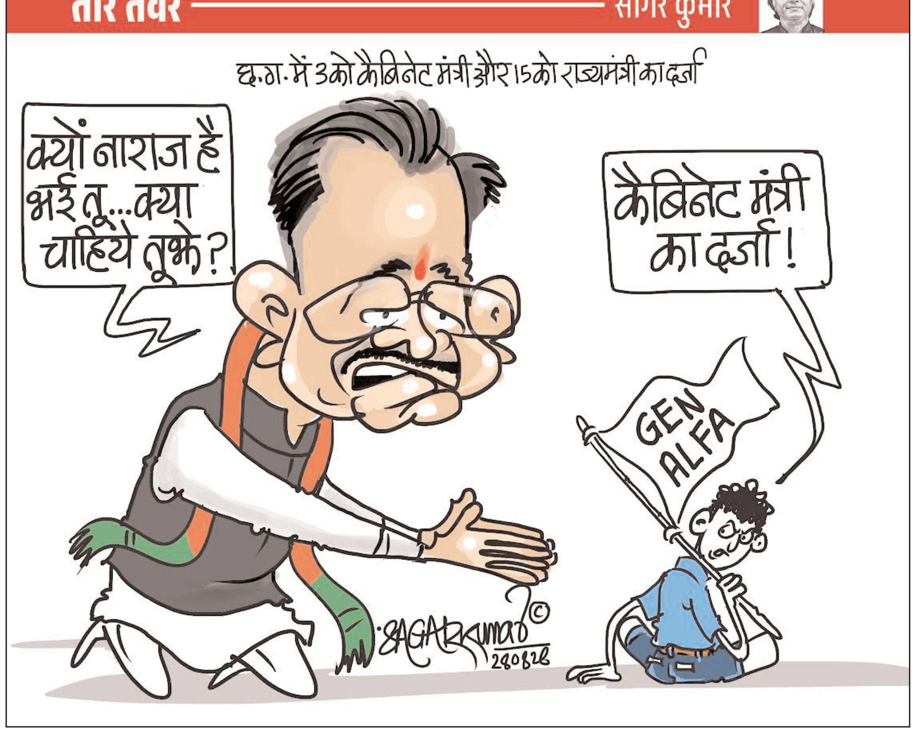

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नई दिल्ली। पूरे भारत में शुक्रवार को रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जा रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में अलग-अलग स्कूलों और संगठनों के बच्चों के साथ रक्षाबंधन मनाया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का महत्व भाई-बहन के रिश्ते से कहीं बढ़कर है।

राष्ट्रपति ने बच्चों के साथ विशेष रक्षाबंधन समारोह की झलकियां शेयर कीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'रक्षाबंधन का महत्व भाई-बहन के रिश्ते से कहीं बढ़कर है' राखी का पवित्र धागा परिवार के सदस्यों, दोस्तों और यहां तक कि पेड़ों पर भी बांधा जा सकता है, जो प्यार और देखभाल के बंधन का प्रतीक है।

पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बच्चों से पेड़-पौधों की देखभाल करने का भी आग्रह

किया। इससे पहले, रक्षाबंधन पर राष्ट्रपति ने देशवासियों के नाम संदेश जारी किया। उन्होंने सभी भारतीयों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा, 'रक्षा-बंधन की पावन परंपरा, प्राचीन काल से, हमारी उपासना और संस्कृति का अंग रही है। श्रद्धापूर्वक हाथ पर बांधे गए धागे को, रक्षा हेतु पवित्र सूत्र- बंधन, यानी रक्षा-बंधन माना गया है। अनेक श्लोकों और मंत्रों में, 'रक्षै, मा चल, मा चल' इन शब्दों में अनुरोध किया जाता है कि 'हे रक्षा रूपी बंधन, तुम सदैव अचल रहो'। उन्होंने कहा, 'समय के साथ, रक्षा-बंधन, बहन की रक्षा के लिए भाई के हाथ पर राखी बांधने के भावपूर्ण सामाजिक पर्व के रूप में लोकप्रिय हुआ। यह पर्व भाई-बहनों, मित्रों तथा परिवार और समाज के विभिन्न सदस्यों के बीच आत्मीयता, सम्मान और एक-दूसरे के प्रति उत्तरदायित्व के भाव को सुदृढ़ करता है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जीवन के हर रिश्ते की नींव विश्वास, संवेदनशीलता और परस्पर सहयोग पर आधारित होती है। उन्होंने आह्वान किया कि रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर हम समाज और देश की रक्षा के लिए संकल्प लें। साथ ही, इसी भावना के साथ विकसित भारत के निर्माण के लिए आगे बढ़ते रहें।

गृह मंत्री शाह ने अहमदाबाद में टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित लड़कियों के साथ मनाया रक्षाबंधन

विश्व केसरी

गांधीनगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अहमदाबाद में अपने संसदीय क्षेत्र की टाइप-1 डायबिटीजसे पीड़ित लड़कियों के साथ रक्षाबंधन मनाया। इस मौके पर लड़कियों ने उन्हें राखी बांधी।

गृह मंत्री अमित शाह ने लड़कियों को रक्षाबंधन की बधाई दी और उनके अच्छे स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तस्वीरें भी शेयर कीं।

अमित शाह ने लिखा, 'आज अहमदाबाद में अपने संसदीय क्षेत्र की टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बेटियों के साथ रक्षाबंधन का पावन पर्व मनाया। टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चों को जीवनभर इंसुलिन के इंजेक्शन की आवश्यकता होती है, जो उनके परिवारों पर बड़ा आर्थिक बोझ डालता है। मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार की ओर से ऐसे सभी बच्चों को आजीवन निःशुल्क इंसुलिन उपलब्ध कराई जा रही है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'यह दूरदर्शी पहल, जिसे कई विकसित देश भी अभी लागू करने के लिए प्रयासरत हैं, मोदी सरकार की 'सेवा, संवेदना और सुरक्षा' के सिद्धांतों के प्रति कटिबद्धता का प्रमाण है।

ये लड़कियां गृह मंत्री अमित शाह से गांधीनगर संसदीय क्षेत्र में शुरू की गई एक पहल के तहत मिलीं।

इस पहल का मकसद 18 साल तक की उम्र के उन बच्चों को मुफ्त इंसुलिन उपलब्ध कराना है, जिन्हें टाइप-1 डायबिटीज है।

यह पहल 'राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) 2.0' के तहत बच्चों में डायबिटीज मेलिटस के लिए 30 अप्रैल को जारी दिशानिर्देशों के आधार पर शुरू की गई थी। गांधीनगर में 18 साल की उम्र तक के बच्चों को जीवन भर मुफ्त इंसुलिन देने के लिए एक इंटीग्रेटेड सिस्टम बनाया गया है, जिसमें स्क्रीनिंग, जांच, इंसुलिन और इलाज, मॉनिटरिंग और फॉलो-अप शामिल हैं।

इससे पहले, अमित शाह ने देशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा, 'समस्त देशवासियों को भाई-बहन के अटूट स्नेह और विश्वास को समर्पित 'रक्षाबंधन' के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। यह पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए।

मेघालयः एसआईआर के दौरान 34,000 से अधिक मतदाताओं का सत्यापन किया गया

विश्व केसरी

शिलांग। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) के तहत, मेघालय के उत्तरी गारो हिल्स जिले की चार विधानसभा सीटों के कुल 34,730 मतदाताओं की पहचान सत्यापन के लिए की गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि ये मतदाता सूची 2005 की मतदाता सूची में दर्ज नहीं है या उनके मतदाता रिकॉर्ड में विसंगतियां पाई गई हैं।

उत्तरी गारो हिल्स जिले के निर्वाचन अधिकारी एमएसएन मारक के अनुसार, सत्यापन के लिए चिन्हित 30,580 मतदाताओं को अब तक नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

सुनवाई प्रक्रिया, जो 18 अगस्त को शुरू हुई थी, जिले के सभी मतदान केंद्रों पर चल रही है।

27 अगस्त तक, चारों निर्वाचन क्षेत्रों के कुल 190 मतदान केंद्रों में से 47 में सुनवाई पूरी हो चुकी थी।

खारकुट्टा विधानसभा क्षेत्र में सत्यापन की आवश्यकता वाले मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक है। यहां सत्यापन वाले 11,796 मामले दर्ज किए गए हैं।

10,890 मतदाताओं को नोटिस वितरित किए जा चुके हैं, जबकि इसके 62 मतदान केंद्रों में से 14 में सुनवाई पूरी हो चुकी है।

मेंडीपाथर में, अधिकारियों ने सत्यापन के लिए 6,830 मतदाताओं की पहचान की और उनमें से 5,720 को नोटिस जारी किए। इस क्षेत्र के 40 मतदान केंद्रों में से 12 में सुनवाई पूरी हो चुकी है।

रेसुबेलपारा में सत्यापन की आवश्यकता वाले मतदाताओं की संख्या 7,685 दर्ज की गई, जिनमें से 6,720 को नोटिस जारी किए गए हैं।

त्रिपुरा विधानसभा में डीजीपी अनुराग की मौत पर फिर से हंगामा

विश्व केसरी

अगरतला। त्रिपुरा विधानसभा में शुक्रवार को राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग की मौत को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। अनुराग का शव 20 जुलाई को राज्य पुलिस मुख्यालय स्थित उनके आधिकारिक कक्ष से लगे शौचालय में रहस्यमय परिस्थितियों में मिला था। गुरुवार की तरह ही, सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए, जिससे सदन में संदर्भ अवधि के दौरान हंगामा मच गया। हंगामे के दौरान, विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी के नेतृत्व में विपक्षी सीपीआई (एम) के विधायक सदन के वेल में घुस गए और सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

अध्यक्ष राम पाडा जमातिया के बार-बार अनुरोध करने और मुख्यमंत्री माणिक साहा द्वारा इस मुद्दे पर बयान देने की सहमति के बाद, वामपंथी विधायक अपनी सीटों पर लौट गए।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के सार्वजनिक होने को लेकर विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि संविधान के अनुच्छेद 194 के तहत, वे जनता के हित और पारदर्शिता के हित में पोस्टमार्टम रिपोर्ट का हवाला दे सकते हैं।

गृह मंत्रालय का प्रभार भी संभाल रहे साहा ने कहा कि डीजीपी अनुराग का शव 20 जुलाई को राज्य पुलिस मुख्यालय स्थित उनके आधिकारिक कक्ष से सटे शौचालय में लटका हुआ मिला था। मृत्यु का कारण आत्महत्या प्रतीत होता है।

हालांकि, विधानसभा में तीखी बहस जारी रही, जिसमें विपक्षी कांग्रेस और सीपीआई (एम) के सदस्यों ने राज्य सरकार पर इस मुद्दे पर चर्चा न होने देने का आरोप लगाया। अध्यक्ष ने सदन को बताया कि मुख्यमंत्री ने त्रिपुरा विधानसभा की कार्य प्रक्रिया एवं संचालन नियमों के नियम 361 के तहत यह बयान दिया था।

ड्रग्स पर वार : एनसीबी ने चार राज्यों में बुलाई जेसीसी की बैठक, बड़े तस्करों पर कसेगा शिकंजा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने ड्रग तस्करी के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए इस हफ्ते चार राज्यों (बिहार, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश और मिजोरम) में तिमाही राज्य स्तरीय जॉइंट कोऑर्डिनेशन कमेटी (जेसीसी) की बैठकें बुलाई। इसकी जानकारी अनसीबी ने 'एक्स' पोस्ट के जरिए दी।

इसका मकसद नशा तस्करी के खिलाफ एजेंसियों के बीच तालमेल को और मजबूत करना है। बता दें कि एनसीबी देश भर में नियमित रूप से तिमाही राज्य स्तरीय जेसीसी बैठकें आयोजित करता है ताकि ड्रग तस्करी के खिलाफ इंटर-एजेंसी कार्रवाई को मजबूत किया जा सके।

इन बैठकों में एनआईए, ईडी, डीआरआई, कस्टम, इनकम टैक्स, बीएसएफ, आरपीएफ, सीआईएसएफ, राज्य एएनटीएफएस, राज्य ड्रग कंट्रोलर्स, एसआईबी और अन्य ड्रग लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

बैठक में इंटेलिजेंस शेयरिंग को मजबूत करने, फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन, एनडीपीएस के प्रमुख मामलों, पीआईटीएनडीपीएस, फार्मा डायवर्जन, फाइनेक्स पोर्टल, निदान और नैटग्रीड पोर्टल के इस्तेमाल और भगोड़ों की जानकारी साझा कर जरूरी कार्रवाई करने पर विस्तार से चर्चा हुई।

एनसीबी ने ड्रग तस्करी के ट्रेंड और उभरती चुनौतियों पर फोकस किया। एजेंसी ने ड्रग तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए सरगनाओं के खिलाफ केंद्रित कार्रवाई की जरूरत, नारकोटिक्स कंट्रोल पर विजन डॉक्यूमेंट के प्रभावी क्रियान्वयन और गुप्त लैब की पहचान के लिए रेड फ्लैग इंडिकेटर्स जैसे मुद्दों पर जोर दिया।

मुख्य उद्देश्यों में राज्य और केंद्रीय एजेंसियों के बीच तालमेल, फाइनेक्स, निदान, नेटग्रिड जैसे पोर्टल के जरिए डेटा शेयरिंग, वित्तीय जांच और संपत्ति जब्त करने को लागू करने पर चर्चा हुई।

एनसीबी की बैठकों का मुख्य मकसद केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के बीच तालमेल बढ़ाना है।

इसमें फाइनएक्स, निदान और नेटग्रिड जैसे पोर्टल के जरिए खुफिया जानकारी साझा करने और भगोड़ों को ट्रैक करने पर जोर दिया जाता है।

साथ ही, पैसों की जांच, संपत्ति जब्त करने और पीआईटी-एनडीपीएस कानून को लागू करने पर ध्यान दिया जाता है, ताकि बड़े ड्रग तस्करों और सीमा पार सप्लाई चेन को खत्म किया जा सके और अवैध लैब का पता लगाया जा सके।

बेटियों के सपनों को पंख दे रही डबल इंजन सरकार : मुख्यमंत्री योगी

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रक्षाबंधन केवल रक्षा सूत्र बांधने का पर्व नहीं, बल्कि श्रद्धा, विश्वास, सम्मान, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। यह पर्व परिवार और समाज के रिश्तों को मजबूत करने के साथ स्थानीय कारीगरों और हस्तशिल्पियों के आर्थिक स्वावलंबन से भी जुड़ा है। आज बेटियों ने जो राखियां मुझे बांधीं, उनमें से बहुत उन्होंने अपने हाथों से बनाई। प्रदेश में करीब 15 करोड़ राखियां बंध रही हैं। इनमें से प्रत्येक राखी के पीछे किसी कारीगर, हस्तशिल्पी, दुकानदार व बाजार की आर्थिक गतिविधि जुड़ी हुई है। राखी खरीदने पर पैसा कारीगर तक पहुंचता है और फिर बाजार में लौटकर विकास को गति देता है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को 'बिटिया और बहना-यूपी का गहना' स्नेहबंधन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्रद्धा और सम्मान से विश्वास पैदा होता है, विश्वास आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता को मजबूत करता है और आत्मनिर्भर समाज ही विकास को तेज गति देता है। इसी सोच के साथ प्रदेश में मिशन शक्ति का संचालन बेटी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए किया जा रहा है। आज बेटियां भयमुक्त होकर स्कूल जा रही हैं और शिक्षा से लेकर रोजगार तक हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं।

सीएम योगी ने अपने कार्यकाल के शुरुआती दिनों का अनुभव साझा करते हुए बताया कि एक दौरे के दौरान उन्होंने गरीब परिवार की कुछ बच्चियों को नंगे पैर और बिना यूनिफॉर्म स्कूल जाते देखा था, वहीं उनके भाइयों के पास जूते और यूनिफॉर्म थी।

महाराष्ट्र में 40 लाख रुपए रिश्वत मामलाः सीबीआई ने सीजीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त समेत तीन लोगों को किया गिरफ्तार

विश्व केसरी

मुंबई। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में कथित रिश्वतखोरी के एक बड़े मामले में केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) विभाग के एक अतिरिक्त आयुक्त, एक सुपरिंटेंडेंट और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस मामले में तीनों की गिरफ्तारी 27 अगस्त को हुई।

सीबीआई की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एजेंसी ने 26 अगस्त को सीजीएसटी के सुपरिंटेंडेंट के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप है कि उन्होंने शिकायतकर्ता की पत्थर खनन (स्टोन क्वैरी) फर्म से जुड़े जीएसटी और रॉयल्टी मामले को निपटाने के बदले 1.50 करोड़ रुपए की रिश्वत की मांग की थी।

जांच के दौरान आरोपित अधिकारियों और शिकायतकर्ता के बीच हुई बातचीत के बाद कथित रिश्वत की रकम घटाकर 40 लाख रुपए कर दी गई।

सीबीआई के मुताबिक, सरकारी अधिकारियों ने रिश्वत की रकम सीधे लेने के बजाय एक निजी व्यक्ति के माध्यम से वसूलने की व्यवस्था की थी और शिकायतकर्ता को उसी के पास रकम पहुंचाने को कहा गया था।

इसके बाद सीबीआई ने जाल बिछाकर कार्रवाई की और निजी व्यक्ति को 40 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। जांच एजेंसी का दावा है कि बाद में सीजीएसटी सुपरिंटेंडेंट और अतिरिक्त आयुक्त दोनों ने इस राशि की प्राप्ति को स्वीकार भी किया।

सीबीआई ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें सक्षम अदालत के समक्ष पेश किया जा रहा है। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने आरोपियों के ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान एजेंसी को 43 लाख रुपए नकद और लगभग 90 लाख रुपए मूल्य के आभूषण बरामद हुए।

सीबीआई का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और रिश्वतखोरी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

तमिलनाडु के मंत्रियों से मिले विदेश सचिव, नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों की मदद के बारे में की चर्चा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शुक्रवार को आधव अर्जुन के नेतृत्व में तमिलनाडु के वरिष्ठ मंत्रियों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। दोनों पक्षों के बीच नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित दक्षिणी राज्य के यात्रियों सहित भारतीय नागरिकों के लिए भारत की ओर से चल रहे राहत और सहायता प्रयासों के बारे में चर्चा हुई।

यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब नेपाल की भोटे कोशी नदी में आई भयानक बाढ़ के बाद 290 भारतीय नागरिकों से संपर्क नहीं हो पा रहा है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने आज तमिलनाडु के वरिष्ठ मंत्रियों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की, जिसका नेतृत्व थिरु आधव अर्जुन कर रहे थे। उन्होंने उन्हें नेपाल में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित भारतीय नागरिकों (जिनमें तमिलनाडु के यात्री भी शामिल हैं) के लिए एमईए और नेपाल में भारतीय दूतावास द्वारा किए जा रहे राहत और सहायता कार्यों के बारे में जानकारी दी। वरिष्ठ मंत्रियों ने विदेश मंत्रालय के 'सिचुएशन रूम' का भी दौरा किया, जो भारतीय नागरिकों और उनके परिवारों की मदद के लिए 24 घंटे काम कर रहा है। गुरुवार को विदेश मंत्रालय ने बताया कि रसुवा जिले में त्रिशूली-द्व प्रोजेक्ट पर काम कर रहे 63 भारतीय कर्मचारियों और कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए तमिलनाडु के 21 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने एक आईएएस अधिकारी के नेतृत्व में एक टीम को नेपाल भेजने का आदेश दिया है। यह टीम हिमालयी देश के उत्तरी इलाके में आई भयानक बाढ़ के बाद फंसे तमिलनाडु के निवासियों को बचाने के प्रयासों में समन्वय करेगी। यह फैसला मुख्यमंत्री विजय द्वारा गुरुवार को अधिकारियों के साथ एक आपातकालीन बैठक करने के बाद लिया गया, जिसमें आपदा में फंसे राज्य के लोगों की स्थिति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु के गृह आयुक्त आशीष कुमार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली से काठमांडू जाएगा, वहां फंसे तमिल लोगों की स्थिति का जायजा लेगा और बचाव कार्यों में समन्वय के लिए नेपाल सरकार के साथ मिलकर काम करेगा।

नेपाल की भोटे कोशी नदी में अचानक आई भयानक बाढ़ के कारण 469 लोगों की मौत हो गई है जबकि 977 लोगों से संपर्क नहीं हो पा रहा है।

माना जा रहा है कि यह बाढ़ नेपाल और चीन के बीच बहने वाली नदी पर हिमस्खलन के कारण आई है। नदी के बहाव की दिशा में किनारों पर भारी तबाही हुई है, जिसमें कई बस्तियां, सड़कें, पनबिजली परियोजनाएं और ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी सुविधाएं बह गई हैं।

ईश्वरीय प्रजापिता विश्वविद्यालय की बहनों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को बांधी राखी

विश्व केसरी

भोपाल। मध्य प्रदेश में रक्षाबंधन का पर्व उत्साह और उमंग के साथ मनाया जा रहा है। बहने अपने भाई की कलाई पर राखी बांध रही हैं और सुख, समृद्धि की कामना कर रही हैं ईश्वरीय प्रजापिता विश्वविद्यालय से जुड़ी बहनों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को राखी बांधी । मुख्यमंत्री मोहन यादव को रक्षाबंधन के पावन पर्व पर ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय प्रजापिता विश्वविद्यालय से जुड़ी बहनों ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर राखी बांधी।

मुख्यमंत्री यादव को आशीर्वाद स्वरूप ब्रह्मकुमारी बहनों ने एक स्लोगन कार्ड दिया जिसमें कहा गया है कि आप समर्थ संकल्पों के माध्यम से व्यर्थ के विषयों को समाप्त करने वाली श्रेष्ठ आत्मा हैं। मुख्यमंत्री यादव को माउंट आबू स्थित ब्रह्मकुमारी संस्था के मुख्यालय में 18 से 20 सितंबर तक होने वाली माइंड बॉडी मेडिसिन संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने का आमंत्रण भी दिया गया। यह संगोष्ठी ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित की जा रही है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को भाई-बहन के प्रेम और विश्वास के पावन पर्व रक्षाबंधन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि यह भाई-बहन के आत्मीय रिश्ते का पर्व है, जो बचपन की मीठी यादों से लेकर जीवन के हर पड़ाव तक स्नेह, अपनत्व और विश्वास से जुड़ता है।

भारत व कुवैत के बीच पहली बार हुई संयुक्त रक्षा समिति की बैठक

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत और कुवैत ने रक्षा क्षेत्र में अपने रिश्तों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। दोनों देशों के बीच भारत-कुवैत संयुक्त रक्षा समिति की पहली बैठक शुक्रवार को नई दिल्ली में हुई।

बैठक में दोनों पक्षों ने सैन्य प्रशिक्षण, सैन्य अभ्यास, सैन्य चिकित्सा, स्टाफ वार्ता, रक्षा उद्योग और अनुसंधान एवं विकास समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। दिसंबर 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुवैत यात्रा हुई थी। इस दौरान हुए रक्षा सहयोग समझौते को जमीन पर लागू करने की दिशा में शुरुआत हुई है।

संयुक्त रक्षा समिति की बैठक की सह-अध्यक्षता भारत की ओर से संयुक्त सचिव अमिताभ प्रसाद और कुवैत की ओर से पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल राएद अलसकरान ने की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में तीनों सेनाओं के अधिकारियों के साथ रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं और विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि शामिल रहे।

बैठक में दोनों देशों ने रक्षा संबंधों को केवल सैन्य संपर्क तक सीमित न रखते हुए प्रशिक्षण से लेकर रक्षा तकनीक और उद्योग तक सहयोग का दायरा बढ़ाने पर जोर दिया। संयुक्त रक्षा समिति की बैठक से पहले कुवैती प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल राएद अलसकरान ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी और पुष्पांजलि अर्पित की।

कुवैती प्रतिनिधिमंडल ने अपनी यात्रा के पहले दिन डीपीएसयू भवन का भी दौरा किया। यहां भारतीय रक्षा उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ संभावित सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल के साथ दूसरे दिन भी रक्षा उद्योग से जुड़ी बातचीत प्रस्तावित है। गौरतलब है कि भारत और कुवैत के संबंध पुराने और दोस्ताना रहे हैं। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध 1962 में स्थापित हुए थे। दिसंबर 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुवैत यात्रा के दौरान दोनों देशों के रिश्तों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया गया था।

भौगोलिक नजदीकी, पुराने व्यापारिक संबंध, सांस्कृतिक जुड़ाव और कुवैत में रह रहा बड़ा भारतीय समुदाय दोनों देशों के रिश्तों को लगातार मजबूत करता रहा है।

सीमापार अंतर-बैंक भुगतान प्रणाली में 192 देश और क्षेत्र शामिल

विश्व केसरी

बीजिंग। चीनी जन बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार, सीमापार अंतर-बैंक भुगतान प्रणाली (सीआईपीएस) में अब 192 देश और क्षेत्र शामिल हो चुके हैं। भविष्य में चीन तीव्र भुगतान प्रणाली के निर्माण और प्रचार-प्रसार में तेजी लाएगा और सीमापार भुगतान क्यूआर कोड के अंतर-संयोजन को बढ़ावा देता रहेगा।

चीन जन बैंक के उप-गवर्नर लू लेइ ने कहा कि जून 2026 के अंत तक, सीमापार अंतर-बैंक भुगतान प्रणाली में कुल 210 प्रत्यक्ष भागीदार और 1,619 अप्रत्यक्ष भागीदार हैं। इसकी सेवाएं 5,200 से अधिक बैंकिंग संस्थानों के माध्यम से 192 देशों और क्षेत्रों को कवर करती हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर आरएमबी की सीमापार निपटान क्षमता लगातार मजबूत हो रही है।

17 अक्टूबर 2026 से चीन में बड़े मूल्य की वास्तविक समय भुगतान प्रणाली की सेवा अवधि को '5×21+12 घंटे' से बढ़ाकर '5×22.5+13.5 घंटे' कर दिया जाएगा, जिससे तकनीकी स्तर पर वैश्विक भुगतान नेटवर्क की अंतर-संचालनीयता बढ़ेगी। साथ ही, चीन सीमापार भुगतान क्यूआर कोड के अंतर-संयोजन को भी बढ़ावा देगा।

इसके अलावा, चीनी भुगतान एवं समाशोधन संघ के अध्यक्ष रन तछी ने कहा कि चीन लगातार एक्सेस वॉलेट की संख्या और स्वीकृति नेटवर्क के दायरे का विस्तार करेगा। साथ ही विदेशी वॉलेट की स्वीकृति के वातावरण को अनुकूलित करेगा, विदेशों से चीन आने वाले लोगों के लिए भुगतान सुविधा को लगातार बेहतर बनाएगा, विविध भुगतान आवश्यकताओं को पूरा करेगा, तथा घरेलू बारकोड भुगतान के अंतर-संयोजन और स्वीकृति नेटवर्क के समान एवं व्यवस्थित खुलेपन को स्थिर रूप से आगे बढ़ाएगा।

मध्य प्रदेश: रीवा में जच्चा-बच्चा मृत्यु मामले में जांच शुरू, चार अस्पताल कर्मचारी निलंबित

विश्व केसरी

रीवा। रीवा के गांधी मेमोरियल अस्पताल में एक गर्भवती महिला और उसके अजन्मे बच्चे की मृत्यु के बाद दो डॉक्टरों और दो नर्सिंग अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है।

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने शुक्रवार को बताया कि राज्य सरकार ने चिकित्सा लापरवाही और महिला के परिवार के साथ दुर्व्यवहार के आरोपों की जांच के लिए एक जांच समिति का गठन किया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे शुक्ला ने कहा कि मरीजों की सुरक्षा और निर्धारित चिकित्सा प्रोटोकॉल का पालन सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मरीजों और उनके परिजनों के प्रति संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार के साथ-साथ निर्धारित चिकित्सा प्रोटोकॉल का पालन करना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया और कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि जांच समिति के निष्कर्षों के आधार पर तथ्यों के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपाय किए जाएंगे।

सरकार के अनुसार, रीवा जिले के बैकुंठपुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत हटवा गांव की निवासी अमित मिश्रा की पत्नी कल्पना मिश्रा को 26 अगस्त को सुबह लगभग 2:38 बजे गांधी मेमोरियल अस्पताल के प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग में भर्ती कराया गया था। उसी दिन रात लगभग 11:55 बजे उनकी और उनके अजन्मे बच्चे की मृत्यु हो गई।

चिकित्सा रिकॉर्ड से पता चला कि जब उन्हें भर्ती कराया गया था तब उनके प्लेटलेट की संख्या लगभग 30,000 प्रति माइक्रोलीटर थी। उनका रक्तचाप बहुत अधिक था और लिवर एंजाइम भी उच्च स्तर पर पाए गए। डॉक्टरों ने उन्हें गंभीर प्री-एक्लेम्पसिया, गंभीर थ्रोम्बोसाइटोपेनिया और एचईएलएलपी सिंड्रोम के साथ-साथ पूर्ण अवधि की गर्भावस्था से ग्रसित पाया। सरकार ने कहा कि निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार उपचार और आवश्यक चिकित्सा प्रक्रियाएं शुरू की गईं।

बाद में परिवार ने दुर्व्यवहार और उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई।

प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग की सोनल अग्रवाल और एनेस्थीसिया विभाग की निधि पांडे को प्रथम दृष्टया कर्तव्य में घोर लापरवाही और गंभीर अनुशासनहीनता के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

नेपाल: बाढ़ से बचाए गए तमिलनाडु के 21 तीर्थयात्रियों का दिल्ली हवाई अड्डे पर विदेश मंत्री ने किया स्वागत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को तमिलनाडु के 21 तीर्थयात्रियों का दिल्ली हवाई अड्डे पर स्वागत किया, जो बुधवार को हिमालयी देश काठमांडू में आई विनाशकारी बाढ़ से बचाए जाने के बाद वहां पहुंचे थे।

विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर बताया, 'मैंने तमिलनाडु के 21 पर्यटकों के एक समूह का स्वागत किया, जिन्हें नेपाल में आई बाढ़ से बचाया गया था। उनकी आपबीती सुनकर मैं अत्यंत भावुक हो गया। इस बचाव अभियान को अंजाम देने के लिए मैं नेपाली सेना और उस देश की सरकार के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। भारत में उनकी सुचारू वापसी के समन्वय में नेपाल स्थित भारतीय दूतावास के प्रयासों की मैं सराहना करता हूं।'

ये 21 भारतीय नागरिक उन समूहों का हिस्सा थे, जिन्होंने विभिन्न ट्रैवल एजेंटों के माध्यम से कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए यात्रा की थी। भारत नेपाल को लगातार सहायता भेज रहा है, जिसमें बचाव और राहत कार्यों में मदद के लिए बेली ब्रिज की तैनाती भी शामिल है। नई दिल्ली ने विदेश मंत्रालय में एक नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया है, जो चौबीसों घंटे कार्यरत है। विदेश मंत्रालय के अधिकारी उन राज्य सरकारों के भी संपर्क में हैं, जहां से लोग कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए गए हैं।

इससे पहले दिन में विदेश मंत्री जयशंकर ने काठमांडू और बीजिंग स्थित विदेश मंत्रालय और दूतावासों के अधिकारियों के साथ घातक बाढ़ के मद्देनजर नेपाल में राहत और बचाव प्रयासों पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की।

बैठक के दौरान विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने नेपाल भेजे जाने वाले राहत सामग्री के बारे में जानकारी दी। बैठक में विदेश सचिव विक्रम मिसरी, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विदेश मंत्री जयशंकर ने बैठक के बाद एक्स पर बताया, 'आज नेपाल में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों पर चर्चा की। काठमांडू और बीजिंग स्थित हमारे दूतावासों ने भारतीय नागरिकों की स्थिति और कुशलक्षेम के संबंध में लेटेस्ट जानकारी प्रदान की। संबंधित विदेश मंत्रालय के विभागों ने हमें नेपाल भेजे जाने वाले अतिरिक्त राहत सामग्री के बारे में जानकारी दी। हम इस मुद्दे को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं।'

यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब नेपाल की भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ के कारण लगभग 550 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 977 लोग अभी भी संपर्क से बाहर हैं। माना जाता है कि ये बाढ़ नेपाल और चीन के बीच स्थित सीमा पार नदी में भोटेकोशी नदी के ऊपरी हिस्से में हिमस्खलन के कारण आई है, जिसने नदी के निचले किनारों पर तबाही मचा दी है ।

भाजपा की ज्यादतियों से बंगाल में तृणमूल की वापसी सुनिश्चित होगी: ममता बनर्जी

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्य सरकार की ज्यादतियां आने वाले दिनों में तृणमूल कांग्रेस को राज्य में सत्ता वापसी में मदद करेंगी।

ममता बनर्जी ने मध्य कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस के छात्र संगठन, तृणमूल छात्र परिषद (टीएमसीपी) के स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित एक सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा के आम समर्थक जल्द ही अपनी ही पार्टी नेतृत्व को सबक सिखाएंगे। बहुत जल्द तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में सत्ता में वापस आएगी।

इस अवसर पर बोलते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने सत्तारूढ़ भाजपा पर राजनीतिक प्रतिशोध के लिए तृणमूल के खिलाफ पुलिस का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि पुलिस हमें सभाएं और रैलियां करने की अनुमति नहीं दे रही है। मैं साफ-साफ कह रही हूं, जल्द ही मैं जिलों में जाकर वहां राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित करूंगी। अगर पुलिस अनुमति नहीं देती है, तो मैं जनता की अनुमति से कार्यक्रम करूंगी। लेकिन मैं अब कलकत्ता उच्च न्यायालय से अनुमति नहीं लूंगी और अदालत का समय बर्बाद नहीं करूंगी। जरूरत पड़ने पर मैं मीलों पैदल चलूंगी। उसके बाद देखूंगी कि वे क्या करते हैं।

तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी ने भी इस अवसर पर भाषण दिया। अपने भाषण में उन्होंने मुख्य रूप से तृणमूल के निष्कासित विधायक ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले 'बागी लेकिन बहुसंख्यक' गुट और हाल ही में लगभग न के बराबर अस्तित्व वाली राष्ट्रवादी नागरिक पार्टी (एनसीपीआई) में शामिल हुए 20 पूर्व तृणमूल लोकसभा सदस्यों को निशाना बनाया।

अभिषेक ने कहा कि ये गद्दार हैं। मैं हमारी सर्वोच्च नेता ममता बनर्जी से अनुरोध करूंगा कि भविष्य में इन्हें तृणमूल में वापस न लें। ह्यउन्होंने मध्य कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित अपने पार्टी कार्यालय से बिलबोर्ड हटाए जाने को लेकर गुरुवार को हुए विवाद पर भाजपा और राज्य प्रशासन पर भी हमला किया।

सुभद्रा योजना महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है: मोहन चरण माझी

विश्व केसरी

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को कहा कि महिला सशक्तिकरण का असली अर्थ उन्हें सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें अपने निर्णय लेने का अधिकार देना है।

मुख्यमंत्री नयागढ़ जिले के लाथीपाड़ा में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में राज्य सरकार की प्रमुख महिला सशक्तिकरण योजना, सुभद्रा योजना, के तहत 5,000 रुपए की वित्तीय सहायता की पांचवीं किस्त के वितरण के दौरान बोल रहे थे।

अपने भाषण में माझी ने स्पष्ट किया कि केवल सहायता करना ही पर्याप्त नहीं है। महिलाओं को सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने और स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाना आवश्यक है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री की उपस्थिति में नयागढ़ जिले में सुभद्रा योजना के तहत वित्तीय सहायता की पांचवीं किस्त वितरित की गई। राज्य भर में 1,03,26,162 लाभार्थियों को 5,163 करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्रदान की जा चुकी है, जिनमें नयागड़ा जिले के 2,33,585 लाभार्थी शामिल हैं।

इस अवसर पर उपस्थित सुभद्रा माताओं और बहनों को संबोधित करते हुए माझी ने कहा कि सुभद्रा योजना केवल धन आवंटन का अवसर नहीं है।

नेपाल त्रासदी के लिए चीन जिम्मेदार, बिना चेतावनी इकोलॉजी से किया खिलवाड़: रक्षा विशेषज्ञ पीके सहगल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। नेपाल में आई भीषण बाढ़ और भारी तबाही के लिए चीन की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। रिटायर्ड मेजर जनरल और रक्षा विशेषज्ञ पीके सहगल ने कहा कि चीन समय पर पारदर्शी शुरुआती चेतावनी जारी करता तो नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर नेपाल के लोग खुलकर चीन को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। सहगल ने दावा किया कि चीन के भारी-भरकम निर्माण, बांध, नदी मोड़ने की परियोजनाओं, टनलिंग और नई सड़कें काटने से नाजुक हिमालयी इकोलॉजी (पारिस्थितकी) बुरी तरह प्रभावित हुई है, जबकि चीन के अपने इंजीनियरों और फैसले लेने वालों ने भी इसके खिलाफ चेतावनी दी थी, लेकिन चीनी प्रतिष्ठान ने इसे नजरअंदाज कर दिया।

नेपाल में आई त्रासदी को लेकर रिटायर्ड मेजर जनरल और रक्षा विशेषज्ञ पीके सहगल ने कहा, 'इसमें बिल्कुल भी संदेह नहीं है कि नेपाल में जो त्रासदी हुई है, जिसने भारी तबाही मचाई है, चीन समय पर और पारदर्शी तरीके से शुरुआती चेतावनी जारी करके नुकसान को काफी हद तक कम कर सकता था, जो उसने नहीं किया। दूसरा, सोशल मीडिया पर नेपाल के लोग खुलकर चीन को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।'

उन्होंने दावा किया कि चीन की परियोजनाओं की वजह से नेपाल में ये त्रासदी आई। रिटायर्ड मेजर जनरल ने कहा, 'चीन के भारी-भरकम निर्माण कार्यों के कारण स्थानीय इकोलॉजी, जो पहले से ही बेहद नाजुक है, बुरी तरह से प्रभावित हुई है। चीन के अपने इंजीनियरों ने भी इन नाजुक इलाकों में बड़े पैमाने पर निर्माण, बांध बनाने, नदी मोड़ने की परियोजनाओं, टनलिंग और नई सड़कें काटने के खिलाफ सलाह दी थी, और चेतावनी दी थी कि यह हानिकारक होगा। चीन के निर्णय लेने वालों ने भी चिंताएं जताई थीं, लेकिन चीनी प्रतिष्ठान ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया।

अंतर्राष्ट्रीय सेवा व्यापार मेला पेइचिंग में होगा आयोजित

विश्व केसरी

बीजिंग। चीनी राज्य परिषद के न्यूज कार्यालय ने शुक्रवार को न्यूज ब्रीफिंग का आयोजन किया। इसमें चीन में सेवा व्यापार के विकास का परिचय दिया गया और वर्ष 2026 सीआईएफटीआईएस (सीआईएफटीआईएस) की तैयारी के बारे में जानकारी दी गई।

न्यूज ब्रीफिंग में कहा गया है कि वर्ष 2026 चीन अंतर्राष्ट्रीय सेवा व्यापार मेला (सीएईएफटीआईएस) 9 से 13 सितंबर तक पेइचिंग में आयोजित होगा। करीब 90 देश और अंतर्राष्ट्रीय संगठन इसमें मंडप स्थापित करेंगे और 1,800 से अधिक उद्यम भाग लेंगे।

नॉर्वे मुख्य अतिथि देश के रूप में राष्ट्रीय मंडप स्थापित करेगा और अपने विशेष व्यवसाय व नवीन उपलब्धियां दिखाएगा। वहीं, चीन का क्वांगशी च्वांग स्वायत्त प्रदेश मुख्य अतिथि प्रांत के रूप में विशेष प्रदर्शन और थीम वाले कार्यक्रम आयोजित करेगा।

वर्तमान मेले में पहली बार कई थीम आधारित प्रदर्शनियों में 'गोइंग ग्लोबल सर्विसेज' जोन बनाया जाएगा। इससे चीनी कंपनियों को विश्व बाजार का विस्तार करने में पेशेवर समर्थन मिलेगा और ज्यादा श्रेष्ठ 'चीनी सेवा' दुनिया में पहुंचाई जाएगी।

बताया जाता है कि वर्तमान मेले में मुख्य तौर पर सूचना व संचार, डिजिटल चिकित्सा, बुद्धिमान शिक्षा, ऊर्जा की बचत और पर्यावरण संरक्षण आदि सेवा व्यापार के क्षेत्रों में नई तकनीकें, नए समाधान और नई उपलब्धियां दिखाई जाएंगी। 90 से ज्यादा कंपनियां और संस्थाएं उपलब्धियों की घोषणा करेंगी।

संपादकीय

विकसित भारत की राह में जर्जर शिक्षा व्यवस्था सबसे बड़ा सवाल

ललित गर्ग

भारत आज वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। एक शिक्षक, टूटती दीवारें और घटते सरकारी स्कूल-क्या शिक्षा के बिना 2047 का सपना पूरा होगा? दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में देश की प्रगति, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष उपलब्धियां, आधारभूत ढांचे का विस्तार और वैश्विक मंच पर बढ़ता प्रभाव निश्चित रूप से गौरव का विषय हैं। लेकिन इसी चमकदार तस्वीर के पीछे यदि हम सरकारी स्कूलों की ओर देखें तो एक दूसरा भारत दिखाई देता है-ऐसा भारत जहां हजारों बच्चे आज भी पर्याप्त शिक्षकों, सुरक्षित भवन, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बिजली और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सवाल यह है कि जिस शिक्षा-व्यवस्था पर विकसित भारत की नींव रखी जानी है, उसकी बुनियाद ही कमजोर होगी तो 2047 का भारत कितना मजबूत होगा? सरकारी आंकड़े इस चिंता को और गंभीर बनाते हैं। यूडीआईएसई प्लस 2024-25 के अनुसार देश में 1,04,125 स्कूल ऐसे हैं जहां केवल एक शिक्षक कार्यरत है और इन स्कूलों में करीब 33.77 लाख विद्यार्थी पढ़ते हैं। यानी एक शिक्षक को कई कक्षाओं, अनेक विषयों और प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच बच्चों की शिक्षा संभालनी पड़ रही है। यह केवल संख्या नहीं, बल्कि उन लाखों बच्चों के भविष्य की कहानी है, जिनके लिए सरकारी स्कूल शिक्षा का सबसे सुलभ और कई बार एकमात्र माध्यम हैं।

विडंबना यह है कि उसी देश में हम विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी, आईआईएम, मेडिकल संस्थानों और अत्याधुनिक शिक्षण परिसरों की चर्चा करते हैं, लेकिन गांव के उस बच्चे की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं देते जो टूटी छत के नीचे बैठकर भविष्य के सपने देख रहा है। कहीं शिक्षक एक है और कक्षाएं पांच। कहीं विद्यालय भवन जर्जर है, कहीं पानी नहीं, कहीं शौचालय नहीं, कहीं बिजली और पंखे नहीं। हाल के महीनों में उत्तर प्रदेश के अनेक जिलों में विद्यार्थियों को अधिक शिक्षक, बेहतर

भोजन, पेयजल, पंखे और बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर सड़कों पर उतरना पड़ा। फतेहपुर में तो लगभग एक हजार विद्यार्थियों ने जर्जर कक्षाओं, रिसती छतों और सुरक्षित पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए प्रदर्शन किया। यह स्थिति केवल किसी एक राज्य अथवा किसी एक सरकार की विफलता नहीं है। यह वर्षों से चली आ रही उस प्रशासनिक सोच का परिणाम है जिसमें शिक्षा को प्राथमिकता तो भाषणों में दी गई, लेकिन उसकी गुणवत्ता और जवाबदेही को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में स्थान नहीं मिला। शिक्षा विभागों में अधिकारियों और कर्मचारियों की बड़ी व्यवस्था है, बजट है, योजनाएं हैं, समितियां हैं, निरीक्षण तंत्र है-फिर भी एक शिक्षक वाले एक लाख से अधिक स्कूल कैसे बने रहे? यह सवाल केवल सरकार से नहीं, पूरे प्रशासनिक तंत्र से पूछा जाना चाहिए।

निश्चित रूप से तस्वीर पूरी तरह निराशाजनक भी नहीं है। यूडीआईएसई प्लस के अनुसार 2024-25 में देश में कुल 14.71 लाख स्कूल, करीब 24.69 करोड़ विद्यार्थी और एक करोड़ से अधिक शिक्षक हैं। सरकारी स्कूलों की संख्या 10.13 लाख है, जबकि निजी मान्यता प्राप्त स्कूल करीब 3.40 लाख हैं। सरकार के आंकड़े यह भी बताते हैं कि एकल-शिक्षक स्कूलों की संख्या 2023-24 के 1,10,971 से घटकर 2024-25 में 1,04,125 हुई है और कंप्यूटर सुविधा वाले स्कूलों का अनुपात 57.2 प्रतिशत से बढ़कर 64.7 प्रतिशत हुआ है। इन सुधारों को स्वीकार करना चाहिए, लेकिन इन्हें अंतिम उपलब्धि मान लेना आत्मसंतोष होगा। क्योंकि शिक्षा की असली कसौटी भवन, कंप्यूटर या आंकड़े नहीं, बच्चे की सीखने की क्षमता और उसके भविष्य का निर्माण है।

नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट एक और महत्वपूर्ण तस्वीर सामने रखती है। 2014-15 में देश में 11.07 लाख सरकारी स्कूल थे, जो 2024-25 में घटकर 10.13 लाख रह गए। इसके विपरीत निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों की संख्या 2.88 लाख से बढ़कर 3.39 लाख हो गई। यह परिवर्तन केवल स्कूलों की संख्या का उतार-चढ़ाव नहीं है, यह अभिभावकों की बदलती पसंद और सरकारी शिक्षा में घटते विश्वास का संकेत भी है। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि जब सरकार के पास भवन है, जमीन है, प्रशिक्षित शिक्षक हैं, वेतन देने की क्षमता है और विशाल प्रशासनिक तंत्र है, तब सरकारी स्कूल निजी स्कूलों से पीछे क्यों हैं? निजी स्कूलों की आलोचना करना आसान है, लेकिन यह भी देखना होगा कि अभिभावक अपनी सीमित आय में फीस देकर भी निजी स्कूल क्यों चुन रहे हैं।

बाढ़ से निपटने सुनियोजित रणनीति आवश्यक

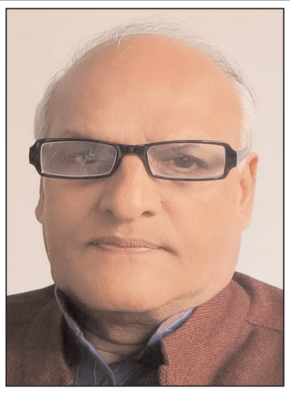

गिरीश पंकज

बाढ़ एक ऐसी प्राकृतिक आपदा है जो हर साल भारी तबाही लेकर आती है। जान-माल का नुकसान, फसलों का विनाश, संक्रामक बीमारियों का फैलाव और बुनियादी ढांचे की बर्बादी इसके प्रमुख परिणाम हैं। नेपाल की हाल की भयावह घटना से सबक लेने की जरूरत है। भारत में भी जलवायु परिवर्तन और अनियंत्रित मानवनिर्मित गतिविधियों के कारण बाढ़ की आवृत्ति और तीव्रता दोनों में वृद्धि हुई है। पूरी तरह से प्राकृतिक जलप्रवाह को रोकना तो संभव नहीं है, लेकिन सुनियोजित रणनीतियों और तकनीकी उपायों से बाढ़ से होने वाली तबाही को न्यूनतम किया जा सकता है। इन पंक्तियों का लेखक कोई बहुत बड़ा विशेषज्ञ नहीं है लेकिन इस विषय पर निरंतर अध्ययन और अनुसंधान करने के बाद कुछ सुझाव यहाँ दिए जा रहे हैं । भौतिक निर्माण और इंजीनियरिंग हस्तक्षेप जलप्रवाह को नियंत्रित करने में सीधी भूमिका निभाते हैं। नदियों के किनारों पर मजबूत तटबंध बनाना और मौजूदा संरचनाओं की नियमित मरम्मत करना जरूरी है। जलाशयों और बांधों की गाद की समय-समय पर सफाई होनी चाहिए ताकि उनकी जल-धारण क्षमता बनी रहे। तलछट जमा होने से नदियों का तल उथला हो जाता है, जिससे थोड़ा भी अधिक पानी आने पर नदी किनारों को लांघ जाती है। नियमित ड्रेजिंग जल वहन क्षमता को बहाल रखती है। शहरी ड्रेनेज सिस्टम का आधुनिकीकरण भी आवश्यक है । शहरों में कंक्रीट के विस्तार से बारिश का पानी जमीन में नहीं रिस पाता। प्राकृतिक नालों से अतिक्रमण हटाकर बड़े और भूमिगत ड्रेनेज नेटवर्क तैयार करना आवश्यक है।

गैर-संरचनात्मक और नीतिगत उपाय

बाढ़ प्रबंधन केवल कंक्रीट के निर्माण तक सीमित नहीं है; इसमें नियोजन और सटीक नीतियों की अहम भूमिका है। नदियों के प्राकृतिक फैलाव वाले क्षेत्रों में स्थायी आवासीय या व्यावसायिक निर्माण पर कड़ा प्रतिबंध होना चाहिए। इन क्षेत्रों का उपयोग केवल मौसमी कृषि या हरित पट्टी के रूप में किया जाना चाहिए। उपग्रह डेटा, मौसम रडार और हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग की मदद से 48 से 72 घंटे पहले सटीक चेतावनी जारी करना। इससे निचले इलाकों से लोगों और पशुओं को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सकता है।आपातकालीन प्रतिक्रिया और आश्रय स्थल भी ज़रूरी है ।बाढ़-संभावित क्षेत्रों में ऊंचे स्थानों पर आपातकालीन राहत शिविर, स्वच्छ पेयजल और दवाइयों का अग्रिम स्टॉक सुनिश्चित करना। पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली बाढ़ के वेग को धीमा करने का सबसे टिकाऊ उपाय है। इस पर निरंतर काम करने की जरूरत है। कैचमेंट क्षेत्रों में वनीकरण करना चाहिए । ऐसा करने से नदियों के उद्गम और पहाड़ी ढलानों पर सघन वृक्षारोपण मिट्टी के कटाव रुकता है और वर्षाजल के बहाव की गति को धीमा करता है। आर्द्रभूमि और झीलों का संरक्षण भी होता है ।तालाब और वेटलैंड्स प्राकृतिक स्पंज की तरह काम करते हैं, जो अतिरिक्त जल को सोख लेते हैं। इन जल निकायों का पुनरुद्धार जलभराव को रोकता है। रूफटॉप गार्डन और वर्षाजल संचयन यानी रें वाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य बनाकर पानी को जमीन के

भीतर भेजा जाए।

सामुदायिक भागीदारी और जागरूकता

प्रशासनिक स्तर के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर तैयारी आपदा के प्रभाव को तेजी से घटाती है । स्थानीय युवाओं को बचाव कार्य, प्राथमिक उपचार और त्वरित निकासी का प्रशिक्षण देना। पारंपरिक ज्ञान का उपयोग होना चाहिए। स्थानीय जल निकासी प्रणालियों और पारंपरिक जल संचयन तकनीकों को आधुनिक योजनाओं में शामिल करना चाहिए । बाढ़ नियंत्रण किसी एक विभाग का काम नहीं है, बल्कि यह जल संसाधन प्रबंधन, मौसम विज्ञान, शहरी नियोजन और नागरिक सहयोग का एक एकीकृत तंत्र है। जब हम नदियों के प्राकृतिक अधिकारों का सम्मान करते हुए वैज्ञानिक नियोजन अपनाएंगे, तभी बाढ़ की इस वार्षिक तबाही से स्थायी सुरक्षा संभव हो सकेगी। भारत में बिहार, असम, पूर्वी उत्तर प्रदेश और तटीय ओडिशा जैसे अत्यधिक बाढ़-संभावित क्षेत्रों की भौगोलिक बनावट और जल-प्रवाह तंत्र जटिल है। इन क्षेत्रों में बार-बार आने वाली बाढ़ से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन रणनीति को आपदा पूर्व, आपदा के दौरान और आपदा उपरांत लागू किया जाना आवश्यक है ।

अंतरराष्ट्रीय व अंतर-राज्यीय जल सहयोग

नेपाल और भूटान/चीन के साथ वास्तविक समय में हाइड्रोलॉजिकल डेटा का आदान-प्रदान और समन्वय बढ़ाना चाहिए, ताकि बिहार, असम आदि राज्यों में आने वाले संकटों को डाला जा सके। बांधों से अचानक पानी छोड़े जाने से पहले खतरे से घिरने वाले राज्यों को कम से कम 24-48 घंटे पूर्व सूचना मिलनी चाहिए। आधुनिक तकनीकों से नदी किनारे का कटाव रोकना होगा । गाद प्रबंधन के लिए समर्पित नीति बनाना ताकि नदियों का तल उथला न हो।

केंद्रीय जल आयोग और मौसम विभाग के माध्यम से नेटवर्क का विस्तार करना चाहिए । स्थानीय भाषा में मोबाइल एसएमएस, सायरन और रेडियो अलर्ट के जरिए सीधे ग्रामीणों तक चेतावनी पहुंचाना। अब असम के 'चांग घर' की तरह गांवों में ऊंचे चबूतरों पर स्कूल, अस्पताल और सामुदायिक भवन बनाने की आवश्यकता है । बाढ़ -रोधी फसलों को भी बढ़ावा देना होगा ।

त्वरित राहत एवं बचाव अभियान दल को तैयार रखना चाहिए । इनको बाढ़ के मौसम से पहले ही संवेदनशील जिलों में अग्रिम रूप से तैनात कर देना चाहिए । स्थानीय 'आपदा मित्रों' और नाविकों का नेटवर्क तैयार रखना, जो त्वरित स्थानीय मदद दे सकें।

असम के ब्रह्मपुत्र नदी जैसे क्षेत्रों में 'बोट क्लीनिक' और मोबाइल मेडिकल वैन के जरिए स्वास्थ्य सेवाएं जारी रखनने पर ध्यान देना चाहिए।

बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए सूखा राशन, स्वच्छ पेयजल और क्लोरीन की गोलियों का अग्रिम स्टॉक सुनिश्चित करना। मानव निकासी के साथ-साथ मवेशियों के लिए ऊंचे टीलों की व्यवस्था करनी होगी , ताकि आजीविका का नुकसान न हो। उपग्रह आधारित रिमोट सेंसिंग से फसल और संपत्ति के नुकसान का तेजी से आकलन कर प्रत्यक्ष लाभ अंतरण से सीधे किसानों के खातों में मुआवजा भेजना चाहिए । जलभराव वाले क्षेत्रों में डायरिया, हैजा और वेक्टर-जनित रोगों (डेंगू, मलेरिया) की रोकथाम के लिए बड़े पैमाने पर ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव और जल स्रोतों का शुद्धिकरण होना चाहिए ।

टूटी सड़कों, पुलियाओं और बिजली ग्रिड को केवल मरम्मत करने के बजाय अधिक जल-दबाव सहने की क्षमता के साथ दोबारा बनाना चाहिए । बाढ़-संभावित जिलों मेअधिक से अधिक स्थानीय स्वयंसेवकों को खोज और बचाव का जमीनी प्रशिक्षण की आवश्यकता है । केंद्र और राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष के तहत राहत और बचाव कार्यों के लिए त्वरित वित्तीय आवंटन करना चाहिए । गंभीर जलभराव और नदी कटाव से निपटने के लिए प्रमुख जल निकायों पर संरचनात्मक परियोजनाओं को केंद्र का वित्तीय सहयोग त्वरित मिलना चाहिए । आपातकालीन अलर्ट को टेलीकॉम नेटवर्क के जरिए सीधे लक्षित भौगोलिक क्षेत्र के मोबाइल हैंडसेट पर भेजना चाहिए।

प्राकृतिक आपदाएं तो आती रहेंगी लेकिन समय से पहले उनके बचाव की तैयारी अगर हो सके, तो बड़े नुकसान से बचा जा सकता है । दुर्भाग्य की बात यह है कि हमारे यहां अभी भी उसे दिशा में अपेक्षित काम नहीं हो रहा है। उल्टे हम पहाड़ों के विनाश की ओर बढ़ रहे हैं। वहां बड़ी-बड़ी परियोजनाएं लागू करके पहाड़ को निरंतर खोदने की कोशिश करते हैं । यही कारण है कि समय-समय पर विनाश लीला का सामना करना पड़ता है। उत्तराखंड के बाद अब नेपाल में आई तबाही के बाद तो हमारे पर्यावरणीय आपदा प्रबंधन सिस्टम को और अधिक गंभीर हो जाना चाहिए।

मराठी अस्मिताबोध की नई अभिव्यक्ति

उमेश चतुर्वेदी

महाराष्ट्र के ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए कामचलाऊ मराठी भाषा जरूरी किए जाने को लेकर विवाद उठना स्वाभाविक है। यह विवाद बांबे हाईकोर्ट भी पहुंच गया है। महाराष्ट्र सरकार ने इस नियम को लागू करते हुए तर्क दिया है कि इससे यात्रियों और टैक्सी-ऑटो चालकों के बीच भरोसा बढ़ेगा और यात्रियों में सुरक्षा का भाव रहेगा। मोटे तौर पर सरकार की यह दलील बेहतर लगती है, लेकिन जब राज्य की टैक्सियों और ऑटो की संख्या और उनके चालकों पर ध्यान देते हैं तो यह सवाल सिर्फ भाषा का नहीं रह जाता, बल्कि उपराष्ट्रीयता के उभार और उसके बहाने राष्ट्रीयता के विचार को चुनौती का भी हो जाता है। इस सोच का सिरा आगे बढ़ते हुए हिंदी विरोध और प्रकारांतर से पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के प्रवासियों की मुखालफत तक जा पहुंचता है।

भारतीय राष्ट्रीयता के समर्थन में 'विविधता में एकता' का पाठ हर भारतीय को स्कूली घुट्टी में मिला है। लेकिन जीवन की कठोर राहों पर उतरते हैं तो पता चलता है कि राष्ट्रीयता की असल धारा जितनी गहरे तक हिंदी हृदय प्रदेशों में बहती है, उतनी गैर हिंदीभाषी प्रदेशों में नजर नहीं आती। दिलचस्प यह है कि राष्ट्रीयता के पुरजोर पोषक इन

इलाकों को उपहास में कभी बीमारू कहा जाता था। इस पर गोबरपट्टी और गोबरनाडु का विशेषण खास धारा की वैचारिकी ने जो चस्पा कर रखा है। इस सोच की प्रमुख वजह आर्थिक रूप से इन इलाकों का अपेक्षाकृत उपराष्ट्रीयता वाले इलाकों से पिछड़े रहना है। इसी वजह से रोजी-रोटी की खातिर महाराष्ट्र के टैक्सी और ऑटो चालकों में सबसे बड़ी संख्या भदेस माने वाले बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश आदि के प्रवासी शामिल हैं। जाहिर है कि मराठी का कामचलाऊ ज्ञान रखने के नियम का शिकार यही लोग ज्यादा हुए हैं। इससे इनकी ही रोजी-रोटी पर संकट बढ़ा है।

महाराष्ट्र के ताजा आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक, राज्य में 12 लाख 96 हजार से ज्यादा ऑटो हैं, जबकि करीब पांच लाख टैक्सियां हैं। यहां के परिवहन विभाग के मुताबिक, अकेले ग्रेटर मुंबई इलाके में करीब पांच लाख टैक्सियां और ऑटो रिक्शा चल रहे हैं। इनमें करीब 75 फीसद ऑटो-टैक्सी चालक गैर मराठी और हिंदीभाषी इलाकों के ही हैं। राज्य के दूसरे इलाकों में करीब आधे ऑटो-टैक्सी चालक हिंदीभाषी हैं। महाराष्ट्र ही क्यों, किसी भी राज्य के सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को वहां की स्थानीय भाषा आनी चाहिए। उनके रोजाना का काम स्थानीय भाषा के कामचलाऊ ज्ञान से चल सकता है। बड़ा सवाल यह है कि मराठी के कामचलाऊ ज्ञान का पैमाना क्या हो, महाराष्ट्र सरकार का आदेश इस मसले में स्पष्ट नहीं है। विवाद और परेशानी इस वजह से भी है।

सर्विस सेक्टर और रेहड़ी-पटरी लगाने वाले अक्सर कामकाज करते-करते स्थानीय भाषा सीख लेते हैं। दिल्ली के कनॉट प्लेस में हथकरघा और दस्तगारी का सामान बेचने वाली गुजराती महिलाएं कम शिक्षित हैं। लेकिन वे हिंदी ही नहीं, अंग्रेजी, जर्मन और स्पेनिश भी धाराप्रवाह बोल लेती हैं। तमिलनाडु को लेकर धारणा है कि वहां घोर हिंदी विरोधी माहौल है।

बोध कथा

गुरु, शिष्य और सिक्के

कौशांबी में संत रामानंद नगर के बाहर एक कुटिया में अपने शिष्य गौतम के साथ रहते थे। नगरवासी उनका सम्मान करते हुए उन्हें पर्याप्त दान-दक्षिण दिया करते थे। एक दिन अचानक संत ने गौतम से कहा-यहां बहुत दिन रह लिया। चलो अब कहीं और रहा जाए। गौतम ने जवाब दिया-गुरुदेव, यहां तो बहुत चढ़ावा आता है। कुछ दिन बाद चलेंगे। संत ने समझाया- बेटा, हमें धन और वस्तुओं के संग्रह से क्या लेना-देना, हमें तो त्याग के रास्ते पर चलना है। यह कहकर संत गौतम को लेकर चल पड़े।

गौतम ने जमा किए अपने कुछ सिक्के झोले में छिपा लिए। दोनों नदी तट पर पहुंचे। वहां उन्होंने नाव वाले से नदी पार कराने की प्रार्थना की। नाव वाले ने कहा- मैं नदी पार कराने के दो सिक्के लेता हूं। आप लोग साधु-महात्मा हैं। आपसे एक ही लूंगा। संत के पास पैसे नहीं थे। वे वहीं आसन जमा कर बैठ गए। शाम हो गई। नाव वाले ने कहा- यहां रुकना खतरे से खाली नहीं है। आप कहीं और चले जाएं। सिक्के हों तो मैं नाव पार करा दूंगा। खतरे की बात सुनकर गौतम घबरा गया। उसने झट अपने झोले से दो सिक्के निकाले और नाव वाले को दे दिए।

नाव वाले ने उन्हें नदी पार करा दिया। गौतम बोला- देखा गुरुदेव, आज संग्रह किया हुआ मेरा धन ही काम आया। पर आप संग्रह के विरुद्ध हैं।

कविता

तुम्हारी चुप्पी

आनंद गुप्ता

उसने तुम्हें लूटा
तुम उत्सव मनाते रहे
उसने तुम्हें ठगा
तुम प्रशस्ति गीत गाते रहे
उसने चिल्ला -चिल्ला कर
झूठ बोले
तुम तालियां बजाते रहे
उसने हत्याओं को बड़ी
चालाकी से
अत्महत्याओं में तब्दील कर
दिया
तुम सिर्फ शोक में आँसू
बहाते रहे

तुम जो घटनाओं पर
चुप्पी साध लेते हो
निकाल लेते हो बगल से
चुपचाप
बंद कर लेते हो
अपने खिड़कियाँ और
दरवाजें
भीतर का अंधेरा कम तो नहीं
होता
बढ़ता है

वे तुम्हारी चुप्पी को
अपनी योग्यता का प्रमाण पत्र मान बैठते हैं
और इसे अपने पक्ष में
विज्ञापन की तरह इस्तेमाल करते हैं
वे तुम्हारे चेहरे को
अपना मुखौटा बनाकर बच निकलते हैं
और तुम्हारे ही खिलाफ गवाही देने
वे अमरबेल की तरह फैल जाते हैं
तुम्हारे विचारों पर
तुम्हारे सवालों पर
यहाँ तक की तुम्हारे इतिहास पर भी
और तुम्हें नपुंसक सिद्ध करने की कोशिश करते
हैं

वे धर्मग्रंथों की आयतों को
चुपके से बदल डालते हैं
हर तर्क पर तुम्हें
आस्था के सामने ला पटकते हैं
वे ईश्वर का भी
इस्तेमाल कर लेते हैं तुम्हारे खिलाफ
याद रखना
तुम्हारी चुप्पी
एक दिन खंजर में बदल जाएगी
उतर जाएगी चुपचाप
तुम्हारे ही सीने में।

व्यंग्य केसरी

'आरआईपी' लिखने से पुण्य...

रविकांत राउत

सुबह मोबाइल खोला तो पता चला कि चौबे जी नहीं रहे। यह खबर उनके बेटे ने नहीं, फेसबुक ने दी। ऊपर मुस्कुराती हुई तस्वीर थी और नीचे लिखा था— ' ? शांति RIP । उसके नीचे श्रद्धांजलियों की ऐसी बाढ़ थी, जैसे चुनाव के दिनों में वादों की आती है। कोई लिख रहा था— 'अविश्वसनीय ', कोई— 'बहुत बड़ी क्षति।' एक सज्जन ने लिखा— 'बहुत जल्दी चले गए ', जबकि चौबे जी अस्सी वर्ष की आयु में संसार छोड़कर गए थे। लगा, यमराज यह टिप्पणी पढ़ लें तो अपना कैलेंडर देखकर असमंजस में पड़ जाएँ।

चौबे जी मेरे पुराने परिचित थे। सुबह पार्क में मुलाकात होती थी। पिछले कुछ वर्षों से उनका सबसे बड़ा दुख घुटनों का दर्द नहीं, अकेलापन था। कहते थे, 'शरीर तो चल रहा है, पर अब लोग हालचाल नहीं पूछते।'

दोनों बेटे विदेश में थे। पोते-पोतियाँ वीडियो कॉल पर हाथ हिला देते थे। एक दिन उन्होंने हँसते हुए कहा था, 'अब लोग मिलने नहीं आते, बस कहते हैं कि अंकल, स्टेटस देख लिया था, सब ठीक लग रहे थे।' तब लगा था कि आदमी का स्वास्थ्य अब डॉक्टर नहीं, व्हाट्सऐप स्टेटस प्रमाणित करता है।

दोपहर तक उनके निधन की खबर सैकड़ों लोगों तक पहुँच गई। शाम तक हजारों 'RIP' लिखे जा चुके थे। मोहल्ले के शर्मा जी ने पूछा, 'यह आरआईपी होता क्या है?' अर्थ समझाने पर बोले, 'मैं तो समझा कोई सरकारी योजना होगी।

फिर गंभीर होकर बोले, 'जीते-जी आदमी के लिए दो मिनट नहीं होते और मरने के बाद लोग अंग्रेज़ी में शांति भेज रहे हैं।'

बात सही थी। अस्पताल जाने के लिए चौबे जी को रिक्शेवाला ढूँढ़ना पड़ता था, दवा लाने वाला कोई नहीं मिलता था। लेकिन अब उनकी तस्वीर के नीचे रोते हुए इमोजी सज रहे थे।

आधुनिक समाज बड़ा दयालु हो गया है। उसे मृतकों से बहुत प्रेम है, जीवित लोगों से थोड़ी असुविधा होती है। जीवित आदमी को समय देना पड़ता है, उसकी बातें सुननी पड़ती हैं। दिवंगत व्यक्ति अधिक सुविधाजनक होता है।

मेरे एक मित्र की माँ महीनों बीमार रहीं, पर उनके पास समय नहीं था। माँ के जाने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर इतना भावुक लेख लिखा कि पढ़ने वालों की आँखें नम हो गईं। बस, माँ की आँखें नम होने के लिए अब बची नहीं थीं।

एक दिन पार्क में चौबे जी ने कहा था, 'आदमी की सबसे बड़ी भूख रोटी की नहीं, याद किए जाने की है।'

कभी-कभी सोचता हूँ, अगर चौबे जी लौट आएँ और ये सब टिप्पणियाँ पढ़ लें, तो शायद मुस्कुराकर इतना ही कहें— 'बेटा, इतना प्यार दो साल पहले दिखा देते, तो शायद मैं थोड़ा और जी लेता।'

मोबाइल : 9981254486 / 9424925710
Email: ravigraut@gmail.com
जबलपुर, मध्य प्रदेश

इतिहास

28 अगस्त के इतिहास में दुनिया और देश की कई महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हैं।

प्रमुख घटनाएं1963: अमेरिकी नागरिक अधिकार आंदोलन के दौरान मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने लिंकन मेमोरियल के सामने ऐतिहासिक 'आई हैव ए ड्रीम' (I Have a Dream) भाषण दिया।

1937: जापानी वाहन निर्माता कंपनी टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन की आधिकारिक रूप से स्थापना हुई।

1845: प्रसिद्ध अमेरिकी विज्ञान पत्रिका साइंटिफिक अमेरिकन का पहला अंक प्रकाशित हुआ।

1955: अमेरिका के मिसिसिपी में 14 वर्षीय अफ्रीकी-अमेरिकी लड़के एम्मेट टिल की हत्या हुई, जिसने नागरिक अधिकार आंदोलन को तेज करने में बड़ी भूमिका निभाई।

कभी जंगल में बंदूक, अब हाथों में राखी

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। कुछ तस्वीरें सिर्फ तस्वीरें नहीं होतीं, वे पूरी जिंदगी की कहानी कह जाती हैं। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर पुनर्वास के बाद मुख्यधारा से जुड़ी पूर्व नक्सली दीदियों की यह तस्वीर भी ऐसी ही एक कहानी कह रही है।

कभी जिन हाथों ने वर्षों तक जंगल की कठिन जिंदगी देखी, जिन आंखों ने अपनों से दूर रहकर संघर्ष और भय के दिन गुजारे, आज उन्हीं आंखों में सुकून और नई जिंदगी का सपना दिखाई दिया। हाथों में अब कोई हथियार नहीं था, बल्कि भाई की कलाई पर स्नेह, विश्वास और अपनत्व से बंधती राखी थी। राखी बांधते वक्त शायद बीते हुए वर्षों की यादें भी मन में उमड़ रही होंगी। वह जिंदगी, वह जंगल, वह डर और वह संघर्ष... सब पीछे छूट चुका है। आज सामने है एक नया रास्ता—परिवार के बीच सम्मान से जीने का, समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का और अपने बच्चों के लिए बेहतर भविष्य बनाने का। राखी के उस छोटे से धागे में इस बार सिर्फ भाई-बहन का प्यार नहीं था, बल्कि एक बीते हुए कल को पीछे छोड़कर नई जिंदगी को गले लगाने का संकल्प भी बंधा था। यह तस्वीर हमें यह एहसास कराती है कि इंसान चाहे कितनी भी कठिन राह से गुजरा हो, अगर उसे लौटने का अवसर, अपनापन और विश्वास मिले तो जिंदगी फिर से मुस्कुरा सकती है।

बहनों ने डीआरजी जवानों को बांधी राखी

कभी जंगलों में बंदूक के साथ आमने-सामने रहने वाले हाथ आज भाईचारे और विश्वास के धागे से जुड़ गए। भानुप्रतापपुर क्षेत्र के ग्राम चौगेल (मुल्ला) स्थित पुनर्वास केंद्र में आज आत्मसमर्पित माओवादियों ने जिला रिजर्व गार्ड डी आर जी के जवानों को राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। यह दृश्य संघर्ष से शांति, हिंसा से मुख्यधारा और हथियार से हुनर की ओर बढ़ते बदलाव की भावुक तस्वीर बन गया। आत्मसमर्पित माओवादी शांति कवाची ने बताया कि वह पहली बार रक्षाबंधन का त्योहार मना रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से उन्होंने राखी बनाना सीखा और आज उन्हीं हाथों से तैयार की गई राखी पुलिस जवानों की कलाई पर बांधना उनके लिए बेहद खास और भावुक अनुभव है। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण के बाद अब ऐसा महसूस हो रहा है कि वे वास्तव में समाज की मुख्यधारा में लौट आई हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नक्सल पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर उन्होंने आत्मसमर्पण का निर्णय लिया। पुनर्वास केंद्र में उन्हें सिलाई, काष्ठ शिल्प कला और राखी निर्माण सहित विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे भविष्य में इन हुनरों के माध्यम से सम्मानपूर्वक आजीविका चला सकें और अपने परिवार के साथ समाज में सामान्य जीवन जी सकें।

22वीं वाहिनी सीआरपीएफ ने बालिका छात्रावास की छात्राओं के साथ मनाया रक्षाबंधन

विश्व केसरी

बीजापुर (के. संतोष)। 22वीं वाहिनी केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल CRPF गोर्ना बीजापुर में रक्षाबंधन का पर्व बालिका बालगृह छात्रावास की छात्राओं के साथ हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया।

इस अवसर पर वाहिनी के अधिकारियों एवं जवानों ने बालिका छात्रावास पहुंचकर छात्राओं के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। छात्राओं ने अधिकारियों एवं जवानों को राखी बांधी और मिठाई खिलाकर भाई-बहन के स्नेह का संदेश दिया। वहीं अधिकारियों एवं जवानों ने भी छात्राओं को मिठाई एवं उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान छात्रावास की सभी बच्चियां काफी उत्साहित नजर आईं। रक्षाबंधन के इस आयोजन से आपसी स्नेह, भाईचारे और सामाजिक जुड़ाव की भावना और मजबूत हुई। कार्यक्रम ने सुरक्षा बलों और स्थानीय बच्चों के बीच आत्मीय संबंधों को भी और प्रगाढ़ किया।

प्रदेश संयोजक बनने पर बैसाखूराम साहू को बधाई, समाज में हर्ष

विश्व केसरी

राजिम (शेखर मिश्रा)। छत्तीसगढ़ राज्य पेंशनर्स समाज के प्रांतीय कार्यकारिणी चुनाव के बाद तहसील शाखा राजिम के अध्यक्ष बैसाखूराम साहू को छत्तीसगढ़ राज्य पेंशनर्स समाज का प्रदेश संयोजक मनोनीत किया गया है। उनके मनोनयन से राजिम तहसील के पेंशनर्स समाज में हर्ष का माहौल है। तहसील शाखा राजिम के समस्त पेंशनर्स एवं पदाधिकारियों ने बैसाखूराम साहू को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पेंशनर्स समाज ने छत्तीसगढ़ राज्य पेंशनर्स समाज रायपुर के अध्यक्ष चेतन भारती एवं प्रांतीय कार्यकारिणी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश संयोजक जैसे महत्वपूर्ण पद पर राजिम के प्रतिनिधि को मनोनीत कर तहसील को गौरवान्वित किया गया ळें यह जानकारी चन्द्रहास दुबे, उपाध्यक्ष, पेंशनर्स समाज तहसील शाखा राजिम ने दी।

अनुनय कॉन्वेंट स्कूल में राखी उत्सव मनाया गया

विश्व केसरी

सक्ती। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर अनुनय कॉन्वेंट विद्यालय परिसर में भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और विश्वास को समर्पित राखी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने छात्रों की कलाई पर राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को और अधिक स्नेहपूर्ण बनाया।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने अपने सहपाठी भाइयों को राखी बांधी तथा छात्रों ने भी अपनी बहनों के प्रति सम्मान, स्नेह और सुरक्षा का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर नगर के सम्माननीय पुलिस कर्मी भागवत श्रीवास थाना सक्ती सुभाष राज विजय जोलहे यातायात थाना सक्ती विद्यालय में उपस्थित हुए जिन्हें नन्हे मुन्ने बच्चों के द्वारा राखी बांधी गई . विद्यालय परिसर में उत्सव का वातावरण देखने को मिला। विद्यालय प्रबंधक योगेश साहू ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में प्रेम, भाईचारा, आपसी सम्मान, संस्कार एवं सामाजिक सद्भाव की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रक्षाबंधन केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि रिश्तों की मजबूती और एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देने वाला पर्व है। कार्यक्रम का सफल मार्गदर्शन अपर्णा बस पूनम राठौर कविता विश्वकर्म हेमा देवांगन मुस्कान देवांगन ज्योति पटेल सहित समस्त विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

ग्राम फगूरम में एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय आयुष शिविर का हुआ आयोजन

विश्व केसरी

सक्ती/मालखरौदा। आयुष विभाग द्वारा विकासखंड मालखरौदा के अंतर्गत ग्राम फगूरम में एक दिवसीय खंड स्तरीय शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के 336 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें नि:शुल्क औषधियां प्रदान की गईं। साथ ही 22 मरीजों के रक्त परीक्षण के तहत शुगर और हीमोग्लोबिन की नि:शुल्क जांच की गई।

यह कार्यक्रम जनपद पंचायत मालखरौदा के अध्यक्ष कवि वर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं जनपद पंचायत मालखरौदा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तेजेश्वर यादव के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर

कवि वर्मा (अध्यक्ष, जनपद पंचायत मालखरौदा): उन्होंने आयुष विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा की और स्वास्थ्य जागरूकता शिविरों के माध्यम से आयुर्वेद के व्यापक प्रचार-प्रसार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आमजन से दैनिक जीवन में आयुर्वेद को अपनाने की अपील की। **तेजेश्वर यादव (सीईओ, जनपद पंचायत मालखरौदा):** उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि आयुर्वेद एक निरापद और सुलभ चिकित्सा पद्धति है, जो बिना किसी दुष्प्रभाव के बीमारियों का समूल नाश करती है।

सावित्री वर्मा (सरपंच, ग्राम पंचायत फगूरम): उन्होंने आयुर्वेद को प्राचीन भारतीय जीवन शैली का आधार बताया, जो आहार-विहार और रहन-सहन को संतुलित कर बीमारियों से बचाती है।

सांसद कमलेश जांगड़े ने भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों को बांधा रक्षा सूत्र

विश्व केसरी

सक्ती। जांजगीर-चांपा लोकसभा की सांसद कमलेश जांगड़े ने नई दिल्ली में रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठक आदरणीय भाईसाहब वी. सतीश जी एवं राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री आदरणीय भाईसाहब शिवप्रकाश जी को स्नेह एवं विश्वास के पवित्र बंधन का प्रतीक रक्षा सूत्र बाँधा।

इस अवसर पर सांसद कमलेश जांगड़े ने भाई-बहन के इस पावन रिश्ते में प्रेम, स्नेह एवं विश्वास सदैव बना रहे तथा आदरणीय भाईसाहबों का स्नेह, मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद निरंतर प्राप्त होता रहे, ऐसी मंगलकामना की।

उन्होंने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए कहा कि यह पर्व भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और आत्मीयता का प्रतीक है।

आत्मा को निर्मल बनाए तप : भव्य मुनि

समवेत शिखर जिन तप से जुड़े अनेक आराधक

विश्व केसरी

नवापारा-राजिम (अंशुल मिश्रा)। स्थानीय श्वेताम्बर जैन मंदिर प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित पूज्य भव्य मुनि आदि ठाणा 2 की पावन सानिध्यता में आराधना साधना का क्रम बना हुआ है। तपस्या के बारे में आज पूज्य भव्य मुनि ने कहा कि तप से ही निर्जरा हो सकती है ऐसा शास्त्रों में कहा गया है। तप जो हमारी आत्मा को निर्मल बनाए, तप जो हमें शाश्वत सुख की ओर ले जाए ऐसे अद्भुत महिमा वर्णन से शास्त्रों ने जिनकी शोभा बढ़ाई है उस उत्तम आराधना में से एक समवेत शिखर जिन तपष् नवापारा श्री संघ में गतिमान है। इस तप में समवेत शिखर पर निर्वाण पाए 20 तीर्थंकरों की आराधना की जाती है और इन तीर्थंकरों से प्रार्थना की जाती कि आपकी तरह हमें भी जल्दी से जल्दी सारे कर्म क्षय करके मोक्ष में जाने का अवसर मिले ऐसे शुभ भावों के साथ शास्त्रों में बताए विधि मर्यादाओं के अनुरूप तप आराधक आराधना कर रहे हैं। 40 दिवसीय इस तप में एक दिन उपवास, एक दिन पारणा ब्यासना के रूप में किया जाता है। श्री संघ के अनेक श्रावक श्राविकाएं इस तप की आराधना से जुड़े हुए और प्रवचन के पश्चात सभी आराधकों ने तप के 29 वें दिन उपवास का पच्चक्खाण किया। उपस्थित श्री संघ सदस्यों ने सभी तपाराधकों के तप की अनुमोदना करते हुए सभी तपस्वियों को धन्यवाद सहित सुखशाता पूछी।

इमदाद फाउंडेशन के जश्ने ईद मिलादुन्नबी के 4 दिवसीय कार्यक्रम का सफल आयोजन

विश्व केसरी

नवापारा-राजिम (अंशुल मिश्रा)। जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर इमदाद फाउंडेशन, नवापारा राजिम की जानिब से खत्री कॉलोनी, पारागांव में आयोजित विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

कार्यक्रमों की शुरुआत पुरुष वर्ग की दरूद ख्वानी से हुई। इसके पश्चात बच्चों के लिए नातिया कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें छोटे एवं बड़े बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में "मुफ्ती मोअत्तरअली साहब" की तकरीर हुई। वहीं शायरे इस्लाम अय्यूब राही साहब (कटक) एवं तेग अली साहब,रायपुर ने सरकार की बारगाह में कलाम पेश कर उपस्थित लोगों को अपनी प्रस्तुतियों से प्रभावित किया।

इमदाद फाउंडेशन द्वारा सामाजिक सरोकारों को भी कार्यक्रम का हिस्सा बनाया गया। प्रथमेश हॉस्पिटल के सहयोग से सर्व समाज के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श का लाभ लिया। इसके अलावा विभिन्न अस्पतालों में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए गए।

महिलाओं के लिए विशेष मिलाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं शाम को आयोजित सम्मान समारोह में सर्व समाज प्रमुखों, जनप्रतिनिधियों, डॉक्टरों, पत्रकारों, समाजसेवियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले गणमान्य नागरिकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर आम भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की।

छुरा के हेमशिखर ध्रुवा को मिलेगा शहीद पंकज विक्रम पुरस्कार, खेल दिवस पर होंगे सम्मानित

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। जिले और छुरा क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है कि ग्राम सारागांव निवासी प्रतिभावान वॉलीबॉल खिलाड़ी हेमशिखर ध्रुवा को वर्ष 2025-26 के शहीद पंकज विक्रम पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित सम्मान के तहत उन्हें 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि एवं सम्मान स्वरूप अवॉर्ड प्रदान किया जाएगा।

हेमशिखर ध्रुवा, पिता मेदनी कुमार ध्रुवा, ग्राम सारागांव, पोस्ट दुल्ला, तहसील छुरा, जिला गरियाबंद के निवासी हैं। उन्होंने लगातार सीनियर स्तर की राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ सीनियर वॉलीबॉल टीम का प्रतिनिधित्व किया है।

उल्लेखनीय है कि हेमशिखर ने विगत वर्षों में आयोजित विभिन्न सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया है। उनके राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के सफर में 2019 में चेन्नई (तमिलनाडु), 2020 में भुवनेश्वर (ओडिशा), 2021 में भुवनेश्वर, 2022 में भुवनेश्वर (ओडिशा), 2023 में गुवाहाटी (असम), 2025 में जयपुर (राजस्थान) तथा 2026 में वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में आयोजित प्रतियोगिताएं शामिल हैं।

वॉलीबॉल के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन और राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने की उपलब्धि को देखते हुए वर्ष 2025-26 में हेमशिखर ध्रुवा को शहीद पंकज विक्रम पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है।

खेल दिवस के अवसर पर 29 अगस्त को आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

हेमशिखर ध्रुवा की खेल यात्रा भी प्रेरणादायक रही है। ग्राम सारागांव जैसे ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर उन्होंने अपने खेल जीवन की शुरुआत क्रीड़ा परिसर हॉस्टल, गरियाबंद से की। अपनी मेहनत, लगन और लगातार अभ्यास के दम पर उन्होंने वॉलीबॉल में राष्ट्रीय स्तर तक पहचान बनाई। वर्तमान में वे भिलाई स्टील प्लांट की ओर से भी खेल रहे हैं।

हेमशिखर की इस उपलब्धि से उनके परिवार, ग्राम सारागांव, छुरा क्षेत्र एवं पूरे गरियाबंद जिले में हर्ष का माहौल है। स्थानीय खेलप्रेमियों और क्षेत्रवासियों ने इसे जिले के युवाओं के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताते हुए हेमशिखर ध्रुवा को बधाई दी है।

ग्राम अमचो में दिखी रक्षाबंधन पर्व की रौनक

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। अमचो भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन ग्राम अमचो में हर्षोल्लास एवं पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर गांव में सुबह से ही उत्सव जैसा माहौल रहा। बहनों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाया और उनकी कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर सुख, समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना की।

इस अवसर पर भाइयों ने भी अपनी बहनों की रक्षा एवं हर सुख-दुख में साथ निभाने का संकल्प लेते हुए उन्हें उपहार भेंट किए। रक्षाबंधन के चलते घर-घर में पकवान बनाए गए और परिवार के सदस्यों ने मिलकर पर्व की खुशियां साझा कीं। गांव में रक्षाबंधन पर्व की रौनक देखते ही बन रही थी। दूर-दराज में रहने वाले भाई-बहन भी पर्व मनाने के लिए अपने पैतृक घर पहुंचे, जिससे पारिवारिक मिलन का माहौल बना रहा। बच्चों और युवाओं में भी रक्षाबंधन को लेकर खासा उत्साह देखा गया।रक्षाबंधन ने एक बार फिर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते, स्नेह और आपसी विश्वास की खूबसूरत मिसाल प्रस्तुत की।

विश्व केसरी

घरेलू बाजार ने लगातार दो दिन की गिरावट का सिलसिला तोड़ा, सेंसेक्स 331 अंक उछला

विश्व केसरी■

मुंबई। वैश्विक बाजारों के मिले अच्छे संकेतों के चलते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार दो दिनों की गिरावट का सिलसिला तोड़ते हुए तेजी के साथ हरे निशान में बंद होने में सफल रहा। इस बीच आईटी, फार्मा और मेटल शेयरों में तेजी के चलते घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्क निफ्टी और सेंसेक्स में 0.43 प्रतिशत तक की उछाल देखने को मिली।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 330.92 अंक यानी 0.43 प्रतिशत चढ़कर 77,264.51 पर बंद हुआ, तो वहीं एनएसई निफ्टी 50 84.80 अंक यानी 0.35 प्रतिशत बढ़कर 24,175.65 पर बंद हुआ।

दिन के सत्र में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 76,933.59 से 194.46 अंक यानी 0.25 प्रतिशत उछलकर 77,128.05 पर खुला और एक समय यह 424.38 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की उछाल के साथ 77,357.97 के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया, जबकि 76,988.22 का स्तर दिन का लो रहा।

वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 24,090.85 से 31.75 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,122.60 पर खुला और दिन के कारोबार में एक समय यह 0.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,188.30 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जबकि 24,076.85 का स्तर दिन का निम्नतम स्तर रहा। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमशः 0.05 प्रतिशत और 0.20 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली।

वहीं सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी आईटी शीर्ष प्रदर्शन करने वाला सेक्टर बनकर उभरा, जिसमें 3.51 प्रतिशत की शानदार तेजी देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी मेटल, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मीडिया और निफ्टी पीएसयू बैंक में भी तेजी दर्ज की गई। वहीं इसके विपरीत, निफ्टी केमिकल्स, निफ्टी सीमेंट, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी ऑटो में गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी50 इंडेक्स में टीसीएस, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक और विप्रो के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई और ये दिन के टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, श्रीराम फाइनेंस, आईटीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर सबसे ज्यादा गिरावट के साथ बंद हुए। एक मार्केट एक्सपर्ट ने बताया कि लगातार दो दिनों की गिरावट के बाद शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में रिकवरी दिखी। आईटी शेयरों में खरीदारी और ग्लोबल बाजार से मिले कुछ अच्छे संकेतों के चलते सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त के साथ ट्रेड कर रहे हैं। हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, यूएस बॉन्ड यील्ड और जैक्सन होल में फेडरल रिजर्व के भाषण से पहले उसकी पॉलिसी को लेकर अनिश्चितता के कारण बाजार का मूड अभी भी सतर्क बना हुआ है।

जनता से सीधे संवाद के लिए 'सबस्टैक' से जुड़ रहे केंद्रीय मंत्री

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के मंत्री अब जनता, उद्योग जगत और नीति से जुड़े लोगों से सीधे संवाद के लिए सबस्टैक जैसे स्वतंत्र डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके जरिए वे सरकारी प्रेस रिलीज और सोशल मीडिया पोस्ट से आगे बढ़कर अपनी योजनाओं और पहलों पर विस्तार से अपने विचार रख रहे हैं।

इस कड़ी में अब केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी जुड़ गए हैं। उन्होंने जापान की अपनी हाल की यात्रा पर अपने विचार अपने सबस्टैक न्यूजलेटर पर शेयर किए हैं।

पीयूष गोयल ने 'चार दिन, तीन शहर और परिपक्व होता एक रिश्ता' शीर्षक से पोस्ट लिखी है। इसमें उन्होंने अपनी यात्रा को बेहद सफल बताया और भारत-जापान साझेदारी के भविष्य को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने 'एक्स' पर इसकी जानकारी देते हुए कहा, 'चार दिन, तीन शहर और परिपक्व होता एक रिश्ता। मैंने सबस्टैक पर जापान की अपनी बेहद सफल यात्रा और भारत-जापान साझेदारी के आगे के रास्ते पर कुछ विचार साझा किए हैं।'

पीयूष गोयल की यह पोस्ट ऐसे समय में आई है जब भारत और जापान आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को और गहरा करने की कोशिश कर रहे हैं। व्यापार, निवेश, टेक्नोलॉजी, मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई-चेन को मजबूत करना दोनों देशों के बीच बातचीत के मुख्य मुद्दे हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से पहले इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव भी अपना सबस्टैक न्यूजलेटर शुरू कर चुके हैं। वे इस पर सरकारी नीतियों, टेक्नोलॉजी और भारत के आर्थिक और औद्योगिक विकास के बारे में लिखते हैं। अश्विनी वैष्णव की हालिया पोस्ट का शीर्षक 'हम भारत का सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम कैसे बना रहे हैं' है। इसमें उन्होंने देश में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बनाने के लिए सरकार के प्रयासों पर फोकस किया है, जिसमें चिप डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग और पूरी सप्लाई चेन शामिल है। सरकार सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन के हर हिस्से में क्षमता विकसित करने पर काम कर रही है, जिसमें चिप डिजाइन, फैब्रिकेशन, असेंबली, टेस्टिंग और पैकेजिंग के साथ-साथ जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना और कुशल टैलेंट तैयार करना भी शामिल है। सबस्टैक के इस्तेमाल से मंत्रियों को पारंपरिक सरकारी संचार माध्यमों से अलग एक सीधा प्लेटफॉर्म मिल रहा है, जहां वे नीतियों और अपने बड़े विजन को ज्यादा विस्तार और बातचीत के अंदाज में समझा सकते हैं।

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए दाखिल किए गए 7 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने शुक्रवार को बताया कि आकलन वर्ष (एवाई) 2026-27 के लिए अब तक 7 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए जा चुके हैं। विभाग ने व्यवसाय या पेशेवर आय वाले उन करदाताओं से रिटर्न जल्द दाखिल करने की अपील की है, जिन्हें अपने खातों का ऑडिट कराने की आवश्यकता नहीं है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किए एक पोस्ट में आयकर विभाग ने कहा कि 31 अगस्त 2026 ऐसे करदाताओं के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि है, जिनकी आय व्यवसाय या पेशे से है और जो ऑडिट के दायरे में नहीं आते।

विभाग ने कहा, 'आकलन वर्ष 2026-27 के लिए 7 करोड़ से अधिक आईटीआर पहले ही दाखिल किए जा चुके हैं।' इसके साथ ही पात्र करदाताओं को अंतिम समय का इंतजार न करने और जल्द से जल्द रिटर्न दाखिल करने की सलाह दी गई है।

आयकर विभाग ने अपने पोस्ट में कहा, '31 अगस्त 2026 आकलन वर्ष 2026-27 के लिए उन करदाताओं की आईटीआर दाखिल करने की नियत तिथि है, जिनकी व्यवसाय या पेशेवर आय है और जिन पर ऑडिट लागू नहीं होता। अंतिम समय तक प्रतीक्षा न करें और अपना रिटर्न आज ही दाखिल करें।'

विभाग की यह अपील ऐसे समय में आई है जब गैर-ऑडिट श्रेणी के व्यवसायी और पेशेवर करदाताओं के लिए निर्धारित अंतिम तिथि नजदीक आ रही है।

आमतौर पर अंतिम दिनों में पोर्टल पर अधिक ट्रैफिक और तकनीकी दबाव देखने को मिलता है, इसलिए विभाग समय रहते रिटर्न दाखिल करने पर जोर दे रहा है।

इससे पहले जुलाई में आयकर विभाग ने जानकारी दी थी कि 31 जुलाई 2026 की समयसीमा तक 5.9 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए गए थे। उस समय विभाग ने करदाताओं का धन्यवाद करते हुए कहा था कि समय पर अनुपालन और करदाताओं का भरोसा देश के विकास को गति प्रदान करता है।

विभाग के अनुसार, 31 जुलाई की अंतिम तिथि वाले दिन ही 40 लाख से अधिक रिटर्न दाखिल किए गए थे। यह उन व्यक्तिगत करदाताओं और संस्थाओं के लिए निर्धारित समयसीमा थी, जिन्हें खातों का ऑडिट कराने की आवश्यकता नहीं थी।

चीनी की एक्स-मिल कीमतों में 20% की गिरावट खुदरा बाजार में भी शुरू हुई नरमी : सरकार

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि देश में एक्स-मिल चीनी कीमतों में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है और अब खुदरा बाजार में भी चीनी के दाम नीचे आने लगे हैं। सरकार के अनुसार, आपूर्ति श्रृंखला में कीमतों का प्रभाव धीरे-धीरे पहुंचता है, इसलिए आने वाले दिनों में खुदरा स्तर पर भी कीमतों में और नरमी देखने को मिल सकती है।

मंत्रालय ने बताया कि सरकार लगातार देशभर में चीनी की कीमतों, स्टॉक और आपूर्ति की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। हाल के दिनों में कीमतों में आई तेज वृद्धि के बाद सरकार ने कई सक्रिय कदम उठाए, जिनका असर अब बाजार में दिखाई देने लगा है।

मंत्रालय के अनुसार, एक्स-मिल और खुदरा दोनों स्तरों पर कीमतों में आई गिरावट यह संकेत देती है कि हालिया मूल्य वृद्धि का प्रमुख कारण वास्तविक कमी नहीं, बल्कि जमाखोरी और सट्टेबाजी थी।

सरकार द्वारा देशभर की चीनी मिलों में भंडार के भौतिक सत्यापन अभियान चलाए गए। जांच के दौरान कई मामलों में यह पाया गया कि कुछ मिलों के पास घोषित आंकड़ों से अधिक चीनी का भंडार मौजूद था। इस सत्यापन अभियान से यह स्पष्ट हुआ कि देश में चीनी की कोई कमी नहीं है और घबराहट में खरीदारी या अतिरिक्त भंडारण का कोई औचित्य नहीं है।

मंत्रालय ने यह भी बताया कि कुछ मामलों में चीनी मिलें 'शॉर्ट सेलिंग' का सहारा ले रही थीं, जिसका अर्थ है कि मासिक कोटा के तहत उन्हें जितनी चीनी बाजार में बेचनी चाहिए थी, उससे कम मात्रा जारी की जा रही थी। इस तरह की गतिविधियों से पर्याप्त स्टॉक होने के बावजूद बाजार में आपूर्ति प्रभावित होती है और कीमतों पर अनावश्यक दबाव बनता है। सरकार ने यह भी देखा कि कई बार महीने की शुरुआत में चीनी की बिक्री होने के बावजूद खरीदार उसे मिलों से महीने के अंत तक नहीं उठाते थे, जिससे बाजार में कृत्रिम कमी का माहौल बनता था। इस स्थिति को सुधारने के लिए सरकार ने सितंबर से मासिक कोटा प्रणाली की जगह पखवाड़ा-आधारित चीनी आवंटन प्रणाली लागू करने का फैसला किया है। नई व्यवस्था के तहत चीनी मिलों को आवंटित मात्रा का कम से कम 40 प्रतिशत हिस्सा पहले सप्ताह में और शेष मात्रा अगले सप्ताह में बाजार में जारी करनी होगी। इसके अलावा, सरकार ने चीनी मिलों को निर्देश दिया है कि बिक्री के बाद चीनी को सात दिनों के भीतर मिल परिसर से भेजना अनिवार्य होगा। सरकार का मानना है कि पखवाड़ा-आधारित कोटा और सात दिन के भीतर अनिवार्य आपूर्ति की व्यवस्था से चीनी की आवाजाही तेज होगी, जिससे चीनी सीधे मिलों से थोक विक्रेताओं और फिर उपभोक्ताओं तक जल्दी पहुंचेगी, जबकि जमाखोरी और सट्टेबाजी की संभावना कम होगी।

लगातार चौथे सत्र में टूटा सोना, पिछले 4 दिनों में एमसीएक्स पर 2.37 प्रतिशत सस्ता हुआ भाव

विश्व केसरी■

मुंबई। भारतीय सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में गिरावट का सिलसिला लगातार चौथे कारोबारी सत्र में भी जारी रहा। कमजोर वैश्विक संकेतों और निवेशकों की सतर्कता के बीच शुक्रवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के वायदा भाव में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई।

शुरुआती कारोबार में अक्टूबर डिलीवरी वाले सोने के वायदा कॉन्ट्रैक्ट का भाव अपने पिछले बंद 1,58,996 रुपए से 427 रुपए यानी 0.26 प्रतिशत गिरकर 1,58,569 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। वहीं, कारोबार के दौरान एक समय सोना 1,57,842 रुपए प्रति 10 ग्राम के निचले स्तर तक फिसल गया, जो दिन में लगभग 1,154 रुपए या 0.72 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है।

शुक्रवार की गिरावट के साथ पिछले चार कारोबारी सत्रों में एमसीएक्स पर सोने की कीमत 5,845 रुपए यानी 2.37 प्रतिशत तक घट चुकी है। यह दर्शाता है कि हाल के दिनों में पीली धातु पर लगातार बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

हालांकि हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन एमसीएक्स पर चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली, जहां सितंबर डिलीवरी वाली चांदी 2,796 रुपए यानी 1.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,43,447 रुपए प्रति किलोग्राम ट्रेड करती नजर आई। दिन के कारोबार में यह अपने पिछले बंद 2,40,651 रुपए से 1,602 रुपए यानी 0.66 प्रतिशत गिरकर 2,39,049 रुपए पर खुली, लेकिन दिन के कारोबार में इसने 3,049 रुपए यानी 1.26 प्रतिशत की तेजी दिखाते हुए 2,43,700 रुपए प्रति किलोग्राम के दिन के उच्चतम स्तर तक पहुंच गई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमतों में कमजोरी देखने को मिली। निवेशकों की निगाहें जैक्सन होल सम्मेलन में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष केविन वॉर्श के भाषण पर टिकी हुई हैं। बाजार निवेशक अमेरिकी ब्याज दरों की भविष्य की दिशा से जुड़े संकेतों का इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि इनका असर सीधे तौर पर सोने की मांग पर पड़ता है। वैश्विक बाजार में स्पॉट गोल्ड 0.5 प्रतिशत गिरकर 4,576.30 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। उल्लेखनीय है कि इसी सप्ताह सोने ने तीन महीने से अधिक के उच्च स्तर को छुआ था। वहीं अमेरिकी सोना वायदा भी 0.8 प्रतिशत गिरकर 4,629 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा।

विश्लेषकों का कहना है कि सप्ताह की शुरुआत में तेज उछाल के बाद अब निवेशक मुनाफावसूली कर रहे हैं और अमेरिकी मौद्रिक नीति के संभावित रुख का आकलन कर रहे हैं। डॉलर की चाल, बॉन्ड यील्ड और ब्याज दरों की दिशा सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने की मांग को प्रभावित कर सकती है।

तकनीकी विश्लेषण के अनुसार, सोने के लिए निकट अवधि में 1,59,500 रुपए से 1,60,000 रुपए का स्तर प्रमुख प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) क्षेत्र माना जा रहा है। इसके ऊपर 1,62,000 रुपए से 1,62,500 रुपए का अगला प्रतिरोध क्षेत्र है। दूसरी ओर 1,57,600 रुपए से 1,57,000 रुपए का स्तर तत्काल समर्थन (सपोर्ट) प्रदान कर सकता है, जबकि इसके नीचे 1,55,500 रुपए से 1,55,000 रुपए का मजबूत समर्थन क्षेत्र मौजूद है।

भारत और कनाडा आर्थिक पूरकताओं के आधार पर मजबूत वित्तीय साझेदारी का निर्माण कर सकते हैं: वित्त मंत्री सीतारमण

विश्व केसरी■

टोरंटो/नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि भारत और कनाडा के पास वित्तीय क्षेत्र में सहयोग को नई ऊंचाई तक ले जाने और दीर्घकालिक निवेश साझेदारियां विकसित करने का बड़ा अवसर है। उन्होंने दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के बीच मौजूद पूरकताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत और कनाडा मिलकर अधिक व्यापक और भविष्य उन्मुख आर्थिक संबंध स्थापित कर सकते हैं।

टोरंटो में आयोजित उच्चस्तरीय भारत-कनाडा बिजनेस राउंडटेबल को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा कि भारत अपनी विशाल बाजार क्षमता, तेज आर्थिक वृद्धि और निवेश अवसर प्रदान करता है, जबकि कनाडा के पास दीर्घकालिक पूंजी, मजबूत संस्थागत ढांचा और वित्तीय विशेषज्ञता है। कार्यक्रम में कनाडा के वित्त एवं राष्ट्रीय राजस्व मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैम्पेन भी उपस्थित थे। वित्त मंत्रालय ने बताया कि सीतारमण ने कहा कि भारत और कनाडा के आर्थिक संबंधों में हाल के समय में नई गति देखने को मिली है और अब इस सकारात्मक माहौल को वित्तीय क्षेत्र में गहरे सहयोग तथा मजबूत निवेश साझेदारियों में परिवर्तित करने की आवश्यकता है। वित्त मंत्री ने पिछले एक दशक में भारत में हुए व्यापक आर्थिक और वित्तीय सुधारों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एसेट क्वालिटी रिव्यू, दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता, 4आर रणनीति और ईएएसई सुधारों जैसे कदमों ने भारतीय बैंकिंग प्रणाली को पहले की तुलना में अधिक मजबूत और स्थिर बनाया है। सीतारमण ने कहा, 'भारत और कनाडा अब यह तलाश रहे हैं कि डिजिटल प्रौद्योगिकियों के माध्यम से वित्तीय सहयोग को और कैसे मजबूत किया जा सकता है, जिसमें आसान भुगतान व्यवस्था, सीमा-पार धन हस्तांतरण और नागरिकों के लिए अधिक डिजिटल भुगतान विकल्प शामिल हैं।'

उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल दोनों देशों के बीच अधिक गहरी और जन-केंद्रित साझेदारी की मजबूत नींव रख सकती है। वित्त मंत्री ने भारतीय बैंकिंग क्षेत्र की मजबूती का उल्लेख करते हुए बताया कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) अनुपात मार्च 2018 के 11.18 प्रतिशत से घटकर मार्च 2025 में 2.31 प्रतिशत रह गया, जो पिछले दो दशकों का सबसे निचला स्तर है।

जन धन योजना के 12 साल: 59 करोड़ बैंक खाते, महिलाओं और ग्रामीण भारत को मिली वित्तीय ताकत; पीएम मोदी ने की सराहना

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के 12 वर्ष पूरे होने पर इसकी उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए शुक्रवार को कहा कि इस योजना ने देश में वित्तीय समावेशन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मायगव इंडिया की एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि जन धन योजना का प्रभाव अभूतपूर्व रहा है और इसने करोड़ों लोगों को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, 'अभूतपूर्व पैमाने और परिवर्तनकारी परिणाम! जन धन योजना का अभूतपूर्व प्रभाव पड़ा है।

वहीं, मायगव इंडिया ने अपने पोस्ट में बताया कि एक समय ऐसा था जब बैंकिंग सुविधाओं तक पहुंच व्यक्ति के रहने के स्थान, आर्थिक स्थिति या बैंक से दूरी पर निर्भर करती थी। आज जन धन योजना की बदौलत देश की बैंकिंग व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया है और बैंकिंग सेवाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं।

इससे पहले वित्त मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 अगस्त 2014 को अपने शुरुआती प्रमुख कार्यक्रमों में से एक के रूप में 'प्रधानमंत्री जन धन योजना' की शुरुआत की थी। पिछले 12 वर्षों में इस योजना ने भारत के वित्तीय परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है और यह वैश्विक स्तर पर वित्तीय समावेशन का एक सफल मॉडल बनकर उभरी है।

मंत्रालय ने कहा कि जन धन योजना आज दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन पहल है, जिसने करोड़ों लोगों को पहली बार बैंकिंग सेवाओं से जोड़ा और उन्हें औपचारिक वित्तीय प्रणाली का हिस्सा बनाया।

सरकार ने बताया कि प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत अब तक 59.09 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले जा चुके हैं। इन खातों में कुल जमा राशि 3.17 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच चुकी है, जो योजना की व्यापक स्वीकार्यता और सफलता को दर्शाती है।

योजना की एक बड़ी उपलब्धि यह भी है कि इसके 56 प्रतिशत खाताधारक महिलाएं हैं, जबकि 78 प्रतिशत खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं। इससे स्पष्ट है कि योजना का सबसे अधिक लाभ उन वर्गों तक पहुंचा है, जो पहले औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से दूर थे। बयान में आगे कहा गया है कि जन धन योजना के तहत खाताधारकों को मुफ्त रुपे डेबिट कार्ड उपलब्ध कराया जाता है। अब तक 41 करोड़ से अधिक रुपे कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिससे डिजिटल भुगतान को बढ़ावा मिला है और वित्तीय सुरक्षा भी मजबूत हुई है।

सर्दियों में चाहिए भर-भरकर सब्जियां? सितंबर में गमले में बोएं ये 5 बीज, पालक और मेथी से टमाटर तक जानें तरीका

गार्डनिंग के शौकीनों के लिए यह मौसम किसी वरदान से कम नहीं है. यदि आप सितंबर के महीने में सही तैयारी कर लें, तो पूरी सर्दियों में आपको बाजार से सब्जियां खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी. आइए जानते हैं उन 5 आसान और पौष्टिक सब्जियों के बारे में, जिनके बीज आप सितंबर में गमलों में आसानी से लगा सकते हैं और साथ ही जानें उन्हें उगाने का सही तरीका.

अगर आप भी अपनी बालकनी या छत पर ताजी, बिना केमिकल वाली हरी सब्जियां उगाना चाहते हैं, तो सितंबर का महीना आपके लिए सबसे खास है. इस समय मानसून की विदाई हो रही होती है और हल्की-हल्की ठंड की आहट शुरू हो जाती है. गार्डनिंग के शौकीनों के लिए यह मौसम किसी वरदान से कम नहीं है. यदि आप सितंबर के महीने में सही तैयारी कर लें, तो पूरी सर्दियों में आपको बाजार से सब्जियां खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी.आइए जानते हैं उन 5 आसान और पौष्टिक सब्जियों के बारे में, जिनके बीज आप सितंबर में गमलों में आसानी से लगा सकते हैं और साथ ही जानें उन्हें उगाने का सही तरीका.

1. पालक (Spinach)- सर्दियों की थाली पालक के बिना अधूरी लगती है. इसे गमले में उगाना सबसे आसान है. गमले का चुनाव: पालक के लिए गहरा गमला लेने के बजाय चौड़ा (Rectangle or Flat Tray) गमला या ग्रो बैग चुनें, जिसकी गहराई कम से कम 6 से 8 इंच हो. तरीका: मिट्टी में 60% सामान्य मिट्टी, 30% गोबर की खाद या वर्मीकम्पोस्ट और 10% कोकोपीट मिलाएं. बीजों को मिट्टी पर छिड़ककर ऊपर से मिट्टी की हल्की परत बिछा दें. 25-30 दिनों में ताजी पालक काटने के लिए तैयार हो जाएगी.

2. मेथी (Fenugreek)- मेथी न सिर्फ सेहत के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह बहुत तेजी से उगती है. उगाने की ट्रिक: रसोई में मौजूद मेथी दाना लें और उसे रातभर पानी में भिगो दें. इससे अंकुरण (Germination) तेजी से होता है. तरीका: चौड़े गमले की उपजाऊ मिट्टी में बीजों को बिखेर दें और हल्का पानी छिड़कें. इसे ऐसी जगह रखें जहां दिन में 4-5 घंटे की धूप आती हो. 20-25 दिनों में आपको ताजी हरी मेथी मिलने लगेगी.

3. धनिया (Coriander)- सब्जी का स्वाद बढ़ाना हो या चटनी बनानी हो, ताजा धनिया हर घर की जरूरत है. स्मार्ट टिप: बाजार से साबुत धनिया (धनिया के बीज) लाएं और उन्हें दो हिस्सों में हल्का सा क्रश (तोड़) कर लें. तरीका: गमले में मिट्टी को बराबर करके बीजों को फैलाएं. धनिया को थोड़ा उगने में 8-10 दिन का समय लगता है, इसलिए सब्र रखें. मिट्टी में नमी बनाए रखें, लेकिन पानी जमा न होने दें.

4. मूली (Radish)- सर्दियों में धूप में बैठकर मीठी और करारी मूली खाने का मज़ा ही अलग है. गमले का चुनाव: मूली एक जड़ वाली सब्जी (Root Vegetable) है, इसलिए इसके लिए कम से कम 10 से 12 इंच गहरा गमला चुनें. तरीका: बीजों को 1-1 इंच की दूरी पर बोएं. जब पौधे थोड़े बड़े हो जाएं, तो कमजोर पौधों को हटा दें ताकि मुख्य मूली को फैलने के लिए पूरी जगह मिल सके. 40-45 दिनों में लाल या सफेद मूली तैयार हो जाती है।

छपरा का सबसे सस्ता समोसा, 22 साल से बेच रहे अंबिका राय, कीमत सिर्फ 2 रुपये

छपरा के ग्रामीण क्षेत्र में भी कुछ ऐसी समोसे की दुकानें हैं, जो स्वाद और सस्ते दाम को लेकर मशहूर हैं. इसी क्रम में अंबिका राय जलालपुर प्रखंड के बसडिला के रहने वाले हैं, जो 22 वर्षों से लोगों को मात्र ?2 में स्वादिष्ट समोसा खिलाते आ रहे हैं. स्वाद इतना बेहतर होता है कि एक बार खाने के बाद लोग बार-बार आते हैं. अंबिका राय के द्वारा बसडिला ढाला के पास एक छोटी सी दुकान में समोसा बेचने का काम किया जाता है. 2 में समोसा, 2 में चाप, 1 में पकौड़ी, आज भी इस महंगाई के दौर में अंबिका राय बेच रहे हैं.

अंबिका राय ने गरीब, अमीर और बच्चे सभी को एक समान देखते हुए अपने समोसे के दाम तय किए हैं. 2 में बेचने से गरीब लोग भी समोसा खरीदकर खा लेते हैं. इसके साथ ही बच्चे भी 2 लेकर आते हैं और खरीदकर खाते हैं. यही नहीं, बर्थडे, शादी, वर्षगांठ या किसी पार्टी में भी इनके पास से ऑर्डर पर समोसा खरीदकर लोग ज्यादा मात्रा में ले जाते हैं. बड़े-बड़े लोग भी किसी पार्टी फंक्शन के लिए यहीं से समोसा खरीदते हैं.

अंबिका राय के द्वारा खुद से घरेलू मसाला तैयार किया जाता है, जो मसाला ये समोसे में डालते हैं. हल्दी, अजवाइन, मिर्च पाउडर सहित कई मसाले डालकर समोसा तैयार करते हैं. खुद के सरसों तेल में समोसा छानते हैं. सबसे खास बात यह है कि लहसुन-प्याज इनके समोसे में नहीं रहता है.

इसके बावजूद भी स्वादिष्ट लगता है. जो एक बार खा लेता है, दूसरी बार भी गाड़ी रोककर समोसे का स्वाद लेना नहीं भूलता है. लोकल 18 से अंबिका राय ने बताया कि 23 वर्षों से मैं समोसा बनाकर बेच रहा हूं, लहसुन-प्याज नहीं डालता हूं.

इसके अलावा सभी मसाले खुद से तैयार करके डालता हूं. समोसा सरसों के तेल में तला जाता है. यही वजह है कि स्वाद अच्छा लगता है. 2-4 पीस खाने के बाद 20 समोसे खरीदकर लोग घर के लिए ले जाते हैं. एक बार जो खा लेते हैं, वह इस रास्ते से आते वक्त जरूर रुकते हैं और फिर समोसा खाकर या लेकर ही आगे जाते हैं.

उन्होंने आगे बताया कि 2 में समोसा, 2 में चाप, 1 में पकौड़ी बेचता हूं. सस्ता बेचने से गरीब हो या बच्चा हर कोई इसे आसानी से खरीदकर खा सकता है. सभी को ध्यान में रखते हुए 23 वर्षों से मैं समोसा, पकौड़ी, चाप का शुल्क निर्धारित किया हूं. बसडीला ढाला के पास बाबा दुकान के नाम से मशहूर है. लोगों का प्यार ऐसा ही बना रहा, तो स्वाद चखाते रहेंगे।

रांची से 15 किलोमीटर दूर है मिनी मनाली, ओरमांझी-अनगड़ा रोड पर है जंगल, झरने और सुकून

झारखंड की राजधानी रांची के पास अगर आप प्रकृति की गोद में सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं, तो ओरमांझी से अनगड़ा जाने वाला रास्ता बेहतरीन विकल्प है. रांची से महज 15 किलोमीटर दूर यह मार्ग खूबसूरती के मामले में मनाली को भी मात देता है.

इस रास्ते की सबसे बड़ी खासियत यहां की प्राकृतिक सुंदरता है. सड़क के दोनों ओर घनघोर जंगल हैं. बरसात के मौसम में यह नजारा और भी खूबसूरत और मनमोहक हो जाता है. यहां की हरियाली और शांत माहौल में ड्राइविंग का एक अलग ही आनंद मिलता है. कई लोग तो केवल ड्राइविंग का मज़ा लेने के लिए 40 किलोमीटर दूर से यहां आते हैं.

इस रास्ते पर आगे बढ़ने पर गूंगा गांव आता है. इस गांव की खूबसूरती देखकर ऐसा लगता है मानो आप किसी बॉलीवुड फिल्म के सेट पर आ गए हों. चारों तरफ फैली हरियाली के बीच मिट्टी के छोटे-छोटे, साफ-सुथरे घर बेहद आकर्षक लगते हैं.

स्थानीय निवासी संगा बताते हैं कि वे मिट्टी की झोपड़ियों में रहते हैं. उनका जीवन पूरी तरह प्रकृति पर निर्भर है. वे लकड़ी चुनते हैं, गाय-भैंस और बकरी पालकर दूध बेचते हैं. गांव के पास छोटे-छोटे झरने भी हैं. यहां आने वाले पर्यटकों के लिए ग्रामीण झालमुड़ी जैसी चीजें बेचकर अपनी रोजी-रोटी चलाते हैं.

यदि आप इस खूबसूरत जगह की यात्रा का प्लान बना रहे हैं, तो कुछ जरूरी सावधानी जरूर बरतें। अकेले यात्रा न करें: सुरक्षा के लिहाज से महिलाएं यहां अकेले जाने से बचें, क्योंकि यह इलाका काफी सुनसान रहता है।

मेरे दोस्त मुझे सिर्फ अपने मतलब के लिए याद करते हैं... क्या दोस्ती तोड़ देना सही फैसला है?

क्या आपका कोई दोस्त ऐसा है, जो सिर्फ अपने काम के समय आपको याद करता है? जरूरत पड़ने पर फोन और मैसेज की भरमार रहती है, लेकिन जब आपको उसकी जरूरत हो तो वह गायब हो जाता है. ऐसी दोस्ती में एक समय बाद मन में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर इस रिश्ते को निभाया क्यों जाए? लेकिन दोस्ती तोड़ने का फैसला जल्दबाजी में लेना भी सही नहीं है. हर बार मदद मांगना इस बात का सबूत नहीं कि दोस्त आपको यूज कर रहा है. रिश्ते में असली समस्या तब है, जब लंबे समय तक सिर्फ एक ही व्यक्ति देता रहे और दूसरा केवल लेता रहे. जानिए रिलेशनशिप एक्सपर्ट के मुताबिक ऐसी दोस्ती को पहचानने, सीमाएं तय करने और जरूरत पड़ने पर सही फैसला लेने का तरीका.

दोस्ती जिंदगी का ऐसा रिश्ता है, जिसे हम अपनी पसंद से चुनते हैं. इसलिए जब इसी रिश्ते में बार-बार यह महसूस होने लगे कि सामने वाला सिर्फ अपने मतलब के लिए याद करता है, तो मन में दूरी बनाने या दोस्ती खत्म करने का ख्याल आना स्वाभाविक है. लेकिन क्या हर ऐसी स्थिति में दोस्ती तोड़ देना सही फैसला है जरूरी नहीं.

रिलेशनशिप और कम्युनिकेशन एक्सपर्ट्स के मुताबिक, दोस्ती में बराबर निवेश हमेशा बिल्कुल 50-50 नहीं होता. जिंदगी के अलग-अलग दौर में कभी एक दोस्त ज्यादा मदद करता है तो कभी दूसरा. असली समस्या तब होती है, जब लंबे समय तक रिश्ता एकतरफा बना रहे और आपको लगातार इस्तेमाल किए जाने का एहसास हो. साइकोलॉजिकल टुडे के विशेषज्ञ लेखों में भी दोस्ती को बनाए रखने के लिए आपसी सहयोग, पहल और स्पष्ट सीमाओं को अहम बताया गया है.

पहले यह समझें कि दोस्त सच में आपको यूज कर रहा है या नहीं

सिर्फ इस वजह से किसी दोस्त को मतलबी मान लेना सही नहीं है कि वह जरूरत पड़ने पर आपसे मदद मांगता है. गौर करें कि क्या वह आपकी जरूरत में भी आपके साथ खड़ा होता है क्या वह बिना किसी काम के आपसे बात करता है क्या आपकी परेशानियों और भावनाओं में उसकी दिलचस्पी है अगर जवाब बार-बार 'नहीं' है और बातचीत का ज्यादातर हिस्सा उसकी जरूरतों के आसपास रहता है, तो दोस्ती में असंतुलन जरूर हो सकता है.

एक बार खुलकर बात करें

दोस्ती खत्म करने से पहले अपनी बात सामने रखना बेहतर कदम हो सकता है. रिलेशनशिप एक्सपर्ट की सलाह के अनुसार, आरोप लगाने के बजाय अपनी भावनाएं बताएं. जैसे, 'मुझे ऐसा महसूस होता है कि तुम मुझे सिर्फ अपने काम के समय याद करते हो.' इससे सामने वाले को अपनी बात रखने का मौका मिलेगा. कई बार हमें सामने वाले के व्यवहार का सिर्फ एक हिस्सा दिखाई देता है. खुली बातचीत गलतफहमी दूर कर सकती है और यह भी साफ कर सकती है कि दोस्त वास्तव में रिश्ते को लेकर कितना गंभीर है।

चातुर्मास में तीर्थ यात्रा क्यों थी वर्जित? वजह जानकर आप भी कहेंगे- धर्म में छिपा था विज्ञान!

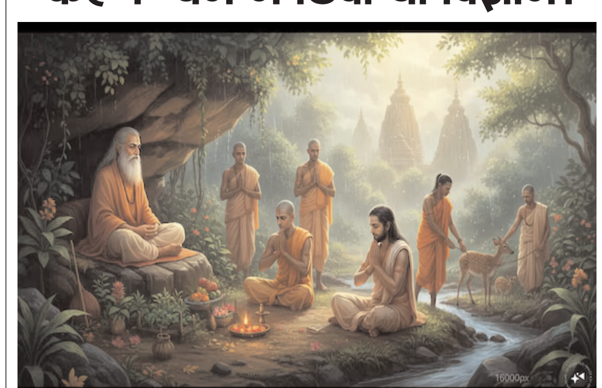

सावन से लेकर कार्तिक तक का समय हिंदू धर्म में बेहद पवित्र माना जाता है. यही चार महीने चातुर्मास कहलाते हैं. आज के दौर में लोग सावन, जन्माष्टमी या गणेश उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में तीर्थ यात्रा पर निकलते हैं, लेकिन कुछ दशक पहले तक तस्वीर बिल्कुल अलग थी. साधु-संत हों या आम गृहस्थ, चातुर्मास में लंबी तीर्थ यात्राएं करना लगभग वर्जित माना जाता था. धार्मिक मान्यता यह थी कि इस समय भगवान विष्णु योगनिद्रा में रहते हैं और साधु एक ही स्थान पर निवास करके साधना करते हैं.

वहीं इसके पीछे मौसम, स्वास्थ्य और प्रकृति से जुड़ी व्यावहारिक वजहें भी थीं. आखिर क्यों चार महीनों तक यात्रा रोकने की परंपरा बनी और आज इसका क्या महत्व है? आइए विस्तार से समझते हैं.

चातुर्मास क्या है और इसकी शुरुआत कब होती है?

चातुर्मास आषाढ़ शुक्ल एकादशी, जिसे देवशयनी एकादशी कहा जाता है, से शुरू होकर कार्तिक शुक्ल एकादशी यानी देवउठनी एकादशी तक चलता है. इन चार महीनों को भगवान विष्णु के विश्राम का काल माना जाता है. धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, इस अवधि में शुभ मांगलिक कार्य सीमित कर दिए जाते हैं. विवाह, गृह प्रवेश और बड़े उत्सवों की बजाय पूजा-पाठ, जप, तप, व्रत और आत्मचिंतन पर अधिक जोर दिया जाता है। सनातन परंपरा में साधु-संत पूरे वर्ष भ्रमण करते थे और लोगों को धर्म का संदेश देते थे. लेकिन चातुर्मास शुरू होते ही वे किसी आश्रम, मंदिर या गांव में ठहर जाते थे।

बाजार में 200 रुपये किलो मिलती है वजन कम करने वाली ये सब्जी, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को करता कंट्रोल

कंटोला पोषक तत्वों से भरपूर सब्जी मानी जाती है. इसमें मौजूद फाइबर और अन्य पोषक तत्व हमारे शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद माने जाते हैं. नियमित रूप से संतुलित मात्रा में कंटोला खाने से कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने और ब्लड प्रेशर को सामान्य बनाए रखने में मदद मिलती है.

बरसात का मौसम आते ही बाजार में कई तरह की हरी सब्जियों की आवक बढ़ जाती है. इन्हीं सब्जियों में एक ऐसी सब्जी भी शामिल है, जो आकार में छोटी, हरे रंग की और ऊपर से कांटेदार दिखाई देती है, इसे कंटोला, ककोड़ा, ककौड़ा या स्पाइन गॉर्ड के नाम से जाना जाता है. यह सब्जी खासतौर पर बारिश के मौसम में बाजार में अधिक दिखाई देती है, मगर सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद मारी जाती है, जिस कारण बाजारों में अधिक डिमांड रहती है.

इन दिनों बाजार में कंटोला व कटीले परवल खूब बिक रहे हैं, लेकिन गर्म और उमस भरे मौसम के कारण यह सब्जी जल्दी पकने लगती है. कई बार बाहर से देखने पर कंटोला हरा और ताजा दिखाई देता है. काटने के बाद अंदर से पीला या अधिक पका हुआ निकलता है. ऐसे कंटोले की सब्जी का स्वाद उतना अच्छा नहीं रहता है. यही वजह है कि खरीदारी के दौरान सिर्फ उसका रंग देखकर कंटोला नहीं खरीदना चाहिए. कच्चे और ताजे कंटोले की पहचान के लिए उसके रंग, आकार, कांटों और मजबूती पर ध्यान देना चाहिए.

कंटोला को पोषक सब्जियों में शामिल किया जाता है. इसमें प्रोटीन और आयरन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं और यह कम कैलोरी वाली सब्जी मानी जाती है. डायबिटीज के मरीज, कैल्शियम की कमी या फिर जिन लोगों का वजन बढ़ा हुआ होता है, उन्हें कटीले परवल की सब्जी जरूर खानी चाहिए. बाजार में इन दिनों कंटोला खूब बिक रहा है. बाजारों में इस समय 100 रुपए से लेकर 200 रुपए प्रति किलो के हिसाब से बिक रहा है.

ककोड़ा की बेल अक्सर जंगलों, झाड़ियों और खेतों के आसपास अपने आप उग आती है. वहीं किसान इसकी खेती भी बरसात के मौसम में करते हैं. बरसात के मौसम में इसकी बेल पर ककोड़े लगने शुरू हो जाते हैं, जिनकी सब्जी बनाकर खाई जाती है. ककोड़ा स्वाद के साथ-साथ कई पोषक तत्वों से भरपूर माना जाता है. इसमें फाइबर समेत कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। ककोड़ा की बेल अक्सर जंगलों, झाड़ियों और खेतों के आसपास अपने आप उग आती है. वहीं किसान इसकी खेती भी बरसात के मौसम में करते हैं. बरसात के मौसम में इसकी बेल पर ककोड़े लगने शुरू हो जाते हैं, जिनकी सब्जी बनाकर खाई जाती है. ककोड़ा स्वाद के साथ-साथ कई पोषक तत्वों से भरपूर माना जाता है. इसमें फाइबर समेत कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद हो सकते हैं.

बरसात के मौसम में मिलने वाला कंटोला स्वाद के साथ सेहत के लिए भी उपयोगी माना जाता है. इसमें विटामिन सी समेत कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, नियमित और संतुलित मात्रा में कंटोला को भोजन में शामिल करने से शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं. बदलते मौसम में संक्रमण से बचाव के लिए मजबूत इम्यून सिस्टम जरूरी होता है. ऐसे में हरी सब्जियों के साथ कंटोला भी आहार का हिस्सा बनाया जा सकता है। आयुर्वेदिक डॉ. सुरेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि हरी सब्जी हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है. ऐसे में कंटोला का सेवन करने से शरीर को कई पोषक तत्व मिलते हैं. सीमित मात्रा में इसे आहार के रूप में खा सकते हैं. पाचन तंत्र मजबूत रहता है, कब्ज जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

बुर्का उठाते ही पता चल गया था करीना सुपरस्टार बनेगी : करिश्मा कपूर

मुंबई। अभिनेत्री करीना कपूर अपने सशक्त, बहुमुखी और सहज अंदाज के लिए बॉलीवुड में विशेष स्थान रखती हैं। उनकी बड़ी बहन करिश्मा कपूर ने बताया कि उन्हें एहसास हो गया था कि करीना सुपरस्टार बनने के लिए ही आई हैं।

"करीना अपनी आंखों से गजब एक्सप्रेशन देती हैं, वो कैसे करती हैं पता नहीं लेकिन वो एक अलग लेवल का होता है।"

- अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने फिल्म 'रिफ्यूजी' के पहले क्लोजअप शॉट को याद करते हुए कहा कि उन्हें उसी वक्त एहसास हो गया था कि करीना एक सुपरस्टार बनने वाली हैं।

"करिश्मा कपूर ने कहा कि फिल्म 'रिफ्यूजी' के डायरेक्टर जेपी दत्ता, पिता एक्टर रणधीर कपूर के असिस्टेंट रह चुके थे। उन्होंने कहा, "जेपी दत्ता सर मेरे पापा के असिस्टेंट थे और फिर जेपी दत्ता सर ने करीना को लॉन्च किया। हम शूटिंग में गए थे और करीना का पहला क्लोज-अप हो रहा था और वे अपना बुर्का ऊपर कर रही थीं, जिसे देखकर लगा कि करीना सुपरस्टार बनने वाली हैं। मुझे लगता हैं करीना अपनी आंखों से गजब एक्सप्रेशन देती हैं , वो कैसे करती हैं पता नहीं लेकिन वो एक अलग लेवल का होता है।"

- करिश्मा ने यह भी बताया कि बड़े होते समय बहनें अपनी पर्सनैलिटी के मामले में कितनी अलग थीं। खुद को सिंपल बताते हुए उन्होंने कहा कि करीना जोशीली और बोल्ड हैं।

"मैं थोड़ी सी सिंपल टाइप की हूं और करीना काफी डैशिंग टाइप की लड़की है। आम तौर पर ये होता है, बड़े बच्चे थोड़े सिंपल होते हैं और छोटे वाले काफी हॉट-ब्लडेड होते हैं। हर समय मुझे अपनी मां से बहन को बचाना पड़ता था।

बता दें कि

करिश्मा कपूर और करीना कपूर दोनों को बॉलीवुड की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक माना जाता हैं। दोनों एक्ट्रेस मशहूर एक्टर राज कपूर की पोती और एक्टर रणधीर कपूर और बबीता की बेटियां हैं। करिश्मा ने 90 के दशक की शुरुआत में बॉलीवुड में डेब्यू किया था जबकि करीना ने वर्ष 2000 में एक्टिंग में कदम रखा था।

बहन ने गुल्लक में पैसे जोड़कर भाई के लिए खरीदा था महंगा टेनिस रैकेट, याद करके भावुक हुए वर्धन पुरी

विश्व केसरी

मुंबई। दिग्गज अभिनेता अमरीश पुरी के पोते और अभिनेता वर्धन पुरी ने रक्षाबंधन के मौके पर अपनी बड़ी बहन डॉ. साची पुरी के साथ बचपन की एक खास याद साझा की है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि बचपन में उनकी बहन ने एक खास तोहफा खरीदने के लिए गुल्लक में पैसे जमा किए थे। जब उनको यह बात पता चली तो वह परिवार के सामने ही भावुक होकर रो पड़े थे।

मीडिया से बात करते हुए वर्धन ने कहा, ''बचपन में मुझे टेनिस खेलना काफी पसंद था। मेरे पास एक टेनिस रैकेट था, जो गलती से टूट गया था। इसके बाद मुझे एक नया रैकेट चाहिए था। मेरी इस इच्छा के बारे में मेरी बड़ी बहन साची को पता था। उस समय साची ने परिवार से मिलने वाले पैसे खर्च करने के बजाय उन्हें अपनी गुल्लक में जमा करना शुरू कर दिया। वह लगातार पैसे बचाती रहीं, ताकि रक्षाबंधन पर मुझको मेरी पसंद का खास तोहफा दे सकें।''

वर्धन ने कहा, ''रक्षाबंधन के दिन साची ने मुझे एक टाइटेनियम टेनिस रैकेट दिया। उस समय यह रैकेट काफी महंगा था। मेरे लिए रैकेट की कीमत से ज्यादा मायने इस बात का था कि मेरी बहन ने मेरी छोटी-सी इच्छा को पूरा करने के लिए काफी समय तक पैसे बचाए थे। उस पल मैं भावनाओं पर काबू नहीं रख पाया और परिवार के सामने रोने लगा। मेरे लिए वह रक्षाबंधन आज भी बेहद खास है।''

अपनी बहन के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए वर्धन ने कहा, ''साची मेरे लिए सिर्फ बड़ी बहन नहीं हैं। वह मेरी 'छोटी मां' है। साची ने मुझे हमेशा संभाला, मेरी देखभाल की और मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। आज मैं जिस तरह का इंसान हूं, उसमें मेरी बहन का बहुत बड़ा योगदान है।''

वर्धन ने अपनी बहन को अपना सबसे बड़ा चीयरलीडर भी बताया। उन्होंने कहा, ''साची हमेशा मेरे साथ खड़ी रहती हैं और मेरे लिए सबसे ज्यादा खुश होती हैं। जब भी वह प्रार्थना करती हैं, तो सबसे पहले मेरे बारे में सोचती हैं। उनका प्यार बिना किसी शर्त वाला है। मेरा मेरी बहन के साथ रिश्ता बचपन से ही बहुत मजबूत रहा है और जिंदगी के हर पड़ाव पर उन्होंने मुझे किसी न किसी तरह से संभाला है।''

जब वर्धन से मीडिया ने पूछा कि वह अपनी बहन को कौन सी फिल्म समर्पित करना चाहेंगे, तो इसके जवाब में उन्होंने 'दिल धड़कने दो' का नाम लिया। बता दें कि रणवीर सिंह और प्रियंका चोपड़ा की इस फिल्म में भाई-बहन के रिश्ते को कहानी का अहम हिस्सा बनाया गया है।

बाली में छुट्टियों के बीच भी फिटनेस पर फोकस, गर्मी में वर्कआउट टिप्स देते दिखे वरुण धवन

मुंबई। अभिनेता वरुण धवन इन दिनों बाली में वेकेशन इंजॉय कर रहे हैं और अपने फिटनेस रूटीन को फॉलो करके अपने समय का पूरा इस्तेमाल कर रहे हैं। शुक्रवार को अभिनेता ने अपने वर्कआउट सेशन का एक खास वीडियो पोस्ट किया।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट की, जिसमें उन्होंने दिखाया कि वे बढ़ते टेम्परेचर के बावजूद खुद को कैसे एक्टिव रख रहे हैं। इस वीडियो के जरिए उन्होंने बाली के गर्म मौसम में वर्कआउट करने और हाइड्रेटेड रहने की इंपॉर्टेंस के बारे में बताया।

अभिनेता वरुण धवन कहते हैं, 'क्या हाल है दोस्तों, तो अभी मैं बाली में हूं और वर्कआउट कर रहा हूं, लेकिन यहां बहुत, बहुत गर्मी है और जब आप वर्कआउट करते हैं तो आप अपने बहुत सारे इलेक्ट्रोलाइट्स खो देते हैं, वे जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स जिनकी आपको जरूरत होती है, आप जानते हैं, खुद को एक्टिव रखने के लिए।'

अभिनेता वरुण धवन ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'ट्रेन, पसीना, हाइड्रेट, यहां 35 डिग्री टेम्परेचर है।' वरुण ने आगे गर्मी में वर्कआउट के दौरान खुद को हाइड्रेट रखने के अपने तरीके के बारे में भी बात की। उन्होंने ऐसे मौसम में एक्सरसाइज करते हुए जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स को फिर से भरने के महत्व पर भी जोर दिया।

अभिनेता वरुण धवन हाल ही में फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना' में नजर आए थे। फिल्म का निर्देशक वरुण धवन के पिता और मशहूर निर्देशक डेविड धवन ने किया था। फिल्म में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर, पूजा हेगड़े, मनीष पॉल, चंकी पांडे और जिमी शेरगिल जैसे कलाकार नजर आए थे।

कृति सेनन के विज्ञापन पर प्रियंका चोपड़ा की मां मधु चोपड़ा ने कहा-गरिमा बनाए रखना जरूरी

विश्व केसरी

मुंबई। कृति सेनन के हालिया फेस्टिव ज्वेलरी विज्ञापन में पहने गए कपड़ों पर चल रहा विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। हर कोई इस मुद्दे पर अपनी-अपनी राय दे रहा है। इसी बीच अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की मां मधु चोपड़ा ने भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कुछ सीमाएं तो होनी चाहिए।

दरअसल, मधु चोपड़ा ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में शिरकत की, जहां उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, 'कुछ सीमाएं तो होनी चाहिए। मेरा शरीर, मेरी मर्जी, इन सीमाओं के अंदर ही काम करता है। ऐसा करना अच्छी बात है, लेकिन वो सीमाएं भी जरूरी है कि आप अपनी गरिमा को कैसे बनाए रखते हैं और दूसरों की भावनाओं का कितना सम्मान करते हैं, यह बहुत मायने रखता है। आप इसे ऐसी जगह कर सकते हैं जहां ये चीजें आम हैं। यह कहते हुए दुख हो रहा है कि हमारे बच्चे भी इसे पहनते हैं। वे इसे काम के लिए, अपने शौक के लिए पहनते हैं। लेकिन यह स्वीकार्य है क्योंकि उन जगहों पर यह चलता है।'

बता दें कि बढ़ते विवाद को देखते हुए कृति सेनन ने ट्रोल्स को करारा जवाब दिया था, उसके एक दिन बाद ही ब्रांड ने विज्ञापन हटा दिया था। कृति ने लिखा था, 'हम भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों का बहुत सम्मान करते हैं। एक ब्रांड के तौर पर हम हमेशा से इन खुशियों के मौकों को पूरे परिवार के साथ मनाने में विश्वास रखते हैं और इस बार हम इस प्यार और जश्न को अपने पालतू जानवरों तक भी ले जाना चाहते थे।'

उन्होंने आगे लिखा, 'अगर हमारे हालिया विज्ञापन से अनजाने में समाज के किसी वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तो हमारा ऐसा कोई इरादा नहीं था। सम्मान के तौर पर हमने उक्त विज्ञापन को सभी प्लेटफॉर्म से हटा दिया है। आप सभी को इस त्योहारी सीजन में ढेर सारा प्यार और सकारात्मकता की शुभकामनाएं।'

उसके बाद ब्रांड ने भी अपना विज्ञापन हटा दिया था। ब्रांड ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की पुष्टि की थी। उन्होंने कहा था कि वह भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों का बहुत सम्मान करता है।

विज्ञापन में कृति रक्षाबंधन के लिए एक ज्वेलरी ब्रांड के लिए ऑफ-व्हाइट रंग की ड्रेस में नजर आई थीं, जिसमें ब्रालेट स्टाइल ब्लाउज, केप और ड्रेप स्कर्ट थी।

रक्षाबंधन पर बॉलीवुड में दिखा भाई-बहन का प्यार, प्रिया दत्त से लेकर सुनैना रोशन ने लुटाया प्यार

विश्व केसरी

मुंबई। रक्षाबंधन का त्योहार पूरे भारत में खुशियों के साथ मनाया जा रहा है। बॉलीवुड में भी अभिनेता संजय दत्त, जैकी भगनानी और ऋतिक रोशन की बहनों ने अपने सोशल मीडिया के जरिए भाइयों के प्रति प्यार जाहिर किया है।

अभिनेता संजय दत्त की बहन प्रिया दत्त ने परिवार संग बचपन की तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'बचपन की यादों से लेकर जिंदगी ने हमें जो कुछ भी दिया है, कुछ चीजें कभी नहीं बदलतीं। प्यार, हंसी-मजाक, नोक-झोंक, ढेर सारी कहानियां, बिना कहे सब समझ जाना और ये सुकून कि जिंदगी हमें कहीं भी ले जाए, हम हमेशा एक-दूसरे के साथ रहेंगे। हम साथ बड़े हुए हैं, जिंदगी को बदलते देखा है, उसके सबसे खूबसूरत पलों को सेलिब्रेट किया है और मुश्किल समय में एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हैं और इन सभी सालों में, ये रिश्ता उन कुछ चीजों में से एक है जिस पर मैं हमेशा भरोसा कर सकती हूं। हैप्पी रक्षा बंधन, भैया। हमने जो भी यादें बनाई हैं, जो भी साल साथ गुजारे हैं, उन सभी के नाम। आपका भाई के रूप में मिलना मेरे लिए हमेशा गर्व की बात है।'

अभिनेता जैकी भगनानी की बहन और प्रोड्यूसर दीपशिखा देशमुख ने भाई को राखी बांधते हुए वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, 'हैप्पी रक्षा बंधन। सच में आजकल तुम्हारे जैसे लोग नहीं मिलते, जो सोने की तरह चमकते हैं। और हां, तुमसे बार-बार पैर छुआना... सच कहूं तो रक्षा बंधन का मेरा सबसे फेवरेट हिस्सा यही है। हमेशा प्यार, मेरे सबसे फेवरेट लड़ने-झगड़ने वाले और हमेशा के छोटे भाई को।'

अभिनेता ऋतिक रोशन की बहन सुनैना रोशन ने भी भाई के लिए इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो पोस्ट किया, जिसमें दोनों के अब तक साथ में बिताए गए पल शामिल हैं। सुनैना ने अपने भाई के लिए लिखा, 'जिंदगी चाहे कितनी भी बदल जाए, कुछ लोग हमेशा घर जैसे लगते हैं।

मंत्रियों संग फोटो में सिर्फ पूनम ढिल्लो-पद्मिनी को दिखाया जाता है : उपासना सिंह

विश्व केसरी

मुंबई। सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (सिंटा) की पूर्व महासचिव उपासना सिंह ने संगठन के मौजूदा नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि कि पद्मिनी कोल्हापुरे और पूनम ढिल्लो के नेतृत्व में एसोसिएशन के प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल खुद की पब्लिसिटी के लिए किया जा रहा है।

अभिनेत्री उपासना सिंह ने अपनी बात रखते हुए कहा कि कई अहम कार्यक्रमों में दूसरे कार्यकारिणी सदस्यों के साथ ली गई तस्वीरों को क्रॉप करके सिर्फ पूनम ढिल्लो और पद्मिनी कोल्हापुरे को ही दिखाया जाता है। सरकारी प्रतिनिधियों के साथ सिंटा की बैठकों को लेकर उपासना सिंह ने आरोप लगाया कि उन बैठकों की तस्वीरों का इस्तेमाल भी चुनिंदा तरीके से सिर्फ पब्लिसिटी के लिए किया जा रहा है।

उपासना सिंह ने कहा, 'हम सिर्फ मंत्रियों से मिलने जाते थे। अगर आप हमारे फोन देखेंगे, तो मैं आपको मंत्रियों से मुलाकात की कई तस्वीरें दिखा सकती हूं हम भी जाते थे लेकिन किसकी तस्वीरें छपती थीं ? सिर्फ पूनम और पद्मिनी की ही तस्वीरें छपती थीं। अगर किसी और एक्टर की फोटो होती थी, तो उसे क्रॉप कर दिया जाता था। ऐसा दिलबाग जी के साथ भी हुआ है, तो सिर्फ उन्हीं की फोटो छपेगी। फिर सिंटा का इस्तेमाल सिर्फ उनकी पब्लिसिटी के लिए किया गया।'

उपासना सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि सिंटा के पैसों का इस्तेमाल प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए किया गया, जिसमें उनके मुताबिक पूनम ढिल्लो और पद्मिनी कोल्हापुरे को ज्यादा तरजीह दी गई। उन्होंने कहा, 'कई प्रेस कॉन्फ्रेंस हुईं, जिनमें सिंटा के पैसों का इस्तेमाल हुआ। और उनमें सिर्फ उन्हें ही ज्यादा महत्व दिया गया।'

राज कपूर नाइट कार्यक्रम से जुड़ी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का जिक्र करते हुए उपासना ने दावा किया कि कार्यकारिणी समिति (ईसी) के सदस्यों को उसमें नहीं बुलाया गया था और सिर्फ पूनम ढिल्लो और पद्मिनी कोल्हापुरे ही शामिल हुई थीं। उन्होंने कहा, 'राज कपूर नाइट के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस थी। उसमें हमारे किसी भी ईसी मेंबर को नहीं बुलाया गया था। सिर्फ पूनम और पद्मिनी को ही बुलाया गया था।'

उपासना ने आरोप लगाया कि उन्हें इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के बारे में बाद में मीडिया से पता चला और उन्होंने सवाल उठाया कि बाकी कार्यकारिणी सदस्यों को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी गई।उन्होंने दिग्गज अभिनेत्री हेमा मालिनी से जुड़े एक कार्यक्रम की प्रेस कॉन्फ्रेंस का भी जिक्र किया और आरोप लगाया कि कार्यकारिणी सदस्यों को बाद के समय पर बुलाया गया जबकि प्रेस कॉन्फ्रेंस पहले ही शुरू हो चुकी थी।

उपासना सिंह ने कहा, 'हेमा मालिनी के शो के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस थी। ईसी सदस्यों को दोपहर 3.30 बजे का समय दिया गया था और प्रेस कॉन्फ्रेंस दोपहर 12.30 बजे शुरू हुई। जब दीपक पाराशर वेन्यू पर पहुंचे तो उन्होंने दरवाजा खटखटाया लेकिन किसी ने दरवाजा तक नहीं खोला।

नेपाल के लिए रवाना होगा वायुसेना का तीसरा राहत विमान

विश्व केसरी

नई दिल्ली। नेपाल में राहत अभियान के तहत भारतीय वायुसेना का एक और सी-130जे विमान शुक्रवार शाम राहत सामग्री लेकर रवाना होगा। यह नेपाल भेजा जाने वाला वायुसेना का तीसरा राहत विमान होगा।इससे पहले 26 अगस्त को सी-130जे विमान 10 टन राहत सामग्री लेकर हिंडन से नेपाल गया था। इसके बाद 27 अगस्त को सी-17 ग्लोबमास्टर विमान 37.5 टन राहत सामग्री लेकर नेपाल पहुंचा था।

अब तीसरे विमान के जरिए भी नेपाल के प्रभावित क्षेत्रों के लिए जरूरी राहत सामग्री भेजी जा रही है। भारतीय वायुसेना नेपाल में जारी राहत एवं बचाव प्रयासों में लगातार सहयोग कर रही है। नेपाल में विनाशकारी व अचानक आई बाढ़ के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। इस बीच भारत ने नेपाल की मदद के लिए हवाई अभियान तेज कर दिया है। भारतीय वायुसेना यहां लगातार राहत सामग्री और चिकित्सा सामान नेपाल पहुंचा रही है।

भारतीय वायुसेना ने गुरुवार वायुसेना के एक और 'सी-17 परिवहन विमान' ने नेपाल की सहायता के लिए उड़ान भरी थी। इस विमान में प्रभावित इलाकों के लिए कुल 37.5 टन राहत सामग्री भेजी गई है। नेपाल की मदद के लिए भेजी जा रही सामग्री में जरूरी दवाइयां और खाद्य सामग्री भी शामिल है। इससे पहले भारतीय वायुसेना ने सी-130जे विमान के जरिए नेपाल में 10 टन जरूरी राहत सामग्री और चिकित्सा सामान भेजा था।

यह सामग्री बाढ़ प्रभावित लोगों की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए भेजी गई है। भारतीय वायुसेना ने बताया कि सी-17 और सी-130 जैसे विमानों के जरिए राहत सामग्री की अतिरिक्त खेप भी नेपाल भेजी जा रही है। इसके साथ ही हेलीकॉप्टरों को भी तैयार रखा गया है। इन हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल बचाव और लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के लिए किया जाएगा।

गौरतलब है कि नेपाल में आई अचानक बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। ऐसे समय में भारत ने राहत प्रयासों को तेजी दी है। इसके बाद से भारतीय वायुसेना ने जमीन से लेकर आसमान तक तेजी और सटीकता के साथ राहत अभियान चलाया है। इस अभियान का उद्देश्य जरूरत के समय नेपाल तक जरूरी मदद पहुंचाना है।दरअसल भारत ने एक बार फिर पड़ोसी देश के साथ खड़े होकर संकट की घड़ी में मदद का संदेश दिया है। भारतीय वायुसेना का यह अभियान इसी भावना के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है।

अमेरिका-ईरान के बीच नए प्रतिबंधों से बिगड़ सकते हैं हालात, यूएन प्रमुख ने जताई चिंता

विश्व केसरी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने की आशंका को लेकर चिंतित हैं। यह बात उनके प्रवक्ता ने कही।

स्टीफन दुजारिक के प्रवक्ता ने ईरान पर अमेरिका की ओर से लगाए गए नए प्रतिबंधों के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, 'महासचिव ऐसे किसी भी नए कदम या बयानों को लेकर चिंतित हैं जो हालात को और बिगाड़ सकते हैं। हम लगातार ऊर्जा आपूर्ति और खाद्य आपूर्ति में रुकावटें देख रहे हैं।'

यह सवाल इस बात को लेकर था कि क्या गुटेरेस को ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची का वह पत्र मिला है जिसमें ईरान पर लगाए गए नए अमेरिकी प्रतिबंधों का जिक्र था।

दुजारिक ने बताया कि पत्र प्राप्त हो गया है और अनुरोध के अनुसार उसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और

महासभा के सदस्यों को भेज दिया गया है।

उन्होंने कहा कि यह संघर्ष, भले ही फिलहाल प्रत्यक्ष सैन्य टकराव के कम दौर में दिखाई दे रहा हो, फिर भी क्षेत्र और वैश्विक अर्थव्यवस्था को काफी नुकसान पहुंचा रहा है।

प्रवक्ता ने कहा कि स्थायी समाधान का एकमात्र रास्ता बातचीत है। उन्होंने कहा कि महासचिव कतर, मिस्र, पाकिस्तान और अन्य देशों की मध्यस्थता कोशिशों की सराहना करते हैं, जो राजनीतिक समाधान निकालने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

इस बीच, ईरान के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि अगर अमेरिका कोई 'दुर्भावनापूर्ण' कदम उठाता है, तो ईरान पश्चिम एशिया क्षेत्र में उसके सैन्य और आर्थिक हितों को निशाना बनाकर कड़ा जवाब देगा। उन्होंने कहा कि ऐसा जवाब 'इतिहास में दर्ज होगा।'

अर्ध-सरकारी फार्स समाचार एजेंसी के अनुसार, ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसिन रेजाई ने यह बात तेहरान में कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम अल थानी के साथ बैठक के दौरान कही।

रेजाई ने कहा कि तेहरान को वॉशिंगटन पर भरोसा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका ने बार-बार कूटनीति और बातचीत की प्रक्रिया के साथ विश्वासघात किया है।

संक्षिप्त खबर

कठिन समय में मदद को आगे आए टिम कुक, एप्पल करेगा जमीनी राहत कार्यों में आर्थिक सहयोग

विश्व केसरी

नई दिल्ली। नेपाल में 26 अगस्त को अचानक आई भीषण बाढ़ से मची भारी तबाही में अब तक 450 से ज्यादा लोगों की मौत का आंकड़ा सामने आ चुका है। नेपाल के इस कठिन समय में विश्वभर से लोग मदद को आगे आ रहे हैं। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने भी नेपाल की इस त्रासदी पर दुख जताते हुए आर्थिक सहायता भेजी है। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में इस त्रासदी पर दुख जताया। टिम ने लिखा, ''नेपाल और तिब्बत में आई भयावह बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित सभी लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। राहत और पुनर्निर्माण कार्यों में मदद के लिए एप्पल जमीनी स्तर पर चल रहे प्रयासों को समर्थन देने हेतु एक आर्थिक सहायता राशि दान कर रहा है।'' 26 अगस्त को नेपाल में आई भीषण बाढ़ (फ्लैश फ्लड) ने भारी तबाही मचाई। यह बाढ़ तब आई जब भोटेकोसी नदी की सहायक नदी 'ल्हेन्डे' का प्रवाह एक हिमस्खलन के कारण रुक गया। इसके बाद सबसे पहले नेपाल-तिब्बत सीमा के पास रसुवागढ़ी क्षेत्र में स्थित तिमुरे गांव प्रभावित हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि इलाके में बारिश नहीं हुई थी, इसलिए लोगों को इस आपदा के आने का कोई अंदाजा नहीं था। बाढ़ आने के समय लोग अपनी रोजमर्रा की गतिविधियों में लगे हुए थे।

भारत-रूस संबंध दो महान सभ्यताओं की साझेदारी है : रूसी उप महावाणिज्य दूत

मुंबई। रूसी संघ के उप महावाणिज्य दूत अलेक्जेंडर फर्सोव ने भारत-रूस द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया और कहा कि दोनों देशों ने 2030 तक 100 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य रखा है। उन्होंने भारत के साथ साझेदारी को दो महान सभ्यताओं के बीच की साझेदारी बताया और कहा कि ग्लोबल इम्पैक्ट फोरम आपसी सांस्कृतिक और व्यापारिक समझ को गहरा करने का अहम मंच बनेगा। उप महावाणिज्य दूत अलेक्जेंडर फर्सोव ने कहा, 'मुझे लगता है कि वे हर क्षेत्र में हमारे द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत, विस्तारित और गहरा करते रहेंगे। हमने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार में 100 अरब डॉलर हासिल करने का लक्ष्य रखा है, तो देखते हैं कि इसे हासिल करने के लिए हम क्या कर सकते हैं। हम इस लक्ष्य की दिशा में बहुत-बहुत मेहनत कर रहे हैं।' रूसी संघ के उप महावाणिज्य ने कहा, 'मैं केवल इतना कह सकता हूं कि हम भारत के साथ अपनी साझेदारी को दो महान सभ्यताओं के बीच की साझेदारी के रूप में देखते हैं। इसीलिए हम फोरम की थीम का पूरी तरह समर्थन करते हैं। गहरी आपसी समझ विकसित करने के लिए एक-दूसरे की सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत को समझना बहुत जरूरी है। किसी दूसरे देश के समकक्ष के साथ व्यापार करते समय भी उनकी संस्कृति, पृष्ठभूमि और सोचने के तरीके को समझना जरूरी है।' अलेक्जेंडर फर्सोव ने कहा कि हमारा सांस्कृतिक सहयोग हमारे दोनों देशों के बीच दोस्ती और साझेदारी का एक प्रमुख स्तंभ है, और हम इस क्षेत्र को विकसित करने पर बहुत ध्यान देते हैं।

ट्रंप के 'लेक ओंटारियो' नाम बदलने के आदेश पर भड़के कनाडाई पीएम कार्नी, बोले- 400 साल पुराना है इतिहास

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संघीय सरकार को 'लेक ओंटारियो' झील का नाम बदलने का आदेश दिया है, जिस पर कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा किझील का इतिहास 400 साल पुराना है और सब जानते हैं कि इसका सही नाम 'लेक ओंटारियो' पहले से है और आगे भी रहेगा।

मार्क कार्नी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, ''लेक ओंटारियो का नाम 'वेंडैट' भाषा के शब्द 'ओंटारियो' से आया है, जिसका सही मतलब है, 'झील सुंदर है, झील बड़ी है।' यह नाम 400 साल से भी ज्यादा पुराना है। यह कनाडा के कॉन्फेडरेशन के गठन और संयुक्त राज्य अमेरिका की स्वतंत्रता घोषणा, दोनों से पहले का है।''

कार्नी ने कहा कि हम जानते हैं कि अमेरिका बदल रहा है। उसके व्यापारिक संबंध, उसकी विदेश नीतियां, उसके

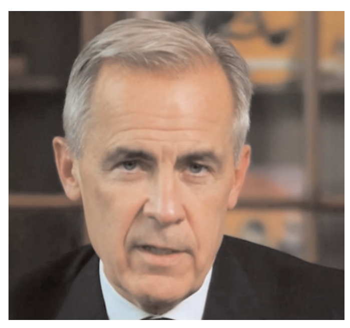

राष्ट्रीय स्मारक और यहां तक कि उसके जलाशयों के नाम भी बदल रहे हैं। लेकिन कनाडाई यह भी जानते हैं कि हकीकत को सही नाम से पुकारने का मतलब है उसे 'लेक ओंटारियो' कहना, और यह नाम पहले भी 'लेक ओंटारियो' था, आज भी है और हमेशा रहेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संघीय सरकार को 'लेक ओंटारियो' का नाम बदलकर 'लेक अमेरिका' करने का आदेश दिया है। उन्होंने इसके पीछे झील के आर्थिक महत्व और ग्रेट लेक्स की सुरक्षा में अमेरिका की प्रमुख भूमिका का हवाला दिया।

'लेक ओंटारियो' अमेरिका और कनाडा दोनों के बीच साझा झील है और दोनों देशों की सीमा इसी झील के बीच से गुजरती है।

आदेश में ट्रंप ने कहा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका ग्रेट लेक्स का सबसे बड़ा संरक्षक है, जिसमें वह जल क्षेत्र भी शामिल है जिसे फिलहाल 'लेक ओंटारियो' कहा जाता है।

उन्होंने कहा, 'अगर अमेरिका सुरक्षा और निवेश न करता, तो यह मीठे पानी की प्रणाली आज की तरह शिपिंग, मनोरंजन और जिम्मेदार उपयोग के लिए इतनी खुली नहीं होती।'

ट्रंप ने दावा किया कि ग्रेट लेक्स क्षेत्र में चलने वाले 11 आइस-ब्रेकिंग जहाजों में से 9 अमेरिकी तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड) संचालित करता है और व्यापारिक जहाजों के मार्गों को बिना किसी शुल्क के खुला रखता है।

अमेरिका में 'बर्थ टूरिज्म' पर कांग्रेस की जांच, चीन-रूस से आने वाली महिलाओं पर राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिका में विदेशी महिलाओं को मातृत्व सेवाएं बेचने वाले 'बर्थ टूरिज्म' बिजनेस की अब कांग्रेस जांच करेगी। इसके पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंताओं का हवाला दिया गया है, खासकर चीन और रूस से आने वाले यात्रियों को लेकर। इस मामले में फ्लोरिडा की एक कंपनी के अधिकारी को समन भी जारी किया गया है।

टेक्सास से रिपब्लिकन काग्रेसमैन ब्रैंडन गिल ने घोषणा की कि उनके नेतृत्व वाली हाउस ओवरसाइट कमेटी की टास्क फोर्स 1 सितंबर को 'अमेरिकी नागरिकता की रक्षा: बर्थ टूरिज्म का सामना' नाम से सुनवाई करेगी। इस सुनवाई में अमेरिका में 'बर्थ-टूरिज्म' की व्यवस्थाओं और विदेशों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं के लिए खास तौर पर 'मैटर्निटी पैकेज' का प्रचार करने वाली कंपनियों के चलन की जांच की जाएगी।

ऐसी व्यवस्थाओं के तहत विदेशी महिलाएं अमेरिका में बच्चे को जन्म देती हैं, जहां उनके बच्चों को आमतौर पर अमेरिकी नागरिकता मिल जाती है। कमेटी ने कहा कि सदस्य इस बात की जांच करेंगे कि क्या कंपनियां जन्मसिद्ध नागरिकता का गलत फायदा उठा रही हैं और अमेरिकी इमिग्रेशन सिस्टम का दुरुपयोग कर रही हैं। वे राष्ट्रीय सुरक्षा और अमेरिकी संप्रभुता के लिए खतरे के रूप में देखे जा रहे मुद्दों की भी जांच करेंगे। ब्रैंडन गिल ने कहा, 'बर्थ टूरिज्म हर अमेरिकी नागरिक के लिए परेशान करने वाला होना चाहिए। यह कानून के शासन को कमजोर करता है, अमेरिकी नागरिकता की कीमत घटाता है और एक राष्ट्र के रूप में हमारी संप्रभुता को कमजोर करता है।' रिपब्लिकन काग्रेसमैन ने कहा कि यह इंडस्ट्री विदेशी नागरिकों को अमेरिकी नागरिकता बेचती है जो खास तौर पर बच्चे को जन्म देने के लिए अमेरिका आते हैं।

नेशनल हेराल्ड मामले ने अमेरिका में मेरी छवि को नुकसान पहुंचाया : सैम पित्रोदा

विश्व केसरी

न्यूयॉर्क। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा ने कहा है कि लंबे समय से चल रहे नेशनल हेराल्ड मामले ने अमेरिका में उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि भले ही मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप अभी तक साबित नहीं हुए हैं, लेकिन इन आरोपों के कारण अमेरिकी बैंक उनसे सवाल पूछ सकते हैं।

आईएएनएस को दिए एक विशेष साक्षात्कार में पित्रोदा ने सवाल उठाया कि यह मामला लगभग 15 वर्षों से क्यों चल रहा है और अब तक इसका कोई निष्कर्ष क्यों नहीं निकला?

उन्होंने कहा, 'यह नेशनल हेराल्ड मामला पिछले 15 साल से चल रहा है। आखिर यह क्या है? आप सत्ता में हैं, सभी पर आरोप लगा देते हैं। यहां तक कि मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप भी लगा देते हैं। आपने कुछ साबित नहीं किया, लेकिन देखिए इससे कितना नुकसान होता है।'

पिछले छह दशक से अधिक समय से अमेरिका में रह रहे पित्रोदा ने कहा कि इंटरनेट पर उनके नाम को इस मामले से जोड़कर दिखाया जाना भारत की राजनीति से कहीं आगे तक असर डाल सकता है।

उन्होंने कहा, 'मेरे जैसे व्यक्ति के लिए, जो अमेरिका में रहता है, अगर कोई इंटरनेट पर देखे और लिखा मिले कि सैम पित्रोदा मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शामिल हैं, तो इसका क्या असर होगा?' उन्होंने कहा, 'मेरा बैंक मुझसे पूछ सकता है, 'मिस्टर पित्रोदा, यह क्या मामला है?' लेकिन मैं उन्हें नेशनल हेराल्ड, राजनीतिक पक्षपात और इन सब बातों को कैसे समझाऊं?' पित्रोदा ने कहा कि राजनीतिक विरोधियों पर आरोप लगाते समय ज्यादा निष्पक्षता और मर्यादा बरती जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार कीजिए। थोड़ी शालीनता भी होनी चाहिए।

भारत खरीदेगा अमेरिका का घातक 'जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम', अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने किया दावा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने दावा किया कि भारत युद्ध में परखी जा चुकी 'जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम' को खरीदने की योजना बना रहा है। यह कदम अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों को और मजबूत करेगा और दोनों देशों के बीच संयुक्त उत्पादन की संभावनाओं के नए रास्ते खोलेगा।

अमेरिकी राजदूत गोर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में इसकी जानकारी साझा की। राजदूत ने लिखा, 'भारत युद्ध में परखे जा चुके 'जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम' को खरीदने की योजना बना रहा है, जैसा कि अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने मई 2026 के 'शांगरी-ला डायलॉग' में कहा था। यह कदम अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति है। इसके साथ ही, दोनों देशों के बीच संयुक्त उत्पादन (को-प्रोडक्शन) की संभावनाओं के भी नए रास्ते खुल सकते हैं।'

गोर ने कहा कि भारत और अमेरिका दोनों देशों के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग का स्तर इस समय रिकॉर्ड ऊंचाई पर है। इससे पहले अमरिकी राजदूत ने नई दिल्ली स्थित गांधी स्मृति में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी और गांधी स्मृति संग्रहालय का दौरा किया। गोर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, 'गांधी स्मृति जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देना मेरे लिए सम्मान की बात है। सत्य, अहिंसा और शांति के उनके मूल्य हम सभी को प्रेरित करते हैं।' इस दौरान गोर ने अपने विदेशी सहयोगियों से मुलाकात की जानकारी 'एक्स' पोस्ट में साझा की। गोर ने लिखा, ''हमारे सहयोगी देशों के प्रतिनिधियों ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन, ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरून, कनाडा के उच्चायुक्त क्रिस कूटर और न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त पैट्रिक राटा से मुलाकात कर बेहद खुशी हुई।'

कैरोलीन लेविट ने व्हाइट हाउस प्रेस सचिव पद छोड़ा, 19 महीने से अधिक समय तक ट्रंप की प्रमुख प्रवक्ता रहीं

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। कैरोलीन लेविट ने व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त कर दिया है। उन्होंने 19 महीने से अधिक समय तक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुख्य सार्वजनिक प्रवक्ता के रूप में काम किया। व्हाइट हाउस ने घोषणा की कि गुरुवार उनका इस पद पर आखिरी दिन था, लेकिन उनके उत्तराधिकारी का नाम अभी घोषित नहीं किया गया है।

लेविट व्हाइट हाउस की 36वीं प्रेस सचिव थीं। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में जब उन्होंने यह पद संभाला, तब वह इस भूमिका में आने वाली सबसे कम उम्र की महिला बन गई थीं।

व्हाइट हाउस ने राष्ट्रपति और उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' नीतियों का मजबूती से बचाव करने के लिए लेविट की सराहना की। प्रशासन ने कहा कि उनका कार्यकाल नेतृत्व, स्पष्टता और आत्मविश्वास से भरा रहा। आधिकारिक घोषणा के अनुसार, ट्रंप ने लेविट को 'व्हाइट हाउस के इतिहास की सबसे बेहतरीन प्रेस सचिवों में से एक' बताया। टेलीविजन पर होने वाली प्रेस ब्रीफिंग और समाचार कार्यक्रमों में लगातार दिखाई देने के कारण लेविट ट्रंप प्रशासन के सबसे चर्चित चेहरों में से एक बन गई थीं।

वह अक्सर व्हाइट हाउस के प्रेस ब्रीफिंग कक्ष का इस्तेमाल उन समाचार रिपोर्टों को चुनौती देने के लिए करती थीं, जिन्हें प्रशासन गलत या पक्षपातपूर्ण मानता था। पत्रकारों के साथ उनकी बातचीत कई बार तीखी और टकरावपूर्ण रही। व्हाइट हाउस ने अपने विदाई संदेश में उनकी एक प्रतिक्रिया का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने एक पत्रकार के सवाल पर कहा था, 'क्या बेवकूफी भरा सवाल है।'

बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने पाकिस्तानी सुरक्षाबलों पर कई हमलों की जिम्मेदारी ली

विश्व केसरी

क्वेटा। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने बलूचिस्तान के विभिन्न इलाकों में पाकिस्तानी सुरक्षाबलों और कथित तौर पर राज्य समर्थित तत्वों पर किए गए कई हमलों की जिम्मेदारी ली है। संगठन ने दावा किया है कि इन हमलों में 11 पाकिस्तानी सैन्यकर्मी और दो कथित राज्य समर्थित ऑपरेटिव मारे गए। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, बीएलएफ के प्रवक्ता मेजर ग्वाहराम बलूच ने मीडिया को जारी बयान में कहा कि 22 अगस्त को संगठन के लड़ाकों ने अवारान जिले के कोलवाह-गिशकोर क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना की सड़क सुरक्षा इकाई पर हमला किया। प्रवक्ता के मुताबिक, इस हमले में पांच सैन्यकर्मी मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए।

बीएलएफ ने यह भी दावा किया कि सड़क निर्माण कार्य में इस्तेमाल किए जा रहे वाहनों को निशाना बनाया गया। संगठन के अनुसार, घटना के बाद इलाके में पहुंचे एक सैन्य हेलीकॉप्टर पर भी उसके लड़ाकों ने गोलीबारी की। प्रवक्ता ने कहा कि उसी दिन बीएलएफ के लड़ाकों ने शिरीन-ओ-फरहाद इलाके में एक पुलिस चौकी पर कब्जा कर लिया। बयान के अनुसार, चौकी पर तैनात पुलिसकर्मियों को हिरासत में लिया गया, एक कलाश्निकोव राइफल और अन्य उपकरण जब्त किए गए तथा चौकी, दो पुलिस वाहन और एक मोटरसाइकिल को आग लगा दी गई। बाद में हिरासत में लिए गए पुलिसकर्मियों को रिहा कर दिया गया।

बीएलएफ ने यह भी दावा किया कि बेला-झाओ रोड पर नाकाबंदी के दौरान वाहन जांच के समय उसने दो लोगों को मार गिराया, जिन्हें संगठन ने 'राज्य समर्थित डेथ स्क्वॉड' का सदस्य बताया। संगठन के अनुसार, दोनों की पहचान वाजा बाग, झाओ के निवासी मोहम्मद और उनके बेटे जफर के रूप में हुई।

मलेरिया के बाद अब स्वाइन फ्लू की दस्तक, मिले 7 मरीज

5 स्वस्थ होकर डिस्चार्ज, 2 का अपोलो अस्पताल में इलाज जारी

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। जिले में मलेरिया के मामलों के बीच अब स्वाइन फ्लू ने भी दस्तक दे दी है। जुलाई से अब तक जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से स्वाइन फ्लू के सात मरीज सामने आए हैं। इनमें से पांच मरीज उपचार के बाद पूरी तरह स्वस्थ होकर अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुके हैं, जबकि दो मरीजों का उपचार फिलहाल अपोलो अस्पताल में जारी है। इनमें एक मरीज की हालत गंभीर बताई जा रही है और वह पिछले सात दिनों से आईसीयू में भर्ती है।सीएमएचओ डॉ. शुभा गरेवाल के अनुसार अपोलो अस्पताल में उपचाररत मरीजों में एक 75 वर्षीय वृद्ध हैं, जिन्हें पिछले सात दिनों से आईसीयू में रखा गया है। वहीं दूसरा मरीज 30 वर्षीय युवक है, जिसकी रायपुर की ट्रैवल हिस्ट्री सामने आई है। दोनों मरीजों की चिकित्सकीय निगरानी में उपचार किया जा रहा है।

अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को सतर्क रहने के निर्देश - स्वाइन फ्लू के मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने जिले के प्रमुख अस्पतालों के साथ-साथ स्वास्थ्य केंद्रों को भी सतर्क कर दिया है। सिम्स, जिला अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) को आवश्यक सावधानी बरतने और संदिग्ध मरीजों की पहचान एवं उपचार व्यवस्था को लेकर अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि मरीजों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। साथ ही संक्रमण की रोकथाम के लिए अस्पतालों में आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की जा रही है। विशेष रूप से सांस संबंधी लक्षणों वाले मरीजों की जांच और निगरानी पर ध्यान दिया जा रहा है।

पांच मरीजों के स्वस्थ होने से राहत

जिले में अब तक सामने आए सात मामलों में पांच मरीजों का स्वस्थ होकर अस्पताल से डिस्चार्ज होना राहत की बात है। हालांकि, दो मरीजों के अभी उपचार रत होने और एक बुजुर्ग के आईसीयू में भर्ती होने के कारण स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार स्वाइन फ्लू एक इन्फ्लूएंजा वायरस से होने वाला श्वसन संक्रमण है। बुखार, खांसी, गले में खराश, शरीर में दर्द, कमजोरी और सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण दिखाई देने पर समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेना जरूरी है।विशेषकर बुजुर्गों, छोटे बच्चों और अन्य जोखिम वाले लोगों में लक्षण गंभीर होने की आशंका को देखते हुए लापरवाही से बचना आवश्यक है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे बिना चिकित्सकीय सलाह के दवा न लें, लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें और संक्रमण से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें।

रक्षाबंधन पर महतारी वंदन योजना की राशि बनी खुशियों का आधार

विश्व केसरी

अंबिकापुर (उमाकांत पाण्डेय)। रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का प्रतीक है। इस पर्व से पहले महतारी वंदन योजना की 31वीं राशि मिलने से महिलाओं के लिए त्योहार की तैयारियां आसान हुई हैं। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम करजी सोहागा की रहने वाली प्रतिभा मिश्रा के लिए इस बार रक्षाबंधन की खुशी इसलिए भी खास है कि उन्हें महतारी वंदन योजना की राशि समय से पहले प्राप्त हुई, जिससे उन्होंने अपने भाइयों के लिए राखी और मिठाई खरीदी।

प्रतिभा मिश्रा ने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली राशि हर महीने उनके खाते में पहुंचती है। उन्होंने कहा कि सामान्य दिनों में यह राशि घरेलू जरूरतों को पूरा करने में मददगार होती है, लेकिन रक्षाबंधन जैसे पर्व के पहले राशि मिलने से त्योहार की तैयारियों में विशेष सहूलियत मिली। उन्होंने बताया कि राशि प्राप्त होने के बाद उन्होंने सबसे पहले रक्षाबंधन की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अपने भाइयों के लिए राखी और मिठाई खरीदी। उनके लिए यह केवल खरीदारी नहीं, बल्कि भाई-बहन के रिश्ते को सहेजने और अपनत्व के साथ मनाने का अवसर है। इसी दौरान उन्होंने विष्णु भैया के लिए भी एक राखी खरीदी, जिसे वे अपने स्नेह और आभार के प्रतीक के रूप में देखती हैं। प्रतिभा मिश्रा ने कहा, 'महतारी वंदन योजना की राशि हर महीने हमारे खाते में आ जाती है। इस महीने रक्षाबंधन से पहले विष्णु भैया ने जो राशि दी, उससे मैं बहुत खुश हूं। इसी राशि से मैंने अपने भाइयों के लिए राखी और मिठाई खरीदी है। मैंने एक राखी विष्णु भैया के लिए भी खरीदी है।' उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से मिलने वाली आर्थिक सहायता से महिलाओं को अपनी छोटी-बड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलती है। अपने खर्च के लिए राशि उपलब्ध होने से महिलाओं को परिवार की जरूरतों के साथ-साथ त्योहारों और पारिवारिक अवसरों की तैयारियों में भी सहूलियत मिलती है।

योजना की राशि से मिली अपनी जरूरत पूरी करने की स्वतंत्रता

प्रतिभा के लिए महतारी वंदन योजना की राशि का महत्व इसलिए भी है कि इससे वे अपनी प्राथमिकता के अनुसार खर्च कर पाती हैं। रक्षाबंधन से पहले राशि मिलने पर उन्होंने इसे भाई-बहन के स्नेह से जुड़े पर्व की तैयारियों में लगाया।

रक्षाबंधन कांकेर धूमधाम से मनाया गया

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। विश्वास और स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन का यह त्योहार आपके जीवन में खुशियाँ, समृद्धि, स्वास्थ्य और सफलता लेकर आए इन्हीं आशीर्वाद और शुभकामनाएँ के साथ बहिनों ने भाई की कलाई में राखी रक्षासूत्र बांधा ।

यह त्योहार केवल भाई बहिनों के प्रेम का प्रतीक नहीं है बल्कि यह हर उस व्यक्ति की रक्षा और सम्मान का संकल्प है जिसे सुरक्षा और स्नेह की आवश्यकता है । कलाई पर बंधा रक्षासूत्र केवल एक धागा नहीं है बल्कि एक ऐसा पवित्र वादा है जो हमें कमजोर और जरूरत मंद और अपनों की रक्षा करने के लिए प्रेरित करता है । यह त्योहार हमें सिखाता है कि हमें अपने भीतर की बुराइयां नकारात्मकता और स्वार्थ का त्याग कर पवित्रता प्रेम और सदाचार का जीवन जीना चाहिए । इसका संदेश सम्पूर्ण मानवता प्रकृति और समाज के कल्याण से जुड़ा है । यानी हर जीवन का सम्मान करना और संकट के समय एक दूसरे के साथ खड़े होना है । रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बहनों ने विधायक आशाराम नेताम को राखी बांधकर स्नेह विश्वास और अपनापन व्यक्त किया बहनों के इस आत्मीय प्रेम और आशीर्वाद से विधायक आसाराम नेताम अभिभूत हुए। इन्हीं भावनाओं के साथ कांकेर शहर में रक्षाबंधन का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ।

स्कूल के नाम से फर्जी इंस्टाग्राम आईडी अभद्र टिप्पणियों से मचा हड़कंप

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। कोटा क्षेत्र स्थित एलबीटी इंटरनेशनल हायर सेकंडरी स्कूल के नाम और पहचान का कथित रूप से दुरुपयोग कर फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट संचालित किए जाने का मामला सामने आया है। स्कूल प्रबंधन का आरोप है कि इस अकाउंट से अभद्र भाषा, गाली-गलौज और आपत्तिजनक टिप्पणियां पोस्ट की जा रही हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए स्कूल के प्रिंसिपल ने कोटा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

स्कूल से कोई संबंध नहीं होने का दावा

शिकायत में स्कूल प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि संबंधित इंस्टाग्राम अकाउंट का संस्थान अथवा स्कूल प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है। आरोप है कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा स्कूल के नाम और पहचान का इस्तेमाल कर सोशल मीडिया पर लगातार आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट की जा रही है। इससे न केवल स्कूल की छवि प्रभावित होने की आशंका है, बल्कि शिक्षकों की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

विद्यार्थियों और अभिभावकों में भ्रम की स्थिति

स्कूल के नाम से सोशल मीडिया अकाउंट संचालित होने के कारण विद्यार्थियों और अभिभावकों के बीच भ्रम की स्थिति बनने की बात भी प्रबंधन ने शिकायत में कही है।

प्रबंधन का कहना है कि आपत्तिजनक पोस्ट के कारण संस्थान की प्रतिष्ठा प्रभावित हो सकती है और स्कूल के प्रति लोगों में गलत धारणा बन सकती है।

तकनीकी जांच से खुलेगा फर्जी अकाउंट का राज

प्रिंसिपल की शिकायत के आधार पर कोटा पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब संबंधित इंस्टाग्राम अकाउंट के संचालन के पीछे मौजूद व्यक्ति की पहचान करने के लिए तकनीकी जांच कर रही है। सोशल मीडिया अकाउंट से जुड़े डिजिटल साक्ष्य, तकनीकी जानकारी और अन्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए किसी संस्थान अथवा व्यक्ति की पहचान का कथित दुरुपयोग किए जाने के मामले ने स्कूल प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। अब पुलिस की जांच से ही यह स्पष्ट होगा कि उक्त अकाउंट किसने बनाया और आपत्तिजनक पोस्ट के पीछे वास्तविक उद्देश्य क्या था।

बालिकाओं के शोषण पर पुलिस ने की कार्रवाई, तीन गिरफ्तार

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। प्रार्थी द्वारा थाना बड़गांव उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी नाबालिग पुत्री एवं उसके साथ उसकी नाबालिग सहेली बिना बताए घर से कहीं चली गई हैं। परिजनों द्वारा स्कूल, आसपास के क्षेत्रों एवं रिश्तेदारों के यहां तलाश किए जाने के बावजूद दोनों बालिकाओं का पता नहीं चलने पर थाना बड़गांव में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

विवेचना के दौरान 27 अगस्त को दोनों नाबालिग बालिकाओं के सकुशल घर वापस आने की जानकारी प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम द्वारा तत्काल उनके निवास पर पहुंचकर आवश्यक पूछताछ एवं वैधानिक कार्रवाई की गई। पूछताछ के दौरान बालिकाओं द्वारा पुलिस को बताया गया कि वे दोनों काम की तलाश में बस से केवटी गई थीं। वहां से आरोपी पुनीत जैन एवं व्यंकटेश्वर नायक द्वारा काम दिलाने का आश्वासन देकर उन्हें भानुप्रतापपुर ले जाया गया तथा वहां से ग्राम करेंगांव ले जाने की बात सामने आई। पुलिस विवेचना में आरोपियों एवं उनके साथी कन्हैया दास वैष्णव द्वारा नाबालिग बालिकाओं के साथ दुष्कर्म किए जाने की जानकारी सामने आई।

बिलासपुर सेंट्रल जेल में सीबीआई की एंट्री, मची अफरा-तफरी

श्रवण सूर्यवंशी की संदिग्ध मौत की जांच तेज, 13 अक्टूबर से पहले देनी होगी रिपोर्ट

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। बिलासपुर सेंट्रल जेल में विचाराधीन बंदी श्रवण सूर्यवंशी की संदिग्ध मौत के करीब ढाई साल पुराने मामले में अब सीबीआई ने जांच शुरू कर दी है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद सीबीआई टीम बिलासपुर पहुंची और सिविल लाइन थाने से केस डायरी सहित मामले से जुड़े दस्तावेज अपने कब्जे में लिए।

श्रवण को 19 जनवरी 2024 को जेल भेजा गया था, जिसके बाद 21 जनवरी को उसे सिम्स अस्पताल रेफर किया गया और 22 जनवरी को उसकी मौत हो गई थी। परिवार ने पुलिस हिरासत में मारपीट का गंभीर आरोप लगाया था। न्यायिक जांच में सिर पर गंभीर चोट सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर अब सीबीआई पुलिस रिकॉर्ड, मेडिकल दस्तावेज, पोस्टमार्टम व एफएसएल रिपोर्ट और जेल रिकॉर्ड की जांच करेगी। सीबीआई को 13 अक्टूबर से पहले अपनी जांच रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश करनी है।

चार बार आदेश, फिर भी घर से नहीं हट पाया आंगनबाड़ी केंद्र

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। शहर के वार्ड क्रमांक 7 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 2 को स्वयं के घर से सामुदायिक भवन अथवा अन्य सुविधाजनक किराए के भवन में स्थानांतरित करने के लिए विभाग ने करीब आठ महीने में चार बार आदेश जारी किए, लेकिन इसके बावजूद केंद्र अब तक कार्यकर्ता के निजी मकान में ही संचालित हो रहा है। लगातार आदेशों की अवहेलना को लेकर अब महिला एवं बाल विकास विभाग ने अंतिम अवसर देते हुए कार्रवाई की चेतावनी दी है।

आंगनबाड़ी केंद्र को स्थानांतरित करने के लिए परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना बेमेतरा मनोरमा साहू के कार्यालय से पहली बार 2 जनवरी 2026 को आदेश जारी किया गया था। इसके बाद 9 जनवरी 2026, 18 अगस्त 2026 और फिर 27 अगस्त 2026 को दोबारा आदेश जारी किया गया। विभागीय निर्देशों के बावजूद केंद्र को अभी तक स्वयं के घर से अन्यत्र स्थानांतरित नहीं किया गया है।

27 अगस्त के आदेश में तीन दिन का अंतिम समय

परियोजना अधिकारी मनोरमा साहू द्वारा 27 अगस्त को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गोमती तंबोली, आंगनबाड़ी केंद्र वार्ड क्रमांक 7 क्रमांक 02 के नाम जारी आदेश में कहा गया है कि पूर्व में जारी पत्रों के माध्यम से वार्ड क्रमांक 8 में ही अनुकूल एवं सुविधायुक्त किराए के भवन में आंगनबाड़ी केंद्र स्थानांतरित करने के लिए निर्देशित किया गया था। इसके बावजूद 27 अगस्त तक इस संबंध में कोई जानकारी कार्यालय को उपलब्ध नहीं कराई गई। आदेश में संचालनालय महिला एवं बाल विकास, अटल नगर नवा रायपुर के निर्देशों का हवाला देते हुए कार्यकर्ता को अंतिम अवसर दिया गया है। इसमें केंद्र को स्वयं के मकान से अन्यत्र अनुकूल एवं सुविधाजनक किराए के भवन में तीन दिवस के भीतर स्थानांतरित कर केंद्र का संचालन शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही कार्यकर्ता को 31 अगस्त 2026 को दोपहर 12 बजे संबंधित जानकारी के साथ परियोजना कार्यालय में समक्ष उपस्थित होकर सुनवाई में शामिल होने के लिए भी निर्देशित किया गया है।

आदेश नहीं मानने पर मानदेय और सेवा पर कार्रवाई

विभाग ने इस बार आदेश का पालन नहीं करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित समय अवधि में आंगनबाड़ी केंद्र अन्यत्र स्थानांतरित नहीं किए जाने तथा कार्यालय के निर्देशों एवं आदेशों की अवहेलना करने की स्थिति में एकपक्षीय कार्रवाई की जाएगी।

इसके तहत मानदेय में कटौती, भवन किराए की राशि पर रोक तथा सेवा समाप्ति (बर्खास्तगी) जैसी कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी गई है। लगातार आदेश जारी होने के बाद भी केंद्र के स्थानांतरण नहीं होने से विभागीय आदेशों के पालन को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

माता-बहनों संग सावन के रंग में झूमी मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

विश्व केसरी

सूरजपुर। भटगांव विधानसभा अंतर्गत पार्वतीपुर स्थित हनुमान मंदिर (बारह मिल) परिसर के समीप में कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की पहल पर 'सावन उत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। सावन की हरियाली, उमंग और उत्साह के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र की बड़ी संख्या में माताओं-बहनों एवं भाजपा महिला मोर्चा की बहनों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए नृत्य, गीत-संगीत एवं विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सावन के पारंपरिक रंगों और महिलाओं के उत्साह से पूरा परिसर उत्सवमय नजर आया। माताओं-बहनों ने अपनी प्रतिभा के साथ कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कार्यक्रम में उपस्थित माताओं-बहनों के साथ आत्मीयता से समय बिताया और उनकी प्रस्तुतियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि सावन उत्सव केवल मनोरंजन का अवसर नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और आपसी स्नेह को मजबूत करने का माध्यम भी है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से महिलाओं को अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता को सामने रखने का अवसर मिलता है।

कार्यक्रम में प्रतिभागी महिलाओं का उत्साह बढ़ाते हुए, सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। अपनी प्रतिभा के लिए सम्मान और पुरस्कार पाकर महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। लक्ष्मी राजवाड़े जी ने कहा कि क्षेत्र की माताओं-बहनों के साथ इस तरह के आत्मीय आयोजन आगे भी निरंतर होते रहें, यही उनका प्रयास रहेगा। उन्होंने सभी बहनों को सावन उत्सव की शुभकामनाएं देते हुए उनके जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की इस पहल से आयोजित सावन उत्सव क्षेत्र की माताओं-बहनों के लिए आपसी मेल-मिलाप, प्रतिभा प्रदर्शन और उत्सव की खुशियां साझा करने का यादगार अवसर बना।

स्कूटी चालक को लगा 15000 रुपए का अर्थदंड

विश्व केसरी

अंबिकापुर (उमाकांत पाण्डेय)। सड़क दुर्घटनाओ मे कमी लाने की दिशा मे डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन मे पुलिस टीम द्वारा यातायात नियमो के अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध लगातार सख्ती से कार्यवाही की जा रही हैं, इसी क्रम मे थाना दरिमा पुलिस टीम द्वारा दौरान चेकिंग स्कूटी क्रमांक सीजी /15/ई जी /8224 के वाहन चालक को रोककर पूछताछ किया गया, जो चालक द्वारा अपना नाम आकाश कुजूर आत्मज दोमनीक कुजूर उम्र 20 वर्ष साकिन दरिमा थाना दरिमा* का होना बताया जो वाहन चालक को मौके पर शराब के नशे मे धुत होना पाया गया, स्कूटी चालक का डॉक्टरी मुलाहिजा कराये जाने पर शराब के नशे मे धुत्त होना पाया गया, स्कूटी चालक द्वारा बिना वैध लाइसेंस एवं शराब के नशे मे वाहन चलाना पाये जाने पर अनावेदक वाहन चालक के विरूद्ध धारा 3/181 एवं 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मामला माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

एआई को आकार देने में भारतीयों का बड़ा योगदान, मगर भारत की स्थिति अच्छी नहीं : सैम पित्रोदा

विश्व केसरी ■

न्यूयॉर्क। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में भारत ने बहुत कम प्रगति की है, जबकि इस तकनीक को विकसित करने में भारतीय विशेषज्ञों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि एआई का इस्तेमाल देश की अदालतों, शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं और कृषि क्षेत्र की समस्याओं को हल करने के लिए किया जाना चाहिए।

मीडिया को दिए एक विशेष साक्षात्कार में पित्रोदा ने कहा, 'मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है, लेकिन एआई के मामले में भारत अच्छी स्थिति में नहीं है। हालांकि भारतीय लोग एआई के क्षेत्र में अच्छी स्थिति में हैं। ये दोनों अलग बातें हैं।

उन्होंने कहा, 'बहुत से भारतीय एआई को आकार दे रहे हैं। लेकिन एक देश के तौर पर हमने बहुत कम प्रगति की है। हमारे पास एआई पर कोई स्पष्ट नीति नहीं है। कोई दिशा नहीं है। हमने शासन व्यवस्था में एआई का उपयोग नहीं किया है।

भारत में दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी के विस्तार में अहम भूमिका निभाने वाले पित्रोदा ने कहा कि एआई की सफलता का असली मापदंड यह होना चाहिए कि इससे आम लोगों की समस्याएं कितनी हल होती हैं।

उन्होंने अदालतों में लंबित करोड़ों मामलों का उदाहरण देते हुए कहा कि एआई इस क्षेत्र में बड़ा बदलाव ला सकता है।

उन्होंने कहा, 'क्या मैं एआई का उपयोग अपने अदालतों के मामलों को निपटाने के लिए कर सकता हूं? अगर एआई के जरिए अदालतों के मामलों को सुलझाने के लिए कोई विशेष तकनीकी मिशन शुरू किया जाए और वह सफल हो जाए, तो मुझे बहुत खुशी होगी।'

पित्रोदा ने कहा कि सिर्फ वित्तीय बाजारों या पश्चिमी देशों की समस्याओं के समाधान के लिए एआई विकसित करना पर्याप्त नहीं है। भारत को अपनी सामाजिक और आर्थिक जरूरतों पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'पश्चिमी देशों की समस्याओं, बैंकिंग या शेयर बाजार के लिए एआई बनाना ठीक है, लेकिन यह मुझे ज्यादा आकर्षित नहीं करता। सवाल यह है कि एआई हमारी शिक्षा को कैसे बेहतर बनाएगा हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था को कैसे मजबूत करेगा क्या एआई स्वास्थ्य सेवाओं की लागत कम कर सकता है हमारे किसानों की मदद कैसे कर सकता है यही असली मुद्दे हैं।'

पित्रोदा ने इस विचार को भी खारिज किया कि भारत की जरूरतों के लिए विकसित तकनीक की वैश्विक उपयोगिता सीमित होगी।

उन्होंने कहा कि जब आप भारत के लिए कुछ बनाते हैं, तो वह दुनिया के लिए भी उपयोगी बन सकता है। आज हर उत्पाद वैश्विक उत्पाद है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस समस्या का समाधान कर रहे हैं।

जुलाई में व्यापारियों को किया जाने वाला डिजिटल भुगतान 19.6 प्रतिशत बढ़कर 11.73 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचा: रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। शुक्रवार को जारी एक नई रिपोर्ट के अनुसार, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) आधारित भुगतान और क्रेडिट कार्ड खर्च में बढ़ोतरी के चलते जुलाई 2026 में व्यापारियों को किए गए डिजिटल भुगतान का कुल मूल्य 19.6 प्रतिशत बढ़कर 11.73 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

इक्विरस सिक्योरिटीज द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2025 में व्यापारियों को किए गए डिजिटल भुगतान का मूल्य 9.80 लाख करोड़ रुपए था। वहीं जून 2026 के 11.17 लाख करोड़ रुपए की तुलना में भी जुलाई में लगभग 5 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर्ज की गई।

रिपोर्ट के अनुसार, यूपीआई-व्यापारी भुगतान (पी2एम) और क्रेडिट कार्ड लेनदेन डिजिटल भुगतान प्रणाली के प्रमुख वृद्धि चालक बने रहे। जुलाई में यूपीआई-आधारित व्यापारी भुगतान में सालाना आधार पर 23.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि क्रेडिट कार्ड खर्च में 7.4 प्रतिशत का इजाफा दर्ज किया गया।

जुलाई के दौरान यूपीआई-पी2एम लेनदेन का कुल मूल्य 9.066 लाख करोड़ रुपए रहा, जो कुल डिजिटल व्यापारी भुगतान का 77.3 प्रतिशत हिस्सा था। जून की तुलना में इसकी हिस्सेदारी 22 आधार अंक और पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 243 आधार अंक बढ़ी है। यह दर्शाता है कि भारत में व्यापारियों के बीच यूपीआई भुगतान का उपयोग लगातार मजबूत हो रहा है।

क्रेडिट कार्ड के जरिए खर्च की गई राशि जुलाई में 2.081 लाख करोड़ रुपए रही। यह जून की तुलना में 3.4 प्रतिशत अधिक है। कुल डिजिटल व्यापारी भुगतान में क्रेडिट कार्ड की हिस्सेदारी 17.7 प्रतिशत रही।

वहीं डेबिट कार्ड के माध्यम से किए गए खर्च में सालाना आधार पर 0.8 प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज की गई। हालांकि मासिक आधार पर इसमें 7.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई और कुल खर्च बढ़कर 37,700 करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रीपेड कार्ड के जरिए लगभग 6,600 करोड़ रुपए और डिजिटल वॉलेट्स के माध्यम से करीब 13,700 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। इस प्रकार दोनों माध्यमों से कुल 20,300 करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में 41.1 प्रतिशत और जून के मुकाबले 4.3 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान, क्रेडिट कार्ड बाजार का विस्तार भी जारी रहा। जुलाई में प्रचलन में मौजूद क्रेडिट कार्डों की संख्या बढ़कर 12.29 करोड़ हो गई, जो पिछले महीने की तुलना में 12.67 लाख अधिक है।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म क्रेडिट कार्ड उपयोग का सबसे बड़ा माध्यम बने हुए हैं। जुलाई में कुल क्रेडिट कार्ड खर्च का 63.6 प्रतिशत हिस्सा ई-कॉमर्स के माध्यम से हुआ, जबकि जून में यह आंकड़ा 63.1 प्रतिशत था।

छोटी सी लौंग सेहत के लिए बड़े काम की, दांत दर्द से लेकर मुंह की बदबू तक में देती है राहत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। लौंग भारतीय किचन में इस्तेमाल होने वाला ऐसा मसाला है, जो भले ही साइज में छोटा दिखे, लेकिन इसमें कई तरह के प्राकृतिक गुण पाए जाते हैं। चाय से लेकर सब्जी तक, लौंग का इस्तेमाल स्वाद और खुशबू बढ़ाने के लिए किया जाता है। सर्दी-जुकाम या दांत में दर्द होने पर भी लोग अक्सर लौंग का इस्तेमाल करते हैं।

वैज्ञानिक रिसर्च की मानें, तो इसमें मौजूद कई ऐसे तत्व है, जो शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं। खासतौर पर इसमें मौजूद यूजेनॉल, फ्लेवोनॉयड्स और दूसरे पौधों से मिलने वाले रसायन इसके खास गुण हैं।

लौंग का सबसे ज्यादा फायदा दांत के दर्द में माना जाता है। लौंग में मौजूद यूजेनॉल दर्द को कुछ समय के लिए कम करने में मदद करता है। यही वजह है कि दांतों के इलाज में भी यूजेनॉल का इस्तेमाल किया जाता है। अगर कभी हल्का दांत दर्द हो तो लोग लौंग को दांत

के पास रखने का घरेलू तरीका अपनाते हैं। इससे कुछ समय के लिए आराम मिलता है। लेकिन अगर दर्द ज्यादा है, मसूड़ों में सूजन है या दांत में इन्फेक्शन है, तो डॉक्टर को दिखाना जरूरी है।

लौंग मुंह की सफाई के लिए भी फायदेमंद होती है। इसमें ऐसे गुण पाए जाते हैं जो कुछ तरह के बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करते हैं। खाना खाने के बाद एक लौंग चबाने से मुंह में ताजगी बनी रहती है। हालांकि, लौंग चबाना ब्रश करने या दांतों की सही सफाई का विकल्प नहीं है।

लौंग में एंटीऑक्सीडेंट भी पाए जाते हैं।

दरअसल, हमारे शरीर में कुछ ऐसे कण बनते हैं जो ज्यादा होने पर कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं। एंटीऑक्सीडेंट इनसे शरीर को बचाने में मदद करते हैं। लौंग में मौजूद यूजेनॉल और दूसरे प्राकृतिक तत्व इस काम में मदद करते हैं। इसी कारण लौंग को शरीर के लिए फायदेमंद मसालों में गिना जाता है। लौंग में सूजन कम करने वाले गुण भी पाए गए हैं। शरीर में चोट या किसी परेशानी के कारण सूजन होना आम बात है। रिसर्च में लौंग के कुछ तत्वों ने ऐसी प्रक्रियाओं को कम करने की क्षमता दिखाई है, जिनकी वजह से शरीर में सूजन होती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि किसी बीमारी या ज्यादा सूजन का इलाज सिर्फ लौंग से किया जा सकता है। इसके लिए डॉक्टर की सलाह जरूरी होती है।

पाचन से लेकर मानसिक सतर्कता तक, जानें विपरीतकरणी मुद्रा के लाभ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग शरीर और मन को संतुलित करने की प्राचीन विद्या है। रोजमर्रा की भागदौड़ से शारीरिक थकान, तनाव और पाचन संबंधित समस्या आम हैं। इन्हीं आसनों में विपरीतकरणी है, जो न सिर्फ शरीर को नई ऊर्जा देता है, बल्कि थके हुए मन को भी शांत करता है।

'विपरीतकरणी' आसन एक संस्कृत शब्द है, जो उल्टे होने के एक कार्य को दर्शाता है। यह दो शब्दों से मिलकर बना है, जिसमें 'विपरीत' का अर्थ 'उलटा' और 'करणी' का अर्थ 'करना' होता है। इस आसन में आपको सर्वांगासन के समान अपने पैरों को ऊपर की ओर करना होता है। यह आसन हमारे शरीर के लिए अनेक प्रकार से लाभदायक है।

यह एक ऐसा सरल अभ्यास है जिसे हर उम्र का व्यक्ति आसानी से कर सकता है और इसके नियमित अभ्यास से शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, विपरीतकरणी आसन एक बेहद प्रभावी और विश्रामकारी योग अभ्यास है, जिसका शाब्दिक अर्थ 'उलटी क्रिया वाला आसन' या 'प्रवाह को मोड़ने वाला आसन' होता है। इसे आधुनिक योग में अक्सर दीवार के सहारे किया जाता है।

आयुष मंत्रालय ने इसके लाभ भी टिप्पणी की है। उनके अनुसार, यह आसन गुरुत्वाकर्षण के विपरीत काम करता है, जिससे पैरों और निचले शरीर से रक्त का प्रवाह वापस हृदय और मस्तिष्क की ओर सुचारू रूप से बढ़ता है। यह हाइपोएक्टिव थायरॉइड से जुड़ी समस्याओं को प्रबंधित करने में सहायक है।

विपरीतकरणी मुद्रा का एक और बड़ा लाभ थायरॉयड नियंत्रण है।

साथ ही, यह हमारे केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को शांत करता है, जिससे मानसिक सतर्कता बढ़ती है और तनाव से राहत मिलती है।

यह आसन ऐसे व्यक्तियों के लिए भी कारगर है, जिन्हें भूख कम लगती है। इसके नियमित अभ्यास से जठराग्नि तीव्र होती है, भूख बढ़ती है और पाचन क्रिया बेहतर होती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, इसके रोजाना अभ्यास से शरीर और मन दोनों में संतुलन बना रहता है। हालांकि, शुरुआत में 5-10 मिनट से अभ्यास करें और धीरे-धीरे समय बढ़ाएं। गर्भवती महिलाओं, हाई ब्लड प्रेशर या गंभीर समस्या वाले मरीजों को डॉक्टर या योग विशेषज्ञ से सलाह लेकर ही अभ्यास करना चाहिए।

2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा भारत, 9 रिएक्टरों का निर्माण जारी: सरकार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत ने स्वच्छ और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में अपनी क्षमता विस्तार की गति तेज कर दी है। एक आधिकारिक फैक्टशीट में शुक्रवार को कहा गया है कि वर्तमान में देश में 24 परमाणु ऊर्जा रिएक्टर संचालित हो रहे हैं, जिनकी कुल स्थापित क्षमता 8.78 गीगावाट है। इसके अलावा, 9 नए रिएक्टरों का निर्माण जारी है, जिनकी संयुक्त क्षमता 7.5 गीगावाट होगी।

सरकार ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।

इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने हाल के वर्षों में कई महत्वपूर्ण नीतिगत कदम उठाए हैं। परमाणु ऊर्जा मिशन (2025-26) और शांति अधिनियम, 2025 जैसे उपायों के माध्यम से क्षमता विस्तार को गति दी जा रही है। इन पहलों का उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को मजबूत करना, तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहित करना और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ाना है।

फैक्टशीट में कहा गया है कि सरकार ने स्वदेशी तकनीक पर आधारित 10 प्रेसराइज्ड हेवी वॉटर रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) को फ्लीट मोड में स्थापित करने की मंजूरी भी दी है। इसके साथ ही 500 मेगावाट क्षमता वाले दो फास्ट ब्रीडर रिएक्टरों (एफबीआर) के लिए प्रारंभिक परियोजना गतिविधियों को भी स्वीकृति प्रदान की गई है।

भारत का परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम लंबे समय से तकनीकी आत्मनिर्भरता की रणनीति पर आधारित रहा है। यह रणनीति उन ऐतिहासिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाई गई थी, जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईंधन प्रतिबंधों और तकनीकी सीमाओं का सामना करना पड़ा था। इसी कारण भारत ने अपने विशाल थोरियम भंडार के उपयोग पर आधारित दीर्घकालिक नीति विकसित की।

फैक्टशीट में भारत के स्वदेशी तीन-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम का भी उल्लेख किया गया है।

ऑफिस में घंटों बैठने से अकड़ जाती है कमर? इस आसान से तुरंत मिलेगा आराम

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आजकल लंबे समय तक कुर्सी पर बैठकर काम करने, मोबाइल चलाने और शारीरिक गतिविधि कम होने की वजह से पीठ, गर्दन और कंधों में अकड़न आम हो गई है। ऐसे में योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना काफी मददगार हो सकता है। अर्धचक्रासन एक सरल योगासन है, जिसमें शरीर को पीछे की ओर मोड़ा जाता है। नियमित और सही तरीके से इसका अभ्यास करने से शरीर में लचीलापन बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि अर्धचक्रासन करते समय शरीर का ऊपरी हिस्सा धीरे-धीरे पीछे की ओर झुकता है। इस दौरान मेरुदण्ड (रीढ़ की हड्डी) पर खिंचाव आता है। इससे रीढ़ के आसपास की मांसपेशियों को सक्रिय करने और उनमें लचीलापन बनाए रखने में मदद मिल सकती है। यही वजह है कि इसे पीठ और शरीर के ऊपरी हिस्से के लिए उपयोगी योगाभ्यास माना जाता है।

इसे करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं और दोनों पैरों के बीच थोड़ा अंतर रखें। अब दोनों हाथों को कमर के पीछे रखें। सांस लेते हुए छाती को थोड़ा ऊपर उठाएं और धीरे-धीरे कंधों को पीछे ले जाते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से को पीछे की ओर झुकाएं।

ध्यान रखें कि गर्दन पर अचानक दबाव न डालें। जितना आराम से पीछे जा सकें, उतना ही जाएं। अपनी क्षमता से ज्यादा शरीर को पीछे मोड़ने की कोशिश बिल्कुल न करें। कुछ क्षण इसी स्थिति में सहज सांस लेते रहें। इसके बाद धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में वापस आ जाएं। किसी तरह का दर्द या असहजता महसूस होने पर तुरंत अभ्यास रोक दें।

इस योग अभ्यास को नियमित दिनचर्या में शामिल करना खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकता है जो लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं।

गुजरात: बिना लाइसेंस के कॉस्मेटिक मटेरियल का निर्माण करते पकड़ी गई कंपनी, 2.68 लाख का स्टॉक जब्त

विश्व केसरी ■

अहमदाबाद। गुजरात के खाद्य एवं औषधि नियंत्रण प्रशासन (एफडीसीए) ने अहमदाबाद के त्रागड़ इलाके में एक फर्म से 2.68 लाख रुपये से अधिक मूल्य के कॉस्मेटिक मटेरियल और संबंधित सामग्री जब्त की है। यह पाया गया कि उत्पादों का निर्माण और पुनर्पैकेजिंग कथित तौर पर आवश्यक लाइसेंस और गुणवत्ता परीक्षण के बिना किया जा रहा था।

गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एफडीसीए की एक टीम ने 25 अगस्त को 'आंकी हर्बल' में अचानक निरीक्षण किया।

विभाग के अनुसार, यह फर्म

आवश्यक लाइसेंस प्राप्त किए बिना या गुणवत्ता परीक्षण किए बिना कॉस्मेटिक मटेरियल का निर्माण कर रही थी और थोक पैक से उत्पादों की पुनर्पैकेजिंग कर रही थी।

अधिकारियों ने फेयरनेस क्रीम, डार्क सर्कल क्रीम, शैम्पू, हेयर ऑयल, बॉडी वॉश, फेस वॉश, स्क्रब, सॉलिड परफ्यूम और ग्लिसरीन आधारित साबुन सहित विभिन्न प्रकार के स्टॉक जब्त किए।

कच्चा माल, पैकेजिंग सामग्री और मुद्रित लेबल भी जब्त किए गए, जिससे सामग्री का कुल मूल्य 2.68 लाख रुपये से अधिक हो गया।

विभाग की जांच में पता चला कि इस गतिविधि में इस्तेमाल होने वाली थोक सामग्री कथित तौर पर अहमदाबाद के ओधव क्षेत्र में स्थित 'रवि मार्केटिंग' से खरीदी गई थी।

विभाग ने कहा, 'शिवांता रीगल स्थित एक फ्लैट में कॉस्मेटिक मटेरियल की अवैध रूप से पैकेजिंग की गई और ग्लिसरीन साबुन का निर्माण किया गया।'

महिला हॉकी विश्व कप: नीदरलैंड्स और अर्जेंटीना के बीच होगा फाइनल मुकाबला, खिताब का बचाव करने से एक कदम दूर डच टीम

विश्व केसरी ■

एम्स्टर्डम। नीदरलैंड्स (डच) और अर्जेंटीना शनिवार को एफआईएच महिला हॉकी वर्ल्ड कप के फाइनल में भिड़ेंगी। दोनों टीमों ने सेमीफाइनल में कड़े मुकाबले के बाद जीत हासिल की है। यह 2022 के विश्व कप फाइनल का रीमैच होगा, जिसमें नीदरलैंड्स ने बाजी मारी थी।

मेजबान नीदरलैंड्स ने पहले सेमीफाइनल में सह-मेजबान बेल्जियम को 1-0 से हराया, जबकि गुरुवार रात दूसरे सेमीफाइनल में अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से मात दी। एम्स्टर्डम में तीन बार की डिफेंडिंग चैंपियन नीदरलैंड्स के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में बेल्जियम को कमजोर माना जा रहा था। हालांकि, उन्होंने जबरदस्त शुरुआत की और पहले क्वार्टर में नीदरलैंड्स टीम को कड़ी टक्कर दी। हाफ-टाइम से ठीक पहले घरेलू टीम ने काउंटर-अटैक करते हुए बढ़त बनाई। 28वें मिनट में शानदार बिल्ड-अप के बाद फ्रेडरिक माटला ने एक हाथ से डिफ्लेक्शन करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई। हाफ खत्म होने में 9 सेकंड बाकी रहते बेल्जियम को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वे बराबरी करने का मौका नहीं भुना पाए। मैच का दूसरा हाफ भी काफी रोमांचक रहा। समय खत्म होने से ठीक पहले बेल्जियम को लगा कि उसने बराबरी का गोल कर दिया है। 18 वर्षीय फामके वैन हील ने शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। हालांकि, वीडियो रिव्यू के बाद इस गोल को रद्द कर दिया गया। इससे नीदरलैंड्स के खिलाड़ियों और दर्शकों ने राहत की सांस ली। इसके साथ ही नीदरलैंड्स ने लगातार आठवीं बार वर्ल्ड कप फाइनल में अपनी जगह बना ली है।

दूसरे सेमीफाइनल का पहला हाफ काफी कड़ा और संतुलित रहा। दोनों टीमों को ज्यादा मौके नहीं मिले। अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया ने पांच-पांच बार विरोधी टीम के सर्कल में प्रवेश किया और दोनों को एक-एक पेनल्टी कॉर्नर भी मिला। तीसरे क्वार्टर में अर्जेंटीना ने ज्यादा आक्रामक खेल दिखाया और कई बार गोल करने की कोशिश की, लेकिन टीम बढ़त हासिल नहीं कर सकी। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया को भी एक शानदार मौका मिला, लेकिन अर्जेंटीना की गोलकीपर क्रिस्टीना कोसेंटिनो ने बेहतरीन बचाव करते हुए गोल नहीं होने दिया। आखिरकार 'लास लियोनास' (अर्जेंटीना टीम) को पेनल्टी कॉर्नर वेरिएशन से सफलता मिली, जब 47वें मिनट में जूलिएटा जंकुनास ने गोल किया। इससे दर्शकों में मौजूद अर्जेंटीना के समर्थक जोश से भर गए - और उनके लिए जश्न मनाने का एक और मौका तब आया जब कोसेंटिनो ने आखिरी समय के बीच में ऑस्ट्रेलिया के दो पेनल्टी कॉर्नर प्रयासों को रोक दिया।

मैच खत्म होने में सिर्फ 17 सेकंड बचे थे, तब ऑस्ट्रेलिया बराबरी के बहुत करीब पहुंच गया था। हालांकि, गोल की ओर जा रही गेंद कप्तान ग्रेस स्टीवर्ट की स्टिक से नहीं लग सकी। इसके साथ ही अर्जेंटीना ने 1-0 से जीत दर्ज कर सातवीं बार वर्ल्ड कप फाइनल में अपनी जगह बना ली। इससे पहले, स्पेन ने चीन को शूटआउट में हराकर सातवां स्थान हासिल किया। स्पेन ने पहले क्वार्टर के हूटर से कुछ सेकंड पहले बढ़त बना ली, जब मार्टा सेगु का गलत शॉट गोल में चला गया। चीन ने दूसरे क्वार्टर के आखिरी पलों में मैच में वापसी की। क्वार्टर खत्म होने में सिर्फ दो सेकंड बचे थे, तब अनहुई यू ने सर्कल के किनारे से शानदार रिवर्स शॉट लगाकर गोल किया और हाफ-टाइम तक स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई किया

एजेंसी ■

नई दिल्ली। स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। चोपड़ा ने ज्यूरिख डायमंड लीग खत्म होने के बाद ओवरऑल स्टैंडिंग में छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

नीरज चोपड़ा लीग से 12 पॉइंट्स के साथ छठे स्थान पर रहे। उन्होंने सिर्फ दो लेग्स में हिस्सा लिया, जबकि ज्यूरिख सहित तीन लेग्स में हिस्सा नहीं ले सके। श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरगे ने ज्यूरिख डायमंड लीग मीटिंग में 92.07 मीटर का थ्रो करके एंडरसन पीटर्स को हराकर लेग जीता। पीटर्स 86.93 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे और चेक गणराज्य के डेविड वेगनर 85.16 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

चोपड़ा ने ज्यूरिख डायमंड लीग छोड़ दी और इस सीजन में सिर्फ दो लेग्स में हिस्सा लिया। उन्हें इस महीने की शुरुआत में लॉजेन डायमंड लीग में एक्शन में देखा गया था, जहां वह रुमेश के बाद 88.05 मीटर दूर जैवलिन फेंककर दूसरे स्थान पर रहे थे।

इससे पहले चोपड़ा ने चोट से वापसी करते हुए दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लिया था और 85.69 मीटर थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे।

टोक्यो ओलंपिक 2020 में स्वर्ण और पेरिस ओलंपिक 2024 में रजत पदक जीतने वाले चोपड़ा ने हाल में ग्लासगो में संपन्न कॉमनवेल्थ गेम्स में 85.83 मीटर थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। यहां भी उन्हें श्रीलंका के रुमेश ने पीछे छोड़ा था।

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स के बाद नीरज ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा था, 'कुछ थ्रो ऐसे होते हैं जो दूर तक जाते हैं, और फिर कुछ ऐसे पल होते हैं जो पूरी यात्रा का बोझ उठाते हैं। पिछले 10 महीनों ने मुझे ऐसे तरीकों से परखा है जिनकी मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी।

नीरज चोपड़ा की नजर अब 4 और 5 सितंबर को होने वाले ब्रसेल्स फाइनल पर होगी। इससे पहले 2022 में 88.44 मीटर थ्रो करके डायमंड लीग फाइनल जीता था और यह खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने थे।

गोल्फ: 65 के स्कोर के साथ अक्षय शुरुआती दौर में आगे, पहले स्थान पर मिन वू ली का कब्जा

विश्व केसरी ■

अटलांटा (अमेरिका)। अक्षय भाटिया ने टूर चैंपियनशिप में शानदार खेल दिखाते हुए पांच-अंडर 65 का स्कोर किया और खिताब की दौड़ में अपनी जगह बना ली है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के मिन वू ली ने पहले राउंड में कोर्स-रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए 62 का शानदार स्कोर किया और सबका ध्यान अपनी ओर खींचा।

30 खिलाड़ियों के बीच भारतीय मूल के एकमात्र गोल्फर भाटिया दिन के अंत में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी स्कॉटी शेफलर के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहे। वे लीडरबोर्ड में सबसे ऊपर चल रहे ली से सिर्फ तीन शॉट पीछे थे। हीरो द्वारा प्रायोजित 24 वर्षीय भारतीय-अमेरिकी खिलाड़ी ने ईस्ट लेक गोल्फ क्लब की आसान परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने सात बर्डी लगाईं, लेकिन इस दौरान दो बोगी भी हुईं। पहले टी से शुरुआत करते हुए भाटिया ने पांचवें होल पर पहली बर्डी लगाई और छठे होल पर भी बर्डी हासिल की। ??इसके बाद उन्होंने 11वें और 12वें होल पर लगातार बर्डी लगाईं और अंत में 16वें और 17वें होल पर बर्डी के साथ शानदार समापन किया। उन्हें हर नौ होल के सेट में एक-एक बोगी का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने संयम बनाए रखा और 65 का स्कोर दर्ज किया।

लॉर्ड्स टेस्ट: इंग्लैंड की पहली पारी 290 पर सिमटी, पाकिस्तान के लिए अब्बास ने लिए 4 विकेट

विश्व केसरी ■

लॉर्ड्स। पाकिस्तान के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन के पहले सत्र में इंग्लैंड की पहली पारी 290 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए।

दूसरे दिन के खेल की शुरुआत इंग्लैंड ने 9 विकेट पर 248 रन से की। गस एटकिंसन और जोश टंग की जोड़ी ने 10वें विकेट के लिए 47 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 290 तक पहुंचाया। एटकिंसन 46 गेंदों पर 45 रन बनाकर आखिरी विकेट के रूप में आउट हुए। टंग 48 गेंदों पर 30 रन बनाकर नाबाद रहे।

पहले दिन टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 77 के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे और ऐसा लग रहा था कि टीम 200 का आंकड़ा शायद पार न करे, लेकिन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए जॉर्डन कॉक्स ने 55 और सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने 61 रन की पारी खेल टीम को संभाला था।

बेन डकेट 17, एमिलियो गे 8, कप्तान रुट 4, हैरी ब्रूक 15, डैन लॉरेंस 17 और जोफ्रा आर्चर 14 रन बनाकर आउट हुए।

पाकिस्तान के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास सबसे सफल रहे। उन्होंने 20 ओवर में 73 रन देकर 4 विकेट लिए। मोहम्मद अली ने 22 ओवर में 86 रन देकर 3 विकेट लिए। खुर्रम शहजाद और अली उस्मान को 1-1 विकेट मिला।

पाकिस्तान को अगर लॉर्ड्स टेस्ट में पकड़ मजबूत करनी है तो उसे पहली पारी में बड़ा स्कोर बनाकर इग्लैंड पर बड़ी लीड लेनी होगी।

पाकिस्तान तीन टेस्ट मैचों की इस सीरीज का पहला टेस्ट गंवाकर सीरीज में 1-0 से पीछे चल रहा है। पाकिस्तान के लिए एक और समस्या सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक की इंजरी है। इमाम इंजरी की वजह से पारी का आगाज करने नहीं उतरे।

कप्तान गिल ने की पडिक्कल-मानव की जमकर तारीफ, दूसरा टेस्ट ड्रॉ होने पर जताई निराशा

विश्व केसरी ■

कोलंबो। भारत के कप्तान शुभमन गिल ने श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई टेस्ट सीरीज में मिली 1-0 की जीत के बाद कहा कि इस सीरीज के दौरान कई सकारात्मक नतीजे निकले। उन्होंने खासतौर पर देवदत्त पडिक्कल और मानव सुथार के प्रदर्शन की सराहना की।

साई सुदर्शन की गैरमौजूदगी में तीसरे नंबर पर खेलते हुए पडिक्कल ने शानदार प्रदर्शन किया और दो शतक समेत कुल 328 रन बनाए। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में बात करते हुए गिल ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह हमारे लिए एक बेहतरीन सीरीज रही। सीरीज में कई सकारात्मक बातें देखने को मिलीं, सभी युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जो देखकर बहुत खुशी होती है। भारतीय कप्तान ने आगे कहा, 'निश्चित रूप से हम अक्सर कहते हैं कि एक बार जब कोई बल्लेबाज क्रीज पर जम जाए, तो उसे इसका पूरा फायदा उठाना चाहिए, और देवदत्त ने ऐसा करके दिखाया है। यह हमारे लिए बहुत सकारात्मक संकेत है और सीरीज में उनकी बल्लेबाजी देखना वाकई सुखद अनुभव था। इससे खिलाड़ी की मानसिकता का पता चलता है, और यह हमारे लिए एक बहुत अच्छी बात है।'

बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर सुथार ने 16 विकेट लिए, जिसमें गाले में 165 रन की जीत के दौरान एक मैच में 10 विकेट लेना का शानदार प्रदर्शन भी शामिल रहा। गिल ने आगे कहा, 'उन्होंने (मानव सुथार) हमारे लिए शानदार प्रदर्शन किया है और मुझे लगता है कि वह लंबे समय तक भारत के स्पिन अटैक की कमान संभालेंगे। इस मैच और पहले मैच में भी उनकी गेंदबाजी देखना बहुत अच्छा लगा। जब भी वह गेंदबाजी करने आते हैं, तो ऐसा लगता है कि वह मौके बनाएंगे और हमें विकेट दिलाएंगे। उम्मीद है कि वह आगे भी अच्छा प्रदर्शन करते रहेंगे। यह मानते हुए कि जीत की मजबूत स्थिति में होने के बावजूद दूसरा टेस्ट ड्रॉ होना निराशाजनक था, गिल ने सिंहली क्रिकेट क्लब ग्राउंड पर खेल के आखिरी दो दिनों में श्रीलंका के जज्बे और रणनीति के सही क्रियान्वयन की सराहना की।

'हॉकी के जादूगर': चांद की रोशनी में प्रैक्टिस, हिटलर भी हुआ था खेल का दीवाना, देश को दिलाए तीन गोल्ड मेडल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। मेजर ध्यानचंद, भारतीय हॉकी को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने वाले चैंपियन खिलाड़ी थे। ध्यानचंद जब मैदान पर खेलते थे, तो ऐसा लगता था कि गेंद उनकी स्टिक से किसी चुंबक की तरह चिपक सी गई है। ध्यानचंद के खेल से प्रभावित होकर हिटलर ने उन्हें जर्मनी से खेलने तक का ऑफर दे दिया था।

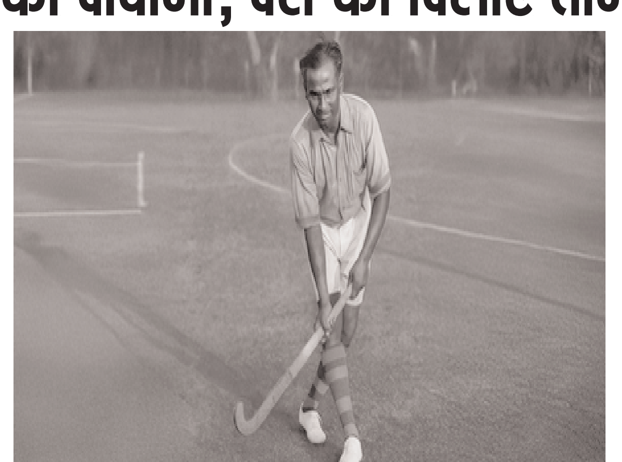

ध्यानचंद का जन्म 29 अगस्त, 1905 को प्रयागराज में हुआ। उनके पिता ब्रिटिश सेना में थे। ध्यानचंद को बचपन से ही हॉकी खेलने का शौक था और वो शौक जल्द ही जुनून में तब्दील हो गया। महज 16 साल की उम्र में ध्यानचंद सिपाही के तौर पर सेना से जुड़ गए। यहीं से असल में उनके ऐतिहासिक हॉकी करियर की शुरुआत भी हुई।

ध्यानचंद को हॉकी के खेल से ऐसा लगाव था कि दिन तो दिन वो रात में चांद की दूधिया रोशनी में भी प्रैक्टिस किया करते थे। इसी कारण उनके दोस्त उन्हें 'चांद' कहकर पुकारा करते थे। इसी कारण बाद में उनका नाम 'ध्यानचंद' पड़ गया। सेना में अपनी सेवाएं देने के दौरान ध्यानचंद ने रेजिमेंटल मैच खेलने शुरू कर दिए थे। 1922 से लेकर 1926 के बीच ध्यानचंद ने अपने खेल से हर किसी को खासा प्रभावित किया।

ध्यानचंद की प्रतिभा से प्रभावित होकर उन्हें न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में चुना गया। ध्यानचंद तो मानो मौके की तलाश में ही बैठे थे और इस दौरे पर उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन किया। भारतीय सेना ने न्यूजीलैंड में 18 मैच जीते और सिर्फ एक ही मुकाबले में हार का सामना किया, जिसका श्रेय ध्यानचंद के जादुई खेल को गया। भारतीय हॉकी महासंघ ने 1928 ओलंपिक के लिए जब टीम भेजने का निर्णय लिया, तो ध्यानचंद को ट्रायल के लिए बुलाया गया और वह ओलंपिक के लिए टीम में जगह बनाने में सफल रहे।

ओलंपिक में ध्यानचंद का प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा। उन्होंने सिर्फ 5 मुकाबलों में 14 गोल दागे और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। इसका नतीजा यह रहा कि भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही और गोल्ड मेडल जीतकर स्वदेश लौटी।

प्रज्ञानंद ने रचा इतिहास, ग्रैंड चेस टूर का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रमेशबाबू प्रज्ञानंद ने इतिहास रच दिया है। वह ग्रैंड चेस टूर का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने अमेरिका के सेंट लुइस में हुए फाइनल में फैबियानो कारुआना को 15-13 से हराया।

प्रज्ञानंद के लिए यह नतीजा खास रहा, क्योंकि फाइनल मुकाबले में शुरुआती बढ़त गंवाने के बावजूद उन्होंने शानदार वापसी की। इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों की क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज, तीनों तरह की शतरंज में क्षमता की परीक्षा ली जाती है।अडानी ग्रुप द्वारा समर्थित इस भारतीय स्टार ने क्लासिकल चेस में 3-9 से हारने के बाद रैपिड सेक्शन में वापसी की और इसे 8-0 से जीता। इसके बाद ब्लिट्ज वर्शन में मुकाबला 4-4 से बराबरी पर छूटा, जिससे वह कुल 15-13 के स्कोर के साथ खिताब जीतने में सफल रहे।

इस इवेंट में हर जीत पर छह प्वाइंट मिलते हैं, क्लासिकल में ड्रॉ पर तीन प्वाइंट मिलते हैं, जबकि रैपिड चेस में जीत पर चार प्वाइंट और ड्रॉ पर दो प्वाइंट मिलते हैं। ब्लिट्ज में हर जीत पर दो प्वाइंट और ड्रॉ पर एक प्वाइंट मिलता है। अमेरिका के ही वेस्ली सो ने तीसरे स्थान के लिए हुए प्लेऑफ में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

टॉप स्थान और फाइनल में जीत से प्रज्ञानंद को 2 लाख डॉलर (लगभग 1.90 करोड़ रुपये) मिले, जबकि कारुआना को दूसरे स्थान पर रहने के लिए 1 लाख 25 हजार डॉलर मिले। वेस्ली सो को तीसरे स्थान के लिए 75 हजार डॉलर मिले, जबकि विंसेंट कीमर ने चौथे स्थान पर रहने के लिए 50 हजार डॉलर हासिल किए।

21 वर्षीय प्रज्ञानंद ने पहले सेमीफाइनल में कीमर को 19-9 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी, जबकि कारुआना ने दूसरे सेमीफाइनल में वेस्ली सो को 18-12 से हराया था। प्रज्ञानंद 2018 में सिर्फ 13 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बने थे। उनकी मौजूदा रेटिंग 2750 है और अगस्त 2026 की ताजा फिडे क्लासिकल रैंकिंग में वह दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी हैं।

प्रज्ञानंद ने ग्रैंड चेस टूर 2026 सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। इस सीजन का ग्रैंड फिनाले 21 से 28 अगस्त के बीच सेंट लुइस चेस क्लब में खेला गया था। चेन्नई के 21 वर्षीय प्रज्ञानंद रेगुलर सीजन के बाद टॉप-4 खिलाड़ियों में शामिल रहे, जिसके कारण उन्हें ग्रैंड चेस टूर खिताब के लिए आयोजित नॉकआउट टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिला।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415